CMYK

www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | छत्तीसगढ़ का पहला राष्ट्रीय दैनिक | संपर्क करें : bilaspurdeshbandhu@gmail.com

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

बिलासपुर, शनिवार, 2 सितंबर 2023 | वर्ष – 33 | अंक –124 | पृष्ठ –12 | मूल्य – 4.00 रु

अभिमत
■ कदम चांद पर लेकिन सोच वही दकियानूसी — पृष्ठ 6

■ मणिपुर में हिंसा से जुड़े मामलों की तेजी से जांच के लिए बनेंगी 42 एसआईटी — पृष्ठ 7

इंडिया गठबंधन की बैठक में विपक्ष दलों की चुनौती

जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया

■ अगली बैठक में गठबंधन के लोगों व संयोजक का ऐलान किया जाएगा
■ तीस सितम्बर तक लिया जाना है सीट बंटवारे पर फैसला

■ राजीव रंजन श्रीवास्तव

मुंबई, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। विपक्षी दलों के इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल अलायंस (इंडिया) की तीसरी बैठक मुंबई में हुई। मीटिंग के दूसरे दिन 1 सितंबर को गठबंधन ने 13 मेंबर की कोऑर्डिनेशन कमेटी का ऐलान किया। बाद में कहा गया कि कमेटी में माकपा के मेंबर का नाम भी जोड़ा जाएगा। इसके बाद इस कमेटी में 14 मेंबर हो जाएंगे। मीटिंग में इंडिया गठबंधन के अध्यक्ष और संयोजक ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

इंडिया का जीतना जरूरी है। गठबंधन को जिताने के लिए ही हम सब इस मंच पर बैठे हैं। हम हर राज्य की राजधानी में जाएंगे और मीटिंग करेंगे : **मल्लिकार्जुन खड़गे**

देश की एकता व संप्रभुता को मजबूत करना ही समय की मांग है हम लोगों ने संकल्प लिया है कि मोदी को हटाकर ही दम लेंगे : **लालू यादव**

बैठक में 3 प्रस्ताव पास किए गए

अगले लोकसभा चुनाव जहां तक संभव हो मिलकर लड़ा जाएगा। राज्यों में सीट बंटवारे की व्यवस्था तुरंत शुरू की जाएगी।

सार्वजनिक चिंता और महत्व के मुद्दों पर देशभर में जल्द से जल्द सार्वजनिक रैलियां करेंगे। अलग-अलग भाषाओं में जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया थीम के साथ पब्लिसिटी और मीडिया स्ट्रैटेजी बनाई जाएगी।

सितम्बर के दूसरे हफ्ते से कार्यक्रम हो जाएंगे शुरू

'इंडिया' की मुम्बई बैठक सम्पन्न

संयुक्त प्रतिपक्ष मोदी-भाजपा को हराने के लिये कटिबद्ध

■ डॉ. दीपक पाचपोर

रायपुर, 1 सितम्बर। (देशबन्धु) लोकसभा चुनाव, अब चाहे अपने वक्त पर 2024 के मध्य में हो या जैसी कि केन्द्र सरकार की मंशा दिख रही है, इसी साल होने वाले विधानसभा चुनावों के साथ करा दिये जाएं- देश के दो दर्जन से अधिक प्रमुख विपक्षी दल 'इंडिया' के बैनर तले प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में चल रही भारतीय जनता पार्टी सरकार को हराने का संकल्प ले चुके हैं। तमाम तरह की आशंकाओं को दरकिनार करते हुए मुम्बई में एक बड़े मंच पर साथ आये 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूज़िव एलाएंस) में शामिल साथी दल भारत की 60 प्रतिशत जनता का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिये आश्चर्य नहीं कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी कहते हों कि 'जब भी चुनाव हों हम भाजपा को हरा देंगे क्योंकि लड़ाई बहुत आसान हो गयी है।' घटक दलों के नेताओं ने जैसी मजबूत गोलबन्दी और एकजुटता का प्रदर्शन किया है, उससे बड़ी बात नहीं कि राहुल का कहा सच हो जाये। संयुक्त प्रतिपक्ष की ताकत का अंदाजा केवल इस बात से नहीं लगाया जाना चाहिये कि उसमें शामिल दलों की संख्या बड़ी है। उसकी असली ताकत यह है कि ये सारे ही दल अपने-अपने राज्यों के प्रमुख दल हैं। कई तो ऐसे हैं जो या तो सरकार में हैं अथवा प्रमुख विपक्षी दल हैं। की भाजपा को हराए बैठे हैं।

इस बैठक के समापन के साथ ही एकजुट विपक्ष अब सीधे चुनावी मैदान में उतरने की तैयारियां पूरी करता हुआ भी दिखने लगा है। शुभंकर (लोगो), झंडा, प्रधानमंत्री पद का चेहरा जैसे मुद्दों की ज़रूरत इसलिये नहीं रह गयी कि बैठक में मौजूद दल उत्तर से दक्षिण तक एवं पूर्व से पश्चिम तक के भारत की नुमाइंदगी करते हैं- दक्षिणी राज्य केरल की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया से लेकर धुर जम्मू-कश्मीर से नेशनल कांफ्रेंस व पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी तथा पूर्वी भारत स्थित राज्य पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस से लेकर पश्चिम में महाराष्ट्र की शिवसेना व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी। वैचारिक विभिन्नता के बावजूद जिस तरह से इन दलों ने आपस में हाथ मिलाया है वह मोदी के लिये जबर्दस्त खतरा है। एक ओर देश के दोनों प्रमुख साम्यवादी दल (सीपीआई-सीमीएम) हैं तो दूसरी तरफ शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) भी है जो कभी अपनी वैचारिक कट्टरता के लिये जानी जाती थी। कांग्रेस तो धुरी ही है, तो कभी उसे तोड़कर गठित हुई एनसीपी भी मुम्बई बैठक के प्रमुख आयोजकों में से एक थी। सभी पार्टियां इस संकल्प के साथ बैठक में शामिल हुईं कि मोदी को हराकर 'आइडिया ऑफ इंडिया' को मोदी से बचाया जाये।

इसी साल के जून में बिहार की राजधानी पटना व तत्पश्चात कर्नाटक की राजधानी बंगलुरु में हुई बैठक से कई कदम आगे बढ़ चुकी मुम्बई की बैठक इस मायने में सचमुच मोदी के लिये गम्भीर खतरा बन गयी है क्योंकि बैठक में कहीं कोई विवाद या मत विभिन्नता नज़र नहीं आई और ऐसे किसी मुद्दे पर चर्चा ही नहीं हुई जिससे कोई विवाद हो सकता था। इसमें सबसे बड़ा मसला प्रधानमंत्री पद के चेहरे का कहा जा रहा था। सभी नेताओं की ओर से यही संदेश आया कि यहां कोई भी किसी पद के लिये नहीं आया है। सभी का एकमात्र उद्देश्य पूंजी के कुछ हाथों में एकत्रित करने वाली आर्थिक नीति के कारण बढ़ती गैर बराबरी, बिगड़ते साम्प्रदायिक सौहार्द, बेरोजगारी, भुखमरी, चीन की घुसपैठ, कमजोर वर्गों पर होते अत्याचारों से देश को बचाना है। अब यहां से निकलकर ये दल सीधे चुनावी तैयारियों में लग जायेंगे। राज्य स्तर पर ही सीटों का बंटवारा कर लिया जायेगा। समन्वय समिति, सोशल मीडिया कमेटी आदि कुछ ऐसे कार्य दल बनाए गये हैं जो भाजपा के खिलाफ और इंडिया के पक्ष में अभियान चलाएंगे। ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

आदित्य एल-1 के लॉन्चिंग की उल्टी गिनती शुरू

बेंगलुरु, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। इसरो का सूर्य मिशन आदित्य-एल-1 लॉन्चिंग के लिए तैयार है। लॉन्चिंग की लगभग सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और अगर सब कुछ सही रहा तो शनिवार दो सितंबर को सुबह करीब 11.50 बजे आदित्य-एल-1 को लॉन्च कर दिया जाएगा। भारत के पहले सौर मिशन की लॉन्चिंग से पहले इसरो के वैज्ञानिकों ने भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया। इसरो के वैज्ञानिकों की एक टीम शुक्रवार को आदित्य-एल1 के एक छोटे मॉडल के साथ आंध्र प्रदेश स्थित तिरुमाला श्री वेंकटेश्वर मंदिर दर्शन करने ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

कठिनाई का डटकर मुकाबला करें सफलता चूमेगी कदम : राष्ट्रपति मुर्मू

बिलासपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के दसवें दीक्षांत समारोह में हिस्सा लेने तथा विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान करने पहुँची राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने चंद्रयान मिशन के माध्यम से जीवन की सफलताओं के सूत्र बताए।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत के चंद्रयान ने चंद्रमा की सतह पर सफल लैंडिंग की। इस पर बरसों से निष्ठापूर्वक काम होता रहा। मार्ग में रूकावटें आती रहीं लेकिन हम नहीं रूके। ऐसा व्यक्तिगत जीवन में भी होता है। निरंतर दक्षता के साथ परिश्रम करते रहें तात्कालिक असफलता से कभी हताश न हो, चुनौतियाँ हमारे जीवन में आती हैं तो नये मौके भी लाती हैं।

अमित शाह दो दिन के प्रदेश प्रवास पर पहुंचे राजधानी

रायपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज से दो दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे पर हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दौरे को देखते हुए उनके मिनट टू मिनट कार्यक्रम तय हो गया है। अमित शाह आज शाम 6.40 बजे वायुसेना के विमान से रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पहुंचे। इसके बाद शाम 7 बजे प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक में शामिल हुए। रात को प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे में आराम किया। ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

राहुल गांधी आज रायपुर आएंगे

रायपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी शनिवार को रायपुर आयेंगे। 2 सितंबर को दोपहर 1 बजे मेला ग्राउण्ड नवा रायपुर में आयोजित विशाल राजीव युवा मितान सम्मेलन में शामिल होंगे। सम्मेलन में प्रदेश भर से करीब 2 लाख युवाओं के आने की संभावना है। इसी के अनुरूप तैयारियां की गई है।सम्मेलन को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद राहुल गांधी विशेष रूप से सभा को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

दो दर्जन से अधिक ट्रेनों का परिचालन रद्द

बिलासपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के विभिन्न सेक्शनों में गतिशीलता के उन्नयन, समय की पाबंदी और चल रहे विभिन्न सुरक्षा संबंधी रखरखाव कार्यों में सुधार करने के लिए एवं ट्रैक रखरखाव कार्य के लिए कुछ गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा। जिसकी जानकारी इस प्रकार है।

रद्द होने वाली गाडियां

03 सितम्बर से 12 सितम्बर तक रायपुर से चलने वाली 08746 रायपुर-गेवरा रोड मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। 04 सितम्बर से 13 सितम्बर तक गेवरा रोड से चलने वाली 08745 गेवरा रोड-रायपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। 09 सितम्बर से 12 सितम्बर तक बिलासपुर एवं शहडोल से चलने वाली 08740/08739 बिलासपुर -शहडोल -बिलासपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। 03 सितम्बर से 12 सितम्बर तक रायपुर से चलने वाली 08729 रायपुर-डोंगरगढ़ मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। 4 सितम्बर से 13 सितम्बर तक डोंगरगढ़ से चलने वाली 08730 डोंगरगढ़-रायपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। 3 सितम्बर से 12 सितम्बर तक रायपुर एवं दुर्ग से चलने वाली 08701/08702 रायपुर-दुर्ग-रायपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। 03 सितम्बर से 12 सितम्बर तक इतवारी एवं बालाघाट से चलने वाली 08714/08715 इतवारी-बालाघाट-इतवारी मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

3 सितम्बर से 12 सितम्बर तक गोंदिया एवं कटंगी से चलने वाली 07805/07806 गोंदिया-कटंगी-गोंदिया डेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। 3 सितम्बर से 12 सितम्बर तक गोंदिया से चलने वाली 07809 गोंदिया-कटंगी पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। 4 सितम्बर से 13 सितम्बर तक कटंगी से चलने वाली 07810 कटंगी-गोंदिया पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। 03 सितम्बर से 12 सितम्बर तक गोंदिया से चलने वाली 08806 गोंदिया-वाडसा मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। 4 सितम्बर से 13 सितम्बर तक वाडसा से चलने वाली 08808 वाडसा-चांदाफ़ोर्ट मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। 4 सितम्बर से 13 सितम्बर तक चांदाफ़ोर्ट से चलने वाली 08805 चांदाफ़ोर्ट-गोंदिया मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। 3 सितम्बर से 12 सितम्बर तक रायपुर से चलने वाली 08721 रायपुर-डोंगरगढ़ मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। 3 सितम्बर से 12 सितम्बर तक डोंगरगढ़ से चलने वाली 08723 डोंगरगढ़-गोंदिया मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। 4 सितम्बर से 13 सितम्बर तक गोंदिया से चलने वाली 08724 गोंदिया-रायपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत कई रेल खंडो में आवश्यक संरक्षा संबन्धित एवं रखरखाव का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य के फलस्वरूप अलग-अलग तिथियों को 20 मेमू लोकल गाड़ियां रद्द रहेगी। विस्तृत विवरण इस प्रकार है। 08746 रायपुर-गेवरा रोड़ मेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन दिनांक 03 सितंबर से 12 सितंबर' 2023 तक रद्द रहेगी। 08745 गेवरा रोड़-रायपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन दिनांक 04 सितंबर से 13 सितंबर' 2023 तक रद्द रहेगी। 08740 बिलासपुर-शहडोल मेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन दिनांक 09 सितंबर से 12 सितंबर' 2023 तक रद्द रहेगी। 08739 शहडोल-बिलासपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन दिनांक 09 सितंबर से 12 सितंबर' 2023 तक रद्द रहेगी। 08729 रायपुर-डोंगरगढ़ मेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन दिनांक 03 सितंबर से 12 सितंबर' 2023 तक रद्द रहेगी। 08730 डोंगरगढ़-रायपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन दिनांक 04 सितंबर से 13 सितंबर' 2023 तक रद्द रहेगी। 08701 रायपुर-दुर्ग मेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन दिनांक 03 सितंबर से 12 सितंबर' 2023 तक रद्द रहेगी। 08702 दुर्ग-रायपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन दिनांक 03 सितंबर से 12 सितंबर' 2023 तक रद्द रहेगी।

छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस जोगी का कार्यकर्ता सम्मेलन आज

कोटा एवं मरवाही विधानसभा क्षेत्र के जोगी कांग्रेस कार्यकर्ता होंगे शामिल

गौरेला के मिशन ग्राउंड में कार्यक्रम का आयोजन

गौरेला पेंड्रा मरवाही, 1 सितंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस जोगी द्वारा 2 सितंबर को गौरेला के मिशन ग्राउंड में जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस जोगी के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी के अगुवाई में किया है, जिसमें बड़ी संख्या में मरवाही एवं कोटा विधानसभा के कार्यकर्ता शामिल होंगे जिसकी तैयारी पूरी कर ली गई।

छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस जोगी के जिला अध्यक्ष राम शंकर राय द्वारा प्रेस वार्ता में बताया गया कि आगामी विधानसभा चुनाव के मद्दे नजर छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस जोगी अलग-अलग विधानसभा क्षेत्र में कार्यकर्ता सम्मेलन कर छत्तीसगढ़ की अस्मिता की रक्षा हेतु प्रदेश की

विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है, इसी क्रम में आज 2 सितंबर को जिले के मरवाही एवं कोटा विधानसभा क्षेत्र में विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया है, जिसमें मरवाही एवं कोटा विधानसभा क्षेत्र में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं का सम्मेलन किया जाना है, गौरेला के मिशन ग्राउंड में आयोजित इस कार्यकर्ता सम्मेलन में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी शामिल होंगे, इसके अलावा जिले के समस्त पदाधिकारी सभी ब्लॉक पदाधिकारी अजीत जोगी युवा मोर्चा, अजीत जोगी छात्र संगठन, महिला मोर्चा, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के समस्त पदाधिकारी कार्यकर्ता तथा सदस्यों के साथ-साथ कोटा एवं मरवाही विधानसभा में अजीत जोगी के स्नेहीजन नागरिक शामिल होंगे जिसकी तैयारी कर ली गई।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

इंडिया गठबंधन की बैठक में ...

के नाम का ऐलान नहीं किया गया। मीटिंग में जल्दी ही सीट शेयरिंग के मुद्दे पर सहमति बनाने के संकेत मिले है। बैठक के बाद हुई प्रेस कांफ्रेंस में सभी नेताओं ने एकसुर में कहा कि लोकसभा चुनाव में मिलकर लड़ेंगे और केंद्र से मोदी सरकार को हटाएंगे। लड़ाई अब देश बचाने की हैं। देश रहेगा तो लोकतंत्र भी बच जाएगा।

सूत्रों ने बताया कि, विपक्षी गठबंधन की तीसरी बैठक में तय हुआ है कि सीट आबंटन का फॉर्मूला राज्य स्तरीय स्थानीय गठबंधन द्वारा तय किया जाएगा। इसके साथ ही जिन सीटों पर गणित मेल नहीं खा रहा है, उन सीटों पर समन्वय समिति फैसला करेगी। वहीं सितंबर के दूसरे सप्ताह से देशभर में विभिन्न स्थानों पर प्रमुख कार्यक्रम शुरू हो जाएंगे। इसके साथ ही जिन राज्यों में भाजपा की सरकार है, वहां समन्वय समिति मुख्य रूप से गठबंधन बनाने के कार्यक्रम चलाएगी।

कमेटी में 1 सीएम, एक डिप्टी सीएम, दो पूर्व मुख्यमंत्री

विपक्ष की कमेटी में 1 सीएम, 1 डिप्टी सीएम, दो पूर्व मुख्यमंत्री, 5 राज्यसभा और 2 लोकसभा सांसदों को जगह दी गई है। इसके अलावा लेफ्ट से दो नेताओं को कमेटी में शामिल किया गया है। कमेटी में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव। जम्मू-कश्मीर से दो पूर्व मुख्यमंत्री- उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती हैं। पांच राज्यसभा सांसद हैं केसी वेणुगोपाल (कांग्रेस), संजय राउत (शिवसेना यूबीटी), शरद पवार (एनसीपी), राघव चड्ढा (आप) और जावेद अली खान (सपा)। लोकसभा के दो सांसद, ललन सिंह, अभिषेक बनर्जी, डी राजा और एक सदस्य सीपीआई (एम) से शामिल किया गया है। सीपीआई (एम) के सदस्य के नाम की घोषणा नहीं की गई है।

लोगो लॉन्च नहीं हुआ

गठबंधन के लोगो पर सहमति नहीं बन पाई। इसलिए इसे तीसरी बैठक में लॉन्च नहीं किया गया। लोगो के 6 डिजाइन शॉर्ट लिस्ट हुए थे, जिनमें से एक सभी को पसंद आया, लेकिन इसमें कुछ बदलाव होने बाकी हैं। इस पर फैसला अगली मीटिंग में होगा। मीटिंग के दौरान जो डिजाइन दिखाया गया, वह लेफ्ट पार्टी को पसंद नहीं आया। इसके साथ ही कुछ अन्य दलों ने भी डिजाइन में बदलाव के सुझाव दिए। इसी वजह से लोगो के अनावरण का कार्यक्रम टाल दिया गया। अब जब लोगो के डिजाइन में बदलाव कर दिए जाएंगे और इसपर सबकी सहमति होगी तब इसका अनावरण किया जाएगा।

विपक्ष एक होगा तो ...

और पीएम मोदी का एक कारोबारी के साथ गठजोड़ है जिसका नाम सब जानते हैं। इंडिया गठबंधन भाजपा और उसके भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ेगा। मुझे विश्वास है कि इंडिया गठबंधन भाजपा को हराएगा और यहां मौजूद सभी नेता मतभेद भुलाकर एकसाथ हुए हैं। चीन को लेकर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि मैं लद्दाख गया था और पेंगोंग लेक भी गया था। लद्दाख में चीन ने कब्जा कर लिया है ये मैंने देखा है। लद्दाख का हर एक आदमी जानता है केंद्र सरकार क्या कर रही है। आगे कहा कि पीएम मोदी जी-20 करा रहे हैं भारत की इज्जत का मामला है अदाणी मामले पर पीएम को जांच करनी चाहिए नहीं कराएंगे तो देश को पता लग जाएगा कि क्यों नहीं करा रहे हैं। भाजपा भारत के गरीब लोंगों से धन छीनकर कुछ अमीर लोगों को देती है।

आदित्य एल-1 की ...

पहुंचे। आदित्य-एल1 को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्पेस पोर्ट से लॉन्च किया जाएगा। इसरो के पहले सौर मिशन से पहले भारतीय अंतरिक्ष संगठन के चीफ एस सोमनाथ भगवान का आशीर्वाद लेने मंदिर पहुंचे। एस सोमनाथ ने तिरुपति जिले के चेंगालम्मा परमेश्वरी मंदिर में पूजा अर्चना की और मिशन की सफलता के लिए प्रार्थना की।

पूजा अर्चना के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि आदित्य एल1 की उल्टी गिनती शुरू हो गई है और इसे कल सुबह करीब 11.50 बजे लॉन्च किया जाएगा।

आदित्य एल-1 के साथ भेजे जाएंगे सात पेलोड

आदित्य एल-1 भारत का पहला सोलर मिशन है, जिसे पीएसएलवी-सी 57 से अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। इस मिशन के साथ सात पेलोड भी भेजे जाएंगे जो सूरज का अध्ययन करेंगे। चार पेलोड सूरज से आने वाली रोशनी का अध्ययन करेंगे, वहीं बाकी तीन इन सिचुएशन पैरामीटर पर प्लाज्मा और चंबकीय क्षेत्रों का अध्ययन करेंगे। आदित्य एल-1 पर सबसे अहम पेलोड विजिबल एमिशन लाइन कोरोनाग्राफ या वीईएलसी है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स द्वारा इसे टेस्ट और कैलिब्रेट किया गया है।

चार महीने का लगेगा समय

आदित्य एल-1 को लैग्रेजियन पॉइंट 1 के होलो ऑर्बिट में स्थापित किया जाएगा। यह पॉइंट पृथ्वी से करीब 15 लाख किलोमीटर दूर है और यहां से बिना किसी परेशानी के सूरज पर नजर रखी जा सकती है। आदित्य एल1 को पृथ्वी और सूर्य के बीच मौजूद इस लैग्रेजियन पॉइंट पर पहुंचने में करीब चार महीने का वक्त लगेगा। सूरज की गतिविधियों के अंतरिक्ष के मौसम पर पड़ने वाले असर का भी अध्ययन किया जाएगा।

अमित शाह दो दिन के ...

शाह कल कांग्रेस सरकार के खिलाफ आरोप पत्र जारी करेंगे। इसके बाद पंडित दीनदयाल ऑडिटोरियम कार्यक्रम में शामिल होंगे। दोपहर 2:10 बजे रायपुर एयरपोर्ट से सरायपाली के लिए रवाना होंगे। सरायपाली में जनजातीय सम्मेलन और अभिनंदन कार्यक्रम में शामिल होंगे। शाम 5:30 बजे वापस रायपुर आकर दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

राहुल गांधी आज ...

आज नया रायपुर पहुंचकर मेला ग्राउंड में तैयारियों का जायजा लिया। सम्मेलन में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी कुमारी सैलजा, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत, उप-मुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं प्रभारीद डॉ. चंदन यादव, सप्तगिरीशंकर उल्का, सह-प्रभारी विजय जांगिड़, मंत्रीगण एवं प्रदेश के वरिष्ठ नेता भाग लेंगे।

संयुक्त प्रतिपक्ष मोदी-भाजपा को ...

समाज के सभी वर्गों को छूने और उनसे सम्बन्धित मुद्दों को उठाया जायेगा जो धीरे-धीरे एक सामूहिक घोषणा पत्र का रूप लेगा।

जैसा कि एनसीपी नेता शरद पवार ने कहा कि 'इंडिया अगले चुनाव में भाजपा का एक सशक्त विकल्प बनेगा', इसके संकेत इस बात से मिल रहे हैं कि इस बैठक के शुरु होने के एक दिन पहले केन्द्र सरकार ने रसोई गैस सिलेंडर के दाम घटा दिये तो वहीं सरकार ने 18 से 22 सितम्बर को संसद का विशेष सत्र बुला लिया है।

विशेष सत्र बुलाने के लिये आवश्यक प्रक्रिया को ताक पर रखकर जिस तरह से एक ट्विट के जरिये संसदीय कार्य मंत्री ने इस बैठक की सूचना दी है। वह भाजपा व मोदी की घबराहट तथा बदहवासी को ही बतलाता है क्योंकि कयास हैं कि एक साथ लोकसभा व विधानसभा के चुनाव हो सकते हैं। फिर भी इस बैठक से साफ संदेश गया है कि सरकार जब चाहे चुनाव कराए, मोदी व भाजपा की मुश्किलें कम नहीं होने वाली हैं। देश में पिछले 9 साल से अधिक समय से लोकतंत्र की वापसी का इंतज़ार करते हुए लोगों के लिये यह बैठक आशा बंधाने वाली साबित हुई है और उन्हें जनतंत्र पर छाया कुहरा छंटता दिख रहा है।

देखना यह होगा कि पिछले 9 वर्षों में बना सबसे बड़ा विपक्षी गठबन्धन भारत में लोकतंत्र का सूर्य फिर से उगा सकेगा या नहीं। जो भी हो समावेशी, प्रगतिशील. धर्मनिरपेक्ष तथा समतामूलक समाज को बचाने के लिये 'इंडिया' अपनी सबसे बड़ी लड़ाई के लिये कमर कस कर मैदान में उतर चुका है।

बरसात के मौसम में छूट रहा पसीना

सामान्य से चार डिग्री गर्मी बढ़ी, मौसम में परिवर्तन के संकेत

सितंबर का पहला सप्ताह होगा अच्छा वर्षा

बिलासपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। बरसात के मौसम में पसीना छूट रहा है। उसम से आमजन हलकान है। अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया है। रात में भी चैन नहीं है। वर्षा गतिविधियां कम होने से यह स्थिति बनी है। इस बीच एक अच्छी खबर भी सामने आ रही है। मानसून द्रोणिका फिर से सक्रीय है। इसके प्रभाव से दो तीन दिनों में जिले में भारी वर्षा का अनुमान है। न्यायधानी में फिलहाल मानसूनी गतिविधियों पर विराम लगा हुआ है।सावन भी समाप्त हो चुका है। पिछले एक सप्ताह से खंड वर्षा या सूखे जैसे स्थिति है। खेतों में पानी की कमी है। आमतौर पर अगस्त के आखिरी सप्ताह में अच्छी वर्षा होती है लेकिन इस साल स्थिति कमजोर रही। औसत से कम वर्षा दर्ज की गई है। मौसम वेधशाला के विज्ञानी डा. एचपी चंद्रा के मुताबिक मानसून द्रोणिका हिमालय की तराई में लगातार बना हुआ है। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण उत्तर- पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पूर्वी उत्तर प्रदेश और उससे लगे बिहार के ऊपर 3.1 किलोमीटर से 4.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। जिसके प्रभाव से प्रदेश में एक बार फिर अच्छी वर्षा का अनुमान है। सितंबर का पहला सप्ताह होगा अच्छा वर्षा की दृष्टि से सितंबर का पहला सप्ताह अच्छा होने वाला है। मौसम विभाग की मानें तो प्रदेश में एक सितंबर को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने या गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ वज्रपात भी होने की संभावना है। अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। चार सितंबर से व्यापक वर्षा होने की संभावना बन रही है।

NECC

01.09.2023	अंडा	मुर्गी	काकरेल
फार्म	4.60	80	165
चिल्हर	5.50	95	190

डिलीवरी 4.75 सैकड़ा
दर्जन अंडा 65 रू.
मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रू.
CSPFA

देशबन्धु
पाठकों के लिए सूचना

माह अगस्त 2023 का अखबार बिल		
दिन	दर	रू. पै.
30 दिन	4.00	120.00
1 दिन अवकाश		
कुल 31 दिन		रू. 120.00

कृपया अपने अभिकर्ता को उपरोक्तानुसार बिल का भुगतान 7 ता. तक करने का कष्ट करें।
प्रसार व्यवस्थापक

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) CIN: U40108CT2003SGC015821
NO.021-10/PUBLICATION/ 3581 Korba West, dtd. 31.08.2023
(e Bidding) TENDER NOTICE No. 1243/2023.
Online tenders are invited from experienced & prospective firms for the following Works/supply:

S. No	Rfx No.	Particulars	Cost of tender doc.	E.M.D. (Rs.)	Last date of submission & opening
1.	Rfx No. 8100033663	Hiring of Vehicle Car (Cat.-I) for C.E. (Gen.), HTPS, Korba West.	590/-	11,500/-	25.09.2023
2.	Rfx No. 8100033665	Hiring of Vehicle Car (Cat. -II) for Addl. C.E. (S&P), HTPS, Korba West.	590/-	10,500/-	27.09.2023
3.	Rfx No. 8100033666	Hiring of Vehicle SUV (Earlier Jeep) for OPRN-II Under S.E. (OPRN-II), HTPS, Korba West.	590/-	12,810/-	20.09.2023
4.	Rfx No. 8100033667	Hiring of Vehicle SUV (Earlier Jeep) S.E. (Civil) Construction, 1x500 MW, HTPS, Korba West.	590/-	13,900/-	27.09.2023

NOTE: - 1. Payment of Tender cost & EMD shall be done online through e-bidding portal. The tender documents can be seen from our website www.cspc.co.in–e-Bidding. 2. Quantity as per tender schedule.
SAVE ENERGY FOR THE BENEFIT OF SELF & NATION
SUPERINTENDING ENGINEER (C-II)
O/o THE ADDL. CHIEF ENGINEER (S&P) HTPS, CSPGCL, KORBA WEST

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)
क्र./100/संपत्तिकर/ 2023 दिनांक 29.08.2023
आर.एफ.पी. निरस्तीकरण सूचना
नगर पालिक निगम, कोरबा व्दारा कार्य से संबंधित साफ्टवेयर निर्माताओं/ प्रदायकर्ताओं से मेन्यूअल आधार पर Software Design, Development & Maintenance of Property Tax Management System हेतु आर.एफ.पी. आमंत्रित की गई जिसे अपरिहार्य कारण से निरस्त की जाती है।
Add. Commisstoner
Muicipal Corporation
Korba (C.G.)

आम सूचना
मैं श्रीमती उषा गुप्ता पति श्री दिनेश गुप्ता निवासी तेलीपारा, होटल अजीत के पीछे, तह. व जिला बिलासपुर (छ.ग.) ये आम सूचना प्रकाशित करती हूं कि मेरे व्दारा मौजा जूना बिलासपुर प.ह.नं. 22/34 में स्थित परिवर्तित भूमि खसरा क्रमांक 398/1 एवं 399 कुल रकबा 65 डिसमिल को जगन्नाथ प्रसाद कश्यप पिता बुद्धू प्रसाद कश्यप से रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 06.08.1985 जिसका दस्तावेज क्र 3659 व ग्रंथ क्र.6153 एवं दिनांक 14.10.85 जिसका दस्तावेज क्र.4218 एवं ग्रंथ क्र.6168 के माध्यम से क्रय की थी एवं खसरा क्रमांक 399 रकबा 756 वर्गफुट को श्रीमती ताराबाई सहारे पति श्री आनंद राव सहारे से रजिस्टर्ड तबादलानामा दिनांक 04/07/1987 जिसका दस्तावेज क्रमांक 3162 व ग्रन्थ क्रमांक 6494 के माध्यम से प्राप्त किया था। जिनकी मूल रजिस्ट्री कहीं गुम हो गयी है, काफी ढूंढने के बाद भी मुझको प्राप्त नहीं हो पायी है। यह कि उक्त रजिस्ट्री बिक्री पत्रों के मूल प्रति का कोई व्यक्ति शासकीय व अर्धशासकीय संस्था, बैंक या कोई वित्तीय संस्था में गलत उपयोग न करे, इस कारण मेरे व्दारा यह आम सूचना का प्रकाशन किया जा रहा है। सो सूचना जाने।
दिनांक 02/09/2023
श्रीमती उषा गुप्ता
पति श्री दिनेश गुप्ता
निवासी- अजीत होटल के पीछे
तेलीपारा, बिलासपुर- 9039229027

आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि में स्वास्ति वेंचर से उनके भागीदारों के सहमति से फर्म को आगे चलाने में असमर्थ होने के कारण से चारो पाटर्नर के व्दारा फर्म का आज दिनांक 01.09.2023 से समापन किया रहा है।
हम चार भागीदार दिनेश गुप्ता, श्रीमति उषा गुप्ता, सिध्दार्थ गुप्ता एवं श्रीमति अंकिता गुप्ता को कोई भी आपत्ति नहीं है।
में. स्वास्ति वेंचर
शिव टॉकिज कम्पाउंड,
ओल्ड हाईकोर्ट रोड,
बिलासपुर (छ.ग.)
पिन- 495001

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला- नारायणपुर, (छ.ग.)
Ph & Fax No.07781-252913 E-Mail ID- cmho.narayanpur@gmail.com
क्रमांक/3404/NHM/लेखा/मु.चि.अ./2023-24 नारायणपुर,दिनांक 23.08.2023
निविदा व्दितीय आमंत्रण सूचना
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन जिला नारायणपुर के तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रमों के विभागीय प्रचार- प्रसार सामग्रियों के मुद्रण संबंधी कार्य हेतु पंजीकृत फर्मो/ संस्थानों से सीलबंद निविदा व्दितीय आमंत्रण किया जाता है।
अत: अधोहस्ताक्षरी कार्यालय के निम्नानुसार तिथियों में निर्धारित राशि डी.डी. के माध्यम से 1000.00 रुपये (शब्दों में- एक हजार रूपये) जमा कर निविदा प्रपत्र एवं नियम शर्त प्रारुप 11/09/2023 तक प्राप्त किया जा सकता है।
उक्त निविदा को www.Narayanpurgov. in में देखा जा सकता है।
1. निविगा प्रपत्र एवं नियम शर्तें प्राप्त करने के लिए अंतिम तिथि। 11/09/2023 समय शाम 5.00 बजे तक।
2. मुहरबंद निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 13/09/2023 समय अपरान्ह1.30 बजे तक। केवल पंजीकृत डाक व्दारा ही जमा किये जा सकते है।
3. मुहरबंद निविदा खोलने की तिथि 13/09/2023 समय शाम4.00 बजे।
संवाद - 38306/2
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ अधिकारी
जिला नारायणपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, खारंग जल संसाधन संभाग, बिलासपुर जिला- बिलासपुर (छ.ग.)
eProcurement Portal:https:eproc. cgstate.gov.in
(व्दितीय- आमंत्रण)
सिस्टम निविदा क्र.145977/निविदा सूचना क्र.05/व.ले.लि./ 2023-24 दिनांक 31.08.2023
निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 19.09.2023 17:30 तक ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।
कार्य का नाम:- बिटकुली (मंजूरपहरी) जलाशय योजना के बंड के आर.डी.0 मी. से आर.डी.900 मी. तक मिट्टी कार्य, शूटफाल का मरम्मत तथा मुख्य नहर के आर.डी.0 मी. से आर.डी. 6000 मी. तक सीमेंट कांक्रीट लाईनिंग एवं 05 नग स्ट्रक्चर तथा 30 नग आऊटलेट का निर्माण कार्य।
अनुमानित लागत- रू. 276.03
(निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर.दिनांक 22.08.2022 के आधार पर)
अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई- प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov in पर दिनांक 08.09.2023 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते हैं।
नोट:- निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई- प्रोक्योरमेंट बेवसाईट https://eproc.cgstate.gov in पर नामांकित/ पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।
जी- 04837/3
कार्यपालन अभियंता
खारंग जल संसाधन संभाग
बिलासपुर (छ.ग.)

OMKARA ASSETS RECONSTRUCTION PRIVATE LIMITED
ओंकारा असेट्स रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड
सीआईएन : यू67100टीजैड2014पीटीसी020363
कार्पोरेट कार्यालय :- कोहिनूर स्क्वायर, 47वां तल, एन.सी. केलकर मार्ग, आर.जी. गडकरी चौक, दादर (वेस्ट), मुंबई-400028
ई-मेल : तंरमीैण्रनउंदप / वउांतंतबण्बवउद्नइमतणींद / वउांतंतबण्बवउ
फोन : 022-26544000 प्राधिकृत अधिकारी मोबाइल नंबर : +919884062068 / +918657969231
ख्परिशिष्ट - 4-क,
खनियम 8(6) के साथ पठित 9(1) का परंतुक देखे,
अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री सूचना
वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनरगठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 ("सरफासी ऐक्ट") के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8(6) के साथ पठित 9(1) के परंतुक के तहत अचल आस्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी बिक्री सूचना
एतद्द्वारा सर्वसाधारण को और विशेष रूप से कर्जदार(रों) और गारंटर(रों) को सूचना दी जाती है कि प्रतिभूत लेनदार के पास बंधक / प्रभारित निम्नवर्णित अचल सम्पत्ति, जिसका भौतिक कब्जा ओंकारा असेट्स रिकंस्ट्रक्शन प्रा. लि. के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया जा चुका है। आगे, ओंकारा असेट्स रिकंस्ट्रक्शन प्रा. लि. (ओएआरपीएल) (ओंकारा पीएस 30 / 2021-22 ट्रस्ट के ट्रस्टी के रूप में कार्यरत) उपरोक्त कर्जदार / गारंटरों के संबंध में सम्पूर्ण बकाया ऋण का अधिग्रहण समनुदेशन अनुबंध दिनांकित 30-09-2021 के माध्यम से इंडसइंड बैंक लिमिटेड (समनुदेशनकर्ता बैंक) से अधोवर्णित प्रतिभूति सहित, कर लिया है। तदनुसार ओएआरपीएल ने समनुदेशनकर्ता का स्थान ले लिया है और बकाया राशि वसूल करने तथा प्रतिभूतियां प्रवर्तित करने की अधिकारी बन गई है। ओएआरपीएल के प्राधिकृत अधिकारी ने कर्जदार / बंधकदाता / सह-कर्जदार से नीचे वर्णित प्रतिभूत सम्पत्ति का भौतिक कब्जा प्राप्त कर लिया है। ओएआरपीएल का प्राधिकृत अधिकारी एतदद्वारा निम्नवर्णित सम्पत्तियां बकाया राशि की वसूली के लिए करने का इच्छुक है और इसलिए प्रतिभूत सम्पत्तियों के क्रय हेतु सीलबंद लिफाफे मे निविदाएं / बोलियां आमंत्रित करता है। सम्पत्तियों की बिक्री नीचे वर्णित कर्जदार, सह-कर्जदार(रों) से प्रतिभूत लेनदार के रूप में ओएआरपीएल की संबंधित कालम में दर्शित बकाया राशि की वसूली के लिए सरफासी ऐक्ट की धारा 13(2) एवं 13(4) के प्रावधानों क तहत अधिकारों तथा शक्तियों का प्रयोग करते हुए "जैसी है जहां है", "जैसी है जो ह", तथा "जो भी है वहां है" और "कोई उपाय नहीं आधार" पर की जाएगी। कर्जदार(रों) / गारंटर(रों) / बंधकदाता(ओं), प्रतिभूतियों, स्वामी, बकाया राशि, धारा 13(2) के तहत प्रेषित मांग सूचना की तिथि, कब्जा की तिथि, सुरक्षित मूल्य, बोली वृद्धि मूल्य, धरोहर राशि जमा (ईएमडी) निरीक्षण की तिथि एवं समय का विस्तृत विवरण निम्नानुसार हैं :

क्र. सं.	कर्जदार(रों) / गारंटर(रों) / बंधकदाता(ओं) का नाम	प्रतिभूत आस्ति का विवरण	सम्पत्ति स्वामी	मांग सूचना तिथि	30-06-2023 तक बकाया राशि	भौतिक कब्जा तिथि	सुरक्षित मूल्य (भारतीय रूपए में)	बोली वृद्धि मूल्य (भारतीय रूपए में)	ईएमडी (भारतीय रूपए में)	निरीक्षण की तिथि एवं समय
	1. मैसर्स गैलेक्सी मार्केटिंग (इसकी स्वामिनी श्रीमती अमृता नेभानी उर्फ श्रीमती अमृता तलरेजा के माध्यम से) 2. श्रीमती अमृता नेभानी उर्फ श्रीमती अमृता तलरेजा 3. श्री रवीश कुमार तलरेजा	सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड : दुकान नंबर 48, लोअर ग्राउंड फ्लोर, श्याम स्क्वायर, परिमाप निर्मित एरिया 215 वर्ग फीट प्लॉट नंबर 1 का पार्ट, सर्वे / खसरा नंबर 117 / 2एवं 136 / 1 का भाग, देवेन्द्र नगर स्कीम नंबर 32, आरडीए, ग्राम पंडरी तराई, पीएच नंबर 109, शहीद हेमू कलानी वार्ड नंबर 35, सिटी, तहसील एवं जिला रायपुर, छत्तीसगढ तथा निम्नानुसार परिबद्ध (सेल डीड के अनुसार) : उत्तर : खुला क्षेत्र दक्षिण : कॉरीडोर, पूरब : दुकान नंबर 46, पश्चिम : दुकान नंबर 49 सम्पत्ति का अधिक स्पष्ट विवरण श्रीमती अमृता नेभानी उर्फ श्रीमती अमृता तलरेजा पत्नी श्री रवीश कुमार तलरेजा के नाम डीड नंबर 3471 (केएच) दिनांकित 19-08-2015 में दिया गया है।	श्रीमती अमृता नेभानी उर्फ श्रीमती अमृता तलरेजा	रू. 43,04,347.04 (रूपए तेतालीस लाख चार हजार तीन सौ सैंतालीस तथा पैसे चार मात्र)	23-06-2021	28-06-2023	रू.43,00,000/- (रूपए तेतालीस लाख मात्र)	रू.50,000/-	रू. 4,30,000/- (रूपए चार लाख तीस हजार मात्र)	25-09-2023 अप. 01.00 बजे से अप. 04.00 बजे तक

खाता नंबर : 055505010221, लाभार्थी का नाम : ओंकारा पीएस 30 / 2021-22 ट्रस्ट, बैंक नाम : आईसीआईसीआई बैंक, शाखा : बान्द्रा (ई) मुंबई, आईएफएससी कोड : आईसीआईसी0000555

ई-नीलामी की तिथि एवं समय	11-10-2023 को दोपहर 12.00 बजे से अप. 2.00 बजे तक
प्रतिभागिता का बोली पत्र / केवाईसी दस्तावेज / ईएमडी का प्रमाण जमा करने की अंतिम तिथि और समय	09-10-2023 अप. 6.00 बजे तक

नीलामी के नियम एवं शर्ते : बिक्री के विस्तृत नियम एवं शर्तो के लिए कृपया प्रतिभूत लेनदार (ओएआरपीएल) की वेबसाइट http://omkaraarc.com/auction.php अथवा सेवा प्रदाता की वेबसाइट http://www.bankeauction.com में उपलब्ध कराया गया लिंक देखें।
प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8(6) के साथ पठित 9(1) के तहत बिक्री हेतु कानूनी नोटिस
यह सूचना उपरोक्त ऋण खाते के कर्जदार(रों) को प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8(6) तथा 9(1) और वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनरगठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के प्रावधानों के तहत न्यूनतम 30 (तीस) दिन की अनिवार्य सूचना भी है कि ई-नीलामी के माध्यम से नीलामी / बिक्री उपरिसंदर्भित तिथि को की जाएगी, इसके साथ ही उनको उपरिवर्णित बकाया राशि 01-07-2023 से आगे ब्याज तथा सभी लागतों प्रभारों और खर्चों के साथ बिक्री की समाप्ति से पूर्व किसी भी समय आस्तियां छुडाने की सलाह भी है। भुगतान में चूक की स्थिति में, सम्पत्ति की बिक्री प्राधिकृत अधिकारी / प्रतिभूत लेनदार के विवेकानुसार प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8(5) के तहत निर्धारित किसी विधि से की जाएगी।
हस्ता. / -
तिथि : 02-09-2023
स्थान : रायपुर, छततीसगढ
प्राधिकृत अधिकारी, ओंकारा असेट रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड
(ओंकारा पीएस 30 / 2021-22 ट्रस्ट के ट्रस्टी की हैसियत से कार्यरत

कार्यालय रा.नि.मं.सकरी तहसील सकरी, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
सीमांकन सूचना
प्रति, 1. श्रीमती विभूति पाठक पति राजेश कुमार पाठक .... आवेदक
2. विद्या पाण्डेय पति शैलेन्द्र पाण्डेय
3. एस.के. साहू 4. संजय दुबे
5. अन्य हितबद्ध पक्षकार
विषय:-सीमांकन/बंटाकन में उपस्थित रहने बाबत।
संदर्भ:- न्यायालय तहसीलदार/ अति.तह./ ना. तह. सकरी के ज्ञापन दिनांक 25.07.2023
संदर्भित विष्यांतर्गत ज्ञापन के पालन में ग्राम अमेरी प.ह.नं.43 रा.नि.मं. सकरी तह. सकरी जिला बिलासपुर (छ.ग.) के अंतर्गत खसरा नं. 98/77 रकबा 0.0280 एकड़/ हेक्टेयर भूमि स्वामी विभूति पाठक पति राजेश कुमार पाठक निवासी सकरी के व्दारा सीमाकन/ बटांकन का आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूमि का सीमांकन/ बंटाकन दिनांक 05.09.2023 को लगभग 11.00 से 5.00 बजे किया जावेगा।
अत: आप समीपवर्ती भूमि संबंधी दस्तावेज सहित नियत तिथी एवम समय पर उपस्थित होवें।
अनुपस्थिति की दशा में आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। अत: सूचना जानें।
टीप:- विशेष परिस्थितियों में अपरिहार्य कारणों से सीमांकन/ बटांकन तिथी में परिवर्तन किया जा सकता है।
विनय कुमार
प.ह.नं.-43
तह.सकरी जिला- बिलासपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार नजूल
जिला-कोरबा (छत्तीसगढ़)
ईश्तहार
रा.प्र.क्र.202308051100007
अ-20(1)/2022-23
ग्राम-कोरबा प.ह.नं.16
तहसील व जिला-कोरबा (छ.ग.)
एतद द्वारा सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि ग्राम कोरबा, प.ह.नं.-16, तहसील व जिला कोरबा स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 3/1/क/2 में से रकबा 8.00 एकड़ भूमि को सतनामी समाज कोरबा के नाम से आबंटित किया जाना प्रस्तावित है।
इस संबंध में जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 07. 09. 2023 तक दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 23.08.2023 को मेरे न्यायालय की मुहर एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।
सील
तहसीलदार नजूल
जिला- कोरबा (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार सकरी, तहसील सकरी जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
ईश्तहार
रा.प्र.क्र.202308074300004
अ-6/2022-23
ग्राम- घुरु तह. सकरी
जिला- बिलासपुर (छ.ग.)
एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेश कुमार कुशवाहा एवं कमलसिंह कुशवाहा दोनों पिता छोटेलाल निवासी कतियापारा बिलासपुर, तहसील व जिला बिलासपुर छ.ग. के व्दारा ग्राम घुरू प.ह.नं.-61, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर छ.ग. में स्थित भूमि खसरा नंबर 415/23 रकबा 0.03 एकड़/वर्गफुट भूमि को पंजीकृत बैनामा के माध्यम से दिनांक 10.02.2016 को अनावेदक/ विक्रेता चन्द्रप्रकाश यादव पिता दिलहरण से क्रय किया गया है। आवेदक व्दारा पंजीकृत बैनामा खरीदी हक के आधार पर अपने नाम से नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु छ.ग.भूरा.सं. 1959 की धारा 109, 110 के तहत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया जाता है। इस ईश्तहार के माध्यम से दावा/आपत्ति आमंत्रित किया जाता है।
अत: उक्त आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/ आपत्ति हो तो वह अपना दावा/आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में नियत पेशी दिनांक 14.09.2023 तक प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त तिथि पश्चात दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 11.08.2023 को मेरे न्यायालय की मुहर एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।
सील
नायब तहसीलदार
सकरी

देश

उवाच “

‘प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में एक ही चुनाव कराने की संभावनाएं तलाशने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। मुझे खुशी है कि रामनाथ कोविंद जैसे व्यक्ति ने पीएम के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। कमेटी इस मामले को देखेगी:-**हिमंत बिस्वा सरमा, मुख्यमंत्री असम**

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	37	27.2
मुंबई	32.3	26.6
कोलकाता	36.6	28.8
चेन्नई	35.1	25.2

ो साल सत्ता में रहने के बाद भाजपा ने अपनी जमीन खो दी है : पवार

मुंबई, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने शुक्रवार को कहा, ‘सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के पैर जमीन पर नहीं हैं। वह 10 साल की सत्ता के बाद भी देश में लोगों की समस्याओं को नजरअंदाज करती है।’ 83 वर्षीय शरद पवार ने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों को अलग-अलग समस्याओं का सामना करना पड़ता है, चाहे वे किसान हों, युवा हों, श्रमिक हों या अन्य हों। तीसरे इंडिया कॉन्क्लेव के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए पवार ने कहा कि अब हर कोई उस भाजपा से नाखुश है, जिसे उन्होंने सत्ता सौंपी थी, सरकार के पैर जमीन पर नहीं हैं। एक दशक तक सत्ता में रहने के बावजूद, भाजपा ने जमीन पर पैर रखकर काम करने की क्षमता खो दी है, लेकिन वे राष्ट्रीय विपक्षी गठबंधन के इंडिया सम्मेलन को भी बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं। शरद पवार ने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनके वरिष्ठ नेता हमारी आलोचना कर रहे हैं और हमें घमंडी

देश के विभिन्न हिस्सों को अलग-अलग समस्याओं का सामना करना पड़ता है, चाहे वे किसान हों, युवा हों, श्रमिक हों या अन्य हों, 10 साल की सत्ता के बाद भी देश में लोगों की समस्याओं को नजरअंदाज करती है:- शरद पवार, अध्यक्ष एनसीपी

कह रहे हैं। यह स्पष्ट है कि वे हममें से कुछ लोगों के एक साथ बैठने की सराहना नहीं करते... इससे साबित होता है कि असली घमंडी कौन है। शरद पवार ने बताया कि कैसे पिछले दो दिनों में 28 राजनीतिक दलों के नेता एक साथ शामिल हुए और देश के सामने आने वाली समस्याओं पर चर्चा की। पवार ने प्रतिज्ञा की कि इंडिया गठबंधन अगले चुनावों के लिए देश को एक व्यवहार्य राजनीतिक विकल्प देने का प्रयास कर रहा है।

लोगों ने हमें बहुत गंभीरता से लिया है... हम इंडिया की तीन बैठकों में एक योजना लेकर आए हैं। इंडिया नामक एक नया मिशन शुरू किया गया है और यह रुकेगा नहीं। उन्होंने यह भी वादा किया कि जो लोग भटक गए हैं, उन्हें सही रास्ते पर लाएंगे और अगर फिर भी नहीं मानेंगे तो सभी पार्टियां कंधे से कंधा मिलाकर उन्हें मनाएंगी और देश को एक स्वच्छ प्रशासन प्रदान करेंगी।

उद्धव ठाकरे का दावा- इंडिया 2024 के लोकसभा चुनावों में जीत हासिल करेगा

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को दावा किया कि विपक्षी गठबंधन इंडिया पूरे आत्मविश्वास से आगे बढ़ रहा है और 2024 में लोकसभा चुनाव जीतने के लिए तैयार है। इंडिया कॉन्क्लेव में पूरे भारत से 28 राजनीतिक दलों ने भाग लिया। कॉन्क्लेव की मेजबानी करने वाले उद्धव ठाकरे ने कहा, ‘हम कदम दर कदम आगे बढ़ रहे हैं और इंडिया गठबंधन की तीसरी मीटिंग सफलतापूर्वक संपन्न हुई। हम सब राष्ट्र प्रेमी हैं और जो देश के विरोधी हैं, हम उनसे लड़ेंगे, आप सब जानते हैं कि वे कौन हैं।’ भाजपा का नाम लिए बिना उद्धव ठाकरे ने दोहराया कि इंडिया ब्लॉक एकजुट होकर निरंकुशता, ‘जुमलों’, भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ेगा, ‘इंडिया परिवार’ के लिए बोलेगा, देश के विभिन्न हिस्सों में अत्याचारों का मुकाबला करेगा और ‘नये भारत’ के लिए काम करेगा। उन्होंने कहा, हम यह सब रोकेंगे।’ इस अवसर पर विधायक आदित्य ठाकरे और सांसद संजय राउत ने भी इंडिया कॉन्क्लेव में भाग लेने वाले सभी दलों के शीर्ष नेताओं की उपस्थिति में अपनाए गए राजनीतिक प्रस्तावों और गठित विभिन्न पैनलों पर बात की।

इंडिया ब्लॉक एकजुट होकर निरंकुशता, ‘जुमलों’, भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ेगा, ‘इंडिया परिवार’ के लिए बोलेगा, देश के विभिन्न हिस्सों में अत्याचारों का मुकाबला करेगा और ‘नये भारत’ के लिए काम करेगा:-उद्धव ठाकरे

राष्ट्रपति ने नेहरू मेमोरियल का नाम बदलकर प्रधानमंत्री संग्रहालय करने की मंजूरी दी

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नेहरू मेमोरियल संग्रहालय एवं पुस्तकालय (एनएमएमएल) का नाम बदलकर प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (पीएमएमएल) करने के लिए अपनी मंजूरी दे दी है। केंद्र द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है, ‘भारत सरकार (व्यवसाय का आवंटन) नियम, 1961 में दूसरी अनुसूची में प्रविष्टि 9 में ‘संस्कृति मंत्रालय’ शीर्षक के तहत, ‘नेहरू मेमोरियल संग्रहालय एवं पुस्तकालय’ शब्दों के स्थान पर...‘प्रधानमंत्रियों का संग्रहालय और पुस्तकालय’ शब्द प्रतिस्थापित किये जायेंगे।’ इससे पहले, विपक्षी कांग्रेस ने संग्रहालय से पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का नाम हटाने के लिए केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की थी और इसे ‘प्रतिशोध की राजनीति’ का हिस्सा बताया था। वरिष्ठ कांग्रेस नेता के.सी. वेणुगोपाल ने कहा था, ‘इससे हमारे लिए कोई समस्या पैदा नहीं होने वाली है। यह केवल उन्हीं के लिए समस्याएं पैदा करने वाला है। ये लोग जो कर रहे हैं, इसका उन पर निश्चित तौर पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। उन्हें देश के प्रति जवाबदेह होना होगा।’

‘एक देश, एक चुनाव’ के लिए राज्यों की अनुमति जरूरी : कमलनाथ

नीमच, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। एक देश एक चुनाव को लेकर चल रही चर्चा के बीच मध्य प्रदेश की कांग्रेस इकाई के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा है कि इसके लिए राज्यों की अनुमति जरूरी है। प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने नीमच जिले के प्रवास के दौरान संवाददाताओं से चर्चा करते हुए कहा कि कांग्रेस की पहली सूची जल्द ही जारी होगी परंतु फिर भी जिसे हमको इशारा करना है, हमने इशारा कर दिया है। राज्य सरकार द्वारा 450 रुपए में गैस सिलेंडर दिए जाने के ऐलान पर कमलनाथ ने कहा, 500 में सिलेंडर देने की बात मैंने ही की थी। सुना है भाजपा ने दो-तीन दिनों के लिए सिलेंडर को 450 रुपए में देने की बात की है। चलिए कम से कम मेरी मांग पर कुछ तो एक्शन लिया। ‘वन नेशन, वन इलेक्शन’ की चल रही चर्चा के सवाल पर कमलनाथ ने कहा कि यह संविधान संशोधन का विषय है, यह केवल लोकसभा और राज्यसभा में पास होना पर्याप्त नहीं, इसमें राज्यों की अनुमति भी आवश्यक होगी। राज्य की वर्तमान स्थिति का जिक्र करते हुए कमलनाथ ने कहा कि आज प्रदेश का हर व्यक्ति या तो भ्रष्टाचार का शिकार है या भ्रष्टाचार का गवाह है। ऊपर से नीचे तक भ्रष्टाचार की एक व्यवस्था बनी हुई है। मध्यप्रदेश को भ्रष्टाचार प्रदेश बनाया गया। रोज चिट्ठियां वायरल हो रही है। भ्रष्टाचार से पीड़ित लोग मुख्यमंत्री निवास के सामने आत्महत्या करने पहुंच रहे हैं, प्रदेश की छवि देशभर में धूमिल हो रही है।

■ कमलनाथ ने नीमच जिले के प्रवास के दौरान संवाददाताओं से चर्चा की

उन्होंने आगे कहा कि भ्रष्टाचार होने के कारण प्रदेश में निवेश नहीं आ पाया और भयंकर बेरोजगारी व्याप्त है। मुझे चिंता है प्रदेश के नौजवानों की जो कल हमारे प्रदेश का निर्माण करेंगे। यदि नौजवानों का भविष्य इसी प्रकार अंधेरे में रहा तो कैसे प्रदेश का भविष्य संवरेगा। राज्य सरकार की लाडली बहन योजना को लेकर कमलनाथ ने कहा कि आज शिवराज सिंह चौहान को 18 वर्षों के बाद बहनें याद आने लगी, किसान याद आने लगे, कर्मचारी याद आने लगे, संविदा कर्मचारी अतिथि शिक्षक आदि सब की याद आने लगी।

अब सोचते हैं कि जनता को प्रलोभन देकर खरीद लेंगे, परंतु मुझे प्रदेश की जनता पर पूरा विश्वास है कि वह इनकी बातों में आने वाली नहीं।

सार संक्षेप

सीएम जगन के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी के आरोप में टीडीपी नेता गिरफ्तार

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश पुलिस ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी और मंत्रियों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में टीडीपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री अय्यना पत्रुडु को विशाखापत्तनम हवाई अड्डे पर गिरफ्तार कर लिया। हैदराबाद से विमान से विशाखापत्तनम हवाई अड्डे पर उतरने के बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया। पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर कृष्णा जिले में ले गई। टीडीपी महासचिव नारा लोकेश की ‘युवा गलम’ पदयात्रा के हिस्से के रूप में एनटीआर जिले के गन्नावरम में हाल ही में आयोजित एक सार्वजनिक बैठक में मुख्यमंत्री और मंत्रियों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए पुलिस ने टीडीपी नेता और कुछ अन्य लोगों पर मामला दर्ज किया था।

अमित शाह ने देशभर के भाजपा कॉल सेंटर्स के संयोजकों को किया संबोधित

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को देशभर के भाजपा कॉल सेंटर्स के संयोजकों को संबोधित किया। इस दौरान कॉल सेंटर के जरिए मोदी सरकार की उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार करने की रणनीति को लेकर अहम टिप्स दिए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को भाजपा मुख्यालय के केंद्रीय कार्यालय विस्तार पहुंच कर देशभर से बुलाए गए कॉल सेंटर्स के संयोजकों को संबोधित करते हुए यह बताया कि सरकार की उपलब्धियों को जनता तक कैसे पहुंचाना है।

तेलंगाना सरकार ने कृषि संकट का श्रेष्ठ समाधान दिया, जो स्वतंत्र भारत में पहले कभी नहीं हुआ: केसीआर

हैदराबाद, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने शुक्रवार को आयोजित स्वतंत्र भारत के डायमंड फेस्टिवल के समापन समारोह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि तेलंगाना सरकार ने कृषि संकट का ऐसा समाधान किया है जैसा स्वतंत्र भारत में पहले कभी नहीं हुआ। रायतु बंधु जैसी योजनाओं से हम किसानों की आंखों में रौशनी देख रहे हैं। हमने ग्राम स्वराज और ग्राम आत्मनिर्भरता की दिशा में एक लंबा सफर तय किया है और ग्रामीण व्यवसायों को प्रोत्साहित किया है। इन कार्यक्रमों के लागू होने से गांव समृद्ध हुए हैं। कई राज्य सरकारों ने अभी तक सभी लोगों को ताजा पानी उपलब्ध नहीं कराया है। लेकिन तेलंगाना राज्य इस मामले में देश के लिए एक मिसाल बन गया है। कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने एवं किसान केन्द्रित योजनाएँ बनाने में जी.आर मछली के विकास पर विशेष ध्यान देने के पीछे गांधी जी का प्रभाव है। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने कहा कि गांधी जी कहते थे कि भारत की आत्मा गांवों में है, उनके शब्दों की प्रेरणा से हम ग्रामीण जीवन स्तर का विकास कर रहे हैं। गांवों से लेकर कस्बों और शहरों तक, कृषि से लेकर उद्योगों और आईटी क्षेत्रों के विकास तक, आदिवासियों, दलितों, अल्पसंख्यकों से ऊंची जाति के गरीबों तक, हम सभी को समान प्राथमिकता दे रहे हैं। इसी समावेशी और व्यापक विकास मॉडल के साथ हमें आगे बढ़ना है।

■ तेलंगाना राज्य इस मामले में देश के लिए एक मिसाल बन गया है: केसीआर

■ स्वतंत्रता के हीरक महोत्सव समापन समारोह को संबोधित किया मुख्यमंत्री केसीआर ने

■ रायतु बंधु जैसी योजनाओं से हम किसानों की आंखों में रौशनी देख रहे हैं

इसीलिए तेलंगाना मॉडल आज देश का दिशा सूचक यंत्र बन गया है। मैं विनम्रतापूर्वक कहता हूं कि विकास के इस पैटर्न को जारी रखकर और प्रगति के फल को सभी लोगों के साथ समान रूप से साझा करके, हम स्वतंत्रता आंदोलन की आकांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम होंगे। हमारा रास्ता न्याय और धर्म का है। हमें सभी के कल्याण की चिंता है, सर्वांगीण विकास हमारी प्राथमिकता है।

लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के बारे में 2016 में तैयार हुआ था नोट

नई दिल्ली, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। लोकसभा सचिवालय द्वारा 2016 में तैयार किए गए एक नोट में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के एक साथ चुनावों पर विस्तार से चर्चा की गई थी। यह नोट लोकसभा सचिवालय के अतिरिक्त निदेशक बी. फणी कुमार, संयुक्त निदेशक बेला राउथ द्वारा संयुक्त सचिव कल्पना शर्मा और निदेशक सी.एन. सत्यनाथन की देखरेख में तैयार किया गया था। नोट में कहा गया है, ‘लोकसभा और विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की वांछनीयता पर विभिन्न स्तरों पर चर्चा की गई है। एक सुविचारित विचार यह है कि एक साथ चुनाव से न केवल मतदाताओं का उत्साह बना रहेगा, बल्कि सरकारी खजाने में भी भारी बचत होगी। साथ ही प्रशासनिक प्रयास की पुनरावृत्ति से भी बचा जा सकेगा। ‘इससे राजनीतिक दलों के खर्चों को नियंत्रित करने की भी उम्मीद है। एक साथ चुनाव कराने से आदर्श आचार संहिता को बार-बार लागू करने से भी बचा जा सकेगा जो सरकार के प्रशासनिक कार्यों को प्रभावित करता है।’ भारत में एक साथ चुनावों के इतिहास पर नोट में कहा गया है कि लोकसभा और विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव 1951-52, 1957, 1962 और 1967 में हुए थे। इसके बाद, हालांकि, इस क्रम को बनाए नहीं रखा जा सका।

■ इससे राजनीतिक दलों के खर्चों को नियंत्रित करने की भी उम्मीद है

एक साथ चुनाव कराने के औचित्य पर नोट में कहा गया है कि ऐसा महसूस किया गया कि एक साथ चुनाव कराने से हर साल अलग-अलग चुनाव कराने पर होने वाला भारी खर्च कम हो जाएगा।

वर्तमान में, चुनाव आयोग द्वारा लोकसभा और राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की विधानसभाओं के चुनाव कराने की लागत 4,500 करोड़ रुपये आंकी गई है। नोट में कहा गया है, ‘चुनावों के कारण चुनाव वाले राज्य/क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता लागू हो जाती है और परिणामस्वरूप वहां केंद्र और राज्य सरकारों के संपूर्ण विकास कार्यक्रम और गतिविधियां रुक जाएंगी। अक्सर चुनावों के कारण लंबे समय तक आचार संहिता लागू रहती है जो सामान्य शासन को प्रभावित करता है।’

34 YEARS OF ACADEMIC EXCELLENCE

SHOBHIT DEEMED TO BE UNIVERSITY
Shobhit Institute of Engineering & Technology
NAAC A

M.Sc. ADMISSION NOTICE 2023-24
Master of Science - 2 Years

We are a Research-intensive, Multi-disciplinary University that values high-quality teaching in a milieu of globally competitive, high-end research. The University is proud to announce industry oriented M.Sc. programs for the academic session 2023-24.

Our M.Sc. programs offer a unique blend of theoretical knowledge and practical skills, preparing students to excel in their chosen fields and contribute meaningfully to the scientific community.

PROGRAMS OFFERED:

- M.Sc. Biotechnology
- M.Sc. Bioinformatics
- M.Sc. Biomedical Science
- M.Sc. Blockchain Technology
- M.Sc. Clinical Research
- M.Sc. Cyber Security
- M.Sc. Data Science
- M.Sc. Geo-informatics
- M.Sc. Intellectual Property Rights
- M.Sc. Mathematics
- M.Sc. Medical Physics
- M.Sc. Microbiology

Each program has 20 seats available, ensuring a personalized learning experience and fostering close relationships between students and faculty members.
Admission on the basis of CUET-PG 2023 / Academic Merit

Why to choose Shobhit University for M.Sc. Programs

Interdisciplinary Research Thrust Areas
We are committed to advancing interdisciplinary research across various domains. Our research areas encompass molecular target identification, immunology, nanomedicine, mushroom technology, anti-microbial studies of phytochemicals, and more. We foster collaboration between faculty and students to create impactful projects.

Recognitions and Accreditations
Acknowledged as a Scientific and Industrial Research Organization (SIRO) by the Min. of Science and Technology, Govt of India, Shobhit University stands as a recognized institution in the field. This recognition underscores our dedication to scientific and industrial research.

Seed Money for Research and Consultancy Work
We empower our faculty and students to drive research and consultancy initiatives by offering seed funding and incentives. This approach not only supports faculty research endeavors but also fuels the generation of novel knowledge and innovations.

Industry-Oriented Programs
In alignment with our commitment to producing graduates well-prepared for the professional world, our programs are designed with a strong industry orientation. By incorporating real-world case studies, practical projects, and industry collaborations, we ensure that our students acquire the skills and knowledge needed to excel in their chosen fields.

Spot Admission Counseling [02nd - 15th Sept 2023; Time: 10am - 4pm; Venue: Outreach Cell, University Campus]

Documents Required for Counseling
- Original High School, Intermediate, Graduation marksheets, and degree certificate with one self attested copy of each.
- Valid Identity proof with one self attested copy.
- Three Passport size photographs.

To apply online visit: admission.shobhituniversity.ac.in

Important Note:
- Please ensure that the Admission Application Form is filled in offline/ online mode before attending the counseling.
- To confirm Admission, an amount of Rs.10000/- shall be deposited through Cash/Online/Demand Draft on allotment of seat, which shall be adjusted in the academic fee.

SHOBHIT INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY
[NAAC 'A' Grade Accredited Deemed to-be University]
Campus: NH-58, Modipuram, Meerut, Delhi NCR | www.shobhituniversity.ac.in
8755087739 / 9870265521
SCAN TO APPLY

अभिमत

भारत जिस संकट का सामना कर रहा है, वह एक ऐसे नेतृत्व द्वारा लाया गया है जो न तो अंदर और न ही बाहर को समझता है और दोनों को नुकसान पहुंचा रहा है। जब ऐसे सिद्धांत प्रतिपादित किए जाते हैं कि भारत में सर्जरी का आविष्कार कैसे किया गया था या किस तरह हजारों साल पहले हमारे पास हवाई जहाज और 'पुष्पक-विमान' थे तो यह वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ न्याय नहीं करता है।

कदम चांद पर लेकिन सोच वही दकियानूसी

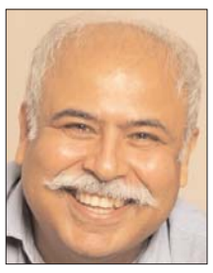

जगदीश रत्तनानी

भारत ने चंद्रमा पर अपना झंडा फहरा दिया है। भारत पहला देश है जिसने चांद के दक्षिणी ध्रुव पर अपना यान उतारा है। भारत चंद्रमा की सतह पर उतरने वाला केवल चौथा देश बन गया है। जाहिर है कि राष्ट्र ने जो हासिल किया है, उससे उत्साह, गर्व और खुशी की भावना है। हमने बहुत दूर तक का सफर तय किया है। जब हम खुद से परे देखते हैं तो हम बहुत कुछ सीखते हैं लेकिन भारतीय विचार और आध्यात्मिक परंपराएं हमें सिखाती हैं कि जब हम अपने अंदर झांकते हैं तो हम और ज्यादा सीखते हैं। इसरो प्रमुख डॉ. एस सोमनाथ ने चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक उतरने के कुछ दिनों बाद तिरुवनंतपुरम में भद्र काली मंदिर की यात्रा के दौरान इसे बहुत सहजता से कहा। उन्होंने कहा-'मैं कई मंदिरों में जाता हूं, मैं कई शास्त्रों को पढ़ता हूं। इस ब्रह्मांड में हमारे अस्तित्व और हमारी यात्रा का अर्थ खोजने की कोशिश करता हूं। मैं एक अन्वेषक हूं। मैं चंद्रमा के रहस्यों का पता लगाने का प्रयास करता हूं। मैं अंतर्मन के रहस्यों को खोजने की कोशिश करता हूं।'

अंतर्मन वह जगह है जहां हमारी सभी यात्राएं शुरू और समाप्त होती हैं। वेदांत के अग्रणी प्रतिपादकों में से एक अर्श विद्या गुरुकुलम के स्वामी दयानंद सरस्वती (1930-2015) ने भगवद् गीता की पहली पंक्ति पर विस्तार से यह सिखाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी स्वामी दयानंद सरस्वती का सम्मान करते हैं। नेत्रहीन राजा धृतराष्ट्र द्वारा संजय से यह पूछने के साथ पवित्र भगवद् 'गीता की शुरुआत होती है- युद्ध के मैदान में इकट्ठे हुए, लड़ने की इच्छा रखते वाले, 'मेरे लोगों' और 'पांडु पुत्रों' ने क्या किया? धृतराष्ट्र के पुत्र 'उसके लोग' हैं; उनके भाई पांडु के पुत्र 'उसके लोग' नहीं हैं, और लड़ाई यहीं से शुरू होती है। स्वामी दयानंद सरस्वती एक अनोखे तरीके और शैली में यह बात सिखाते हैं कि सभी लड़ाइयां अंदर की ओर हमारे अंतर्मन में होती हैं और हमारा शरीर और उसके कार्य कुरुक्षेत्र के युद्ध क्षेत्र का निर्माण करते हैं जहां धर्म की परीक्षा होती है।

जब बाह्य जगत में आपका गौरव हो रहा हो उस समय डॉ. सोमनाथ ऐसे दुर्लभ व्यक्ति हैं जो वैज्ञानिक पद्धति के साक्ष्य आधारित अभ्यासक हैं। उन्होंने अपने जीवन में एक ही समय में विज्ञान की खोज तथा आध्यात्मिकता विचार के लिए जगह बनाई है। अंतरिक्ष अन्वेषण में इसरो प्रमुख की शानदार उपलब्धि विज्ञान के तरीकों के लिए उनके प्यार में निहित है। वास्तव में ऐसा होना भी चाहिए। वैज्ञानिक क्रांति के पिता फ्रांसिस बेकन (1561-1626) का कहना था कि-'इसे (विज्ञान को) वर्चस्व और नियंत्रण की भाषा का उपयोग कर हमें प्रकृति पर अत्याचार कर उसे अपने रहस्य उजागर करने के लिए बाध्य करना होगा।' विज्ञान के संबंध में भारतीय धारणा इसके विपरीत है। भारतीय परंपरा प्रकृति का सम्मान करना, प्रकृति की पूजा करना और उससे सीखने का संदेश देती है।

किसी बात पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण और साधनों के बिना सोचे-समझे भरोसा करना उस पिछड़े और अंधविश्वासी विचार को सुनने तथा बढ़ावा देने का जोखिम रहता है। इसके खिलाफ जवाहरलाल नेहरू ने आवाज उठाई थी। हमारी जड़ों को फिर से खोजने के नाम पर सत्तारूढ़ अभिजात वर्ग और उनके कुछ चापलूसों ने यही दृष्टिकोण अपनाया है। दूसरी ओर, प्रकृति और उसके द्वारा हमें प्रदान की गई सभी चीजों के प्रति सम्मान के बिना आरंभ किए गए उपक्रम एक शोषक मॉडल बनने का जोखिम उठाते हैं। ऐसे उपक्रमों ने हमें एंथ्रोपोसीन और जलवायु संकट के युग में खड़ा कर दिया है जिनका आज संपूर्ण मानवता को सामना करना पड़ रहा है। यह संकट वैश्विक है और इसका जवाब विभिन्न पारिस्थितिक आंदोलनों के रूप में सामने आता है जो मानव जाति की प्रगति के विचार पर नए सवाल उठा रहे हैं। सत्तारूढ़ अभिजात वर्ग और वर्चस्व की भाषा बोलने वाले खुशामदियों के लिए ये चुनौतियां पूरी तरह से विदेशी हैं और इस प्रक्रिया में वे प्राकृतिक प्रणालियों को नष्ट कर रहे हैं। ये लोग इस उम्मीद में हैं कि भारत इसी तरह से आगे बढ़ सकता है और नई व्यवस्था में एक महाशक्ति बन सकता है।

चंद्रमा पर उतरने में सफलता ऐसे राजनीतिक दौर में मिली है जब मंदिर एक हथियार बन गया है, आध्यात्मिकता को उग्र भगवा में बदल दिया गया है और शास्त्रों को लापरवाही से उद्धृत किया जाता है या संवाद और एकता का संदेश देने के लिए प्रसिद्ध ग्रंथों को आक्रामक स्वर देने के लिए कहा जाता है। रूमी ने कहा है- 'हम अपने अंदर मौजूद चमत्कारों को बाहर तलाशते हैं'। इस संदर्भ में हम तर्क दे सकते हैं कि आज राष्ट्र को तोड़ने को विभाजित करने वाले प्रयास वे विभाजन हैं जो हम अपने अंदर रखते हैं। इस जहर को नष्ट करने का सरल उपाय दोनों पक्षों को समझने का प्रयास करना है या जैसा कि इसरो प्रमुख ने कहा-'विज्ञान और आध्यात्मिकता दोनों का पता लगाना मेरे जीवन की यात्रा का एक हिस्सा है। यह उस संस्कृति का एक हिस्सा है जिसे हमने अंतरात्मा के साथ-साथ बाह्य जगत का पता लगाने के लिए बनाया है।'

कहने की जरूरत नहीं है कि आध्यात्मिकता का अर्थ धार्मिकता नहीं है। किसी भी धर्म को मानने वाला व्यक्ति या वास्तव में किसी भी धर्म को मानता नहीं है, वह किसी धाराप्रवाह मंत्रोच्चार करने वाले व्यक्ति से या उससे अधिक आध्यात्मिक हो सकता है। आध्यात्मिकता असंख्य पहलू जोड़ती है तथा गहरे आंतरिक परीक्षण को गति देती है जो समय सीमा, भौगोलिक क्षेत्रों, धार्मिक आस्थाओं की विश्वास प्रणालियों में गूंजती है और लाखों कंठों से उसका गुणगान करती है।

आज भारत जिस संकट का सामना कर रहा है, वह एक ऐसे नेतृत्व द्वारा लाया गया है जो न तो अंदर और न ही बाहर को समझता है और दोनों को नुकसान पहुंचा रहा है। जब ऐसे सिद्धांत प्रतिपादित किए जाते हैं कि भारत में सर्जरी का आविष्कार कैसे किया गया था या किस तरह हजारों साल पहले हमारे पास हवाई जहाज और 'पुष्पक-विमान' थे तो यह वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ न्याय नहीं करता है। ऐसा नजरिया तेजी से जीडीपी विकास की अपनी विवेकहीन तलाश में प्रकृति की लापरवाह और विचारहीन लूट, एक समूह को विभाजित करने और दूसरे समूह से लड़ने के लिए मजबूर करने वाली राजनीति, बढ़ती असमानता और चुनिंदा सुपर-अमीरों को प्राथमिकता देकर और भी अधिक अन्याय करता है। यदि सब कुछ दीर्घकालिक दूरदर्शी सोच के बिना तत्काल लाभ-हानि की सोच तक सीमित हो जाता है तो कोई आश्चर्य नहीं कि चांद पर भारत का अहम बड़ा कदम भी छोटी सोच से प्रभावित हो जाएगा।

यह विवाद वाजिब है कि इसरो के वैज्ञानिकों से मिलने के लिए प्रधानमंत्री बेंगलुरु कैसे गए और प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से अपनी अगवानी नहीं करने या प्रोटोकॉल के अनुसार उनके साथ (प्रधानमंत्री के साथ) आने के लिए क्यों रोक दिया?

देश को दोहरी खुशी होती यदि दो दलों के दोनों नेता साथ-साथ खड़े होते और चंद्रमा पर जाने के मिशन को संभव बनाने वाले वैज्ञानिकों को बधाई देते। स्पष्ट रूप से यह मुख्यमंत्री या उनके डिप्टी डीके शिवकुमार को 'रोकने' का कोई अवसर नहीं था। प्रधानमंत्री को पता होना चाहिए था कि 2024 के आम चुनावों और चंद्रमा मिशन की सफलता का राजनीतिक लाभ लेने की भाजपा की प्रवृत्ति को देखते हुए उनका यह स्पष्टीकरण कि वह राज्य के नेताओं को 'परेशान' नहीं करना चाहते थे, जनता की निगाह में खरा नहीं उतरेगा।

उम्मीद है कि इस प्रकरण को जल्द ही भुला दिया जाएगा क्योंकि राष्ट्र अपने वैज्ञानिकों की सफलता और उनके काम की खुशियां मनाने में व्यस्त है।

चंद्र मिशन की सफलता के क्षण में भी हम उनसे कुछ सीख सकते हैं। इसरो में किसी ने नहीं कहा कि यह 'मैंने' किया। टीम के सदस्यों को कैमरों के सामने बुलाया गया था। इसरो नेतृत्व ने सफलता का पूरा श्रेय अतीत और वर्तमान नेताओं को दिया। उन्होंने टीम भावना का प्रदर्शन किया जो मिशन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

इसरो प्रमुख के शब्दों में-'यह अकेले हमारा काम नहीं है। यह इसरो के नेतृत्व और इसरो वैज्ञानिकों की एक पीढ़ी का काम है। यही क्रमिक प्रगति है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं। सिंडिकेट : दी बिलियन प्रेस)

किसी बात पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण और साधनों के बिना सोचे-समझे भरोसा करना उस पिछड़े और अंधविश्वासी विचार को सुनने तथा बढ़ावा देने का जोखिम रहता है। इसके खिलाफ जवाहरलाल नेहरू ने आवाज उठाई थी। हमारी जड़ों को फिर से खोजने के नाम पर सत्तारूढ़ अभिजात वर्ग और उनके कुछ चापलूसों ने यही दृष्टिकोण अपनाया है। दूसरी ओर, प्रकृति और उसके द्वारा हमें प्रदान की गई सभी चीजों के प्रति सम्मान के बिना आरंभ किए गए उपक्रम एक शोषक मॉडल बनने का जोखिम उठाते हैं।

बीता सप्ताह

26 अगस्त
- मणिपुर हिंसा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा कदम उठाते हुए गुवाहाटी हाईकोर्ट में सुनवाई का फैसला लिया।
- चन्द्रयान-3 के रोवर ने चंद्रमा की सतह पर उतर कर 'मूनवॉक' किया।
- पूर्व डब्ल्यू डब्ल्यू ई चैम्पियन ब्रे वॉयट का 36 वर्ष की उम्र में हार्टअटैक से निधन हो गया।
- प्रधानमंत्री मोदी यूनान के शीर्ष नागरिक सम्मान 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ ऑनर' से सम्मानित किए गए।

27 अगस्त
- दिग्गज गीतकार देव कोहली का मुंबई में निधन हो गया।
- प्रधानमंत्री मोदी ने इसरो के वैज्ञानिकों से भेंट कर चंद्रयान-3 के चंद्रमा पर लैंडिंग पाइंट को 'शिव शक्ति' पाइंट नाम देने का ऐलान किया।
- तमिलनाडु के मदुरै में ट्रेन में आग लगने से 9 लोगों की मौत हो गई।
- नासा ने एंडेवर नामक ड्रैगन अंतरिक्ष यान पर स्पेसएक्स क्रू-7 मिशन लॉन्च किया।

28 अगस्त
- भारतीय अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा कि सितंबर के पहले सप्ताह में प्रक्षेपित होगा आदित्य एल-1
- पश्चिम बंगाल के परगना जिले केदत्तपुकुर में फटाका फैक्ट्री में आग लग जाने से 8 लोगों मौत हो गई।
- संयुक्त राज्य अमेरिका के नोआ लायल्स विश्व चैम्पियनशिप में तीसरा स्वर्ण पदक जीता।
- एशिया कप के लिए बल्लेबाज सऊद शकील पाकिस्तान की टीम में शामिल कर लिए गए।

29 अगस्त
- बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विपक्ष के नए गठबंधन इंडिया के संयोजक बनने से किया इंकार।
- जापान का पहला चंद्रयान मॉडयूल स्मार्ट लैंडर फार इन्वेस्टिगेटिंग मून (एसएलआईएम) प्रक्षेपण का मौसम की खराबी के कारण स्थगित कर दिया।
- पाकिस्तान की एक अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को हत्या के आरोप से बरी कर दिया।
- प्रधानमंत्री मोदी ने 51 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे।

30 अगस्त
- तोशाखाना मामले में पाक के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान को इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने सजा पर रोक लगाई।
- सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए केंद्र से पूछा कि जम्मू-कश्मीर को कब तक मिलेगा राज्य का दर्जा।
- केन्द्र ने एलपीजी गैस सिलेंडर पर 200 रुपए कीमत कम कर दिया।
- चीन ने एक नया नक्शा जारी किया जिसमें अरुणाचल व अवसाह चिन को बताया अपना क्षेत्र।

31 अगस्त
- मुंबई में विपक्षी गठबंधन इंडिया की तीसरी बैठक में 28 राजनीतिक दल होंगे शामिल।
- लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन का निलंबन खत्म कर दिया गया।
- कर्नाटक सरकार ने अपने राज्य में गृह लक्ष्मी योजना शुरु की।
- मध्यप्रदेश के मुरैना में टैंक की सफाई में उतरे पांच मजदूरों की मौत हो गई।

1 सितंबर
- केंद्र सरकार ने जया वर्मा सिन्हा को भारतीय रेलवे की पहली महिला अध्यक्ष और सीईओ नियुक्त किया।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रायपुर में कहा कि -छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया कहावत में है-सदियों का सच।
- राहुल गांधी ने मुंबई में प्रेस कांफ्रेंस लेकर पीएम मोदी से किए सवाल कि देश से बाहर भेजा गया एक अरब डॉलर किसका?
- इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को क्रॉप डाक्टर 2-0 ऐप विकसित करने के लिए राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस स्वर्ण पदक पुरस्कार मिला।

गुटनिरपेक्षता से लेकर अगले सप्ताह दिल्ली में जी-20

■ डॉ. अरुण मित्रा

अगले सप्ताह दिल्ली में होने वाली जी-20 बैठक को लेकर काफी उत्साह पैदा किया जा रहा है, विशेष रूप से यह दिखाने के लिए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कारण ही भारत को समूह की अध्यक्षता मिली है, तथा इसी का प्रचार जोर-शोर से किया जा रहा है। परन्तु मामले की सच्चाई यह है कि जी-20 में अध्यक्षता की एक चक्रीय प्रणाली है, जिसके तहत सभी सदस्य देशों को बारी-बारी से आयोजन का अवसर और अध्यक्षता और दी जाती है। दरअसल भारत पिछले साल जी-20 का अध्यक्ष बन सकता था लेकिन इसमें एक साल की देरी हो गई।

जी-20 के पास चर्चा के लिए कई एजेंडे हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक शांति और सभी के लिए स्वास्थ्य है। कई हिस्सों में चल रहे सशस्त्र संघर्षों के कारण आज दुनिया बहुत गंभीर स्थिति में है। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष इस समय सबसे गंभीर है। यूएनओ के अनुसार अब तक 3604 नागरिकों सहित 14400 से अधिक लोग मारे गये हैं। 80 लाख से अधिक लोग बाहरी रूप से विस्थापित होकर दूसरे देशों में शरणार्थी के रूप में रह रहे हैं।

> **7वें गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में भारत ने विकासशील देशों को निरस्त्रीकरण, समान विकास, मानवाधिकार, सभी के लिए स्वास्थ्य आदि एक लक्ष्य पर संगठित करने में बड़ी भूमिका निभाई थी। उन्होंने फ़िलिस्तीनियों के हितों और मानवाधिकारों के अन्य मुद्दों के समर्थन में प्रस्ताव पारित किये थे। ऐसे फैसलों के लिए स्टेट्समैनशिप की जरूरत होती है।**

मामला सिर्फ रूस और यूक्रेन के बीच नहीं रह गया है। अमेरिका और नाटो की स्पष्ट भागीदारी से चीजें बहुत आगे बढ़ गई हैं। दोनों पक्षों ने परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की चेतावनी दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बयान जारी करने के बाद कि वह यूक्रेन को क्लस्टर हथियारों की आपूर्ति करेंगे, रूस ने चेतावनी दी है कि ऐसी स्थिति में उनके पास परमाणु हथियारों का उपयोग करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं बचेगा। यह बहुत खतरनाक स्थिति है क्योंकि इस समय उस सीमा पर कोई भी परमाणु आदान-प्रदान रूस और यूक्रेन के बीच सीमित नहीं रहेगा। यह रूस और अमेरिका और नाटो के बीच परमाणु आदान-प्रदान होगा। नवीनतम वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, इसका मतलब 5 अरब से अधिक लोगों की मृत्यु होगी जो हजारों वर्षों के मानव श्रम के माध्यम से निर्मित आधुनिक सभ्यता का अंत होगा।

आईपीपीएनडब्ल्यू और पर्यावरण समूहों द्वारा किये गये अध्ययन ने पहले ही सुबूतों के साथ दिखाया है कि उदाहरण के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच सीमित परमाणु आदान-प्रदान से भी 2 अरब से अधिक लोगों की मौत हो सकती है। लेकिन रूस और अमेरिका के बीच आदान-प्रदान कहीं अधिक विनाशकारी होगा।

इसके अलावा अफ्रीका और एशिया के विभिन्न हिस्सों में भी संघर्ष चल रहे हैं। इन आंतरिक झगड़ों को अमीर देशों के विभिन्न आर्थिक हितों के लिए किसी न किसी रूप में अंतर्राष्ट्रीय समर्थन प्राप्त है। फ़िलिस्तीन या सीरिया की स्थिति अत्यधिक मानवाधिकार उल्लंघन के उदाहरण हैं। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि जी-20 परमाणु निरस्त्रीकरण जैसे मुद्दों पर कड़ा निर्णय ले और छोटे हथियारों के प्रसार पर रोक लगाये।

हालांकि यह असंभावित लगता है क्योंकि जी-20 एक समरूप समूह नहीं है। यह बहुराष्ट्रीय निगमों और सैन्य औद्योगिक परिसरों पर हावी स्व-हित वाले देशों का एक समूह है। यह गुटनिरपेक्ष आंदोलन (नैम) के विपरीत है जिसने प्रभावी कदम उठाए और विभिन्न देशों में निरस्त्रीकरण, विकास और मानवाधिकारों के मुद्दे पर गंभीर चिंताएं उठाईं। यह सर्वविदित है कि उस समय भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। नैम की स्थापना जवाहरलाल नेहरू, मार्शल टीटो और अब्दुलगमाल नासिर की पहल पर की गई थी। नैमका 7वां शिखर सम्मेलन 1983 में दिल्ली में आयोजित किया गया था जिसमें 117 देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने भाग लिया था और कई देशों के 20 पर्यवेक्षक थे।

इसके विपरीत, जी-20 एक छोटा आयोजन है लेकिन बहुत अधिक प्रचार के साथ। ऐसा लगता नहीं है कि जी-20 बैठक परमाणु हथियारों को खत्म करने के लिए एक ठोस घोषणा के साथ सामने आयेगी, जो अब 7 जुलाई 2017 को यूएनओ द्वारा पारित परमाणु हथियारों के निषेध पर बहुपक्षीय संधि (टीपीएनडब्ल्यू) के माध्यम से संभव है।

अंदर एक मजबूत लॉबी है। जी-20 ने यूएनओ में टीपीएनडब्ल्यू का विरोध किया और संयुक्त राष्ट्र महासभा के सदस्यों पर जबरदस्त दबाव डाला। ये देश निवारक के रूप में परमाणु हथियारों के सिद्धांत के नायक हैं। इसकी बहुत कम संभावना है कि जी-20 सभी के लिए स्वास्थ्य पर कोई ठोस निर्णय लेकर आयेगा जिसके लिए स्वास्थ्य देखभाल के लिए संसाधनों के समान वितरण की आवश्यकता है।

हमने देखा है कि कैसे फार्मास्युटिकल कंपनियों, विशेष रूप से वैक्सीन उत्पादक कंपनियों ने कोविड महामारी के दौरान तबाही मचाई और छोटे देशों को ब्लैकमेल किया, जिनके पास अपने दम पर वैक्सीन बनाने के लिए न तो तकनीकी जानकारी थी और न ही संसाधन। माना जाता है कि बड़ी फार्मा कंपनियों ने इस अवधि के दौरान भारी मुनाफा कमाया है। सभी के लिए स्वास्थ्य, सस्ती दवा मूल्य निर्धारण और न्यायसंगत स्वास्थ्य देखभाल पर किसी भी बातचीत के लिए, फार्मा कंपनियों को विनियमित करना होगा और उनके मुनाफे को पारदर्शी बनाना होगा।

जी-20 की गतिविधियों और विभिन्न क्षेत्रों में नतीजों पर नजर रखना अच्छा रहेगा। लेकिन अमेरिका, इंग्लैंड, फ्रांस जैसे देश कॉर्पोरेट समर्थक विचारधारा और आर्थिक हितों वाले हैं। क्या वे हथियार छोड़ने के लिए तैयार होंगे या क्या वे विश्व व्यापार संगठन में प्रभावी बदलाव करने के लिए तैयार होंगे ताकि विकासशील देशों की सभी के लिए स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके?

7वें गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में भारत ने विकासशील देशों को निरस्त्रीकरण, समान विकास, मानवाधिकार, सभी के लिए स्वास्थ्य आदि एक लक्ष्य पर संगठित करने में बड़ी भूमिका निभाई थी। उन्होंने फ़िलिस्तीनियों के हितों और मानवाधिकारों के अन्य मुद्दों के समर्थन में प्रस्ताव पारित किये थे। ऐसे फैसलों के लिए स्टेट्समैनशिप की जरूरत होती है। वर्तमान में हमारी राजनीति में उस स्तर

चांद पर 'शिवशक्ति पाइंट' : राजनीति का अंतरिक्ष

■ अमन नम्र

वर्ष 2000 में एक फिल्म आई थी 'रिफ्यूजी।' करीना कपूर और अभिषेक बच्चन के कॅरिअर की यह पहली फिल्म थी। इसमें जावेद अख्तर का लिखा एक गीत था,

'पंछी नदिया पवन के झोंके,
कोई सरहद ना इन्हें रोके
सरहदें इन्सानों के लिए हैं
सोचो तुमने और मैंने क्या पाया इन्सां हो के।'

इस गीत के लिए जावेद अख्तर को 'फिल्म फेयर अवॉर्ड' भी मिला था। आप सोच रहे होंगे कि इस जानकारी का भला इस लेख से क्या तालमेल है। दरअसल जावेद अख्तर को पंछी, नदिया, पवन के साथ राजनीति भी जोड़नी थी, तो ये लाइनें ऐसी बनतीं-'पंछी, नदिया, राजनीति, पवन के झोंके, कोई सरहद ना इन्हें रोके।'

आज तो यही बात चरितार्थ हो रही है। अब राजनीति प्रदेश, देश और धरती की सीमा पार कर चांद तक पहुंच चुकी है। इसका ताजा उदाहरण है, चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के बाद उस प्वाइंट को 'शिवशक्ति' नाम देना। आपका सवाल हो सकता है कि भला इसमें क्या राजनीति हो सकती है। यह तो वैज्ञानिकों और देश के सम्मान के लिए एक प्रतीक के तौर पर दिया गया नाम है। इससे पहले भी 2008 में जब भारत ने पहली बार चांद पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई थी तो उसे 'जवाहर पॉइंट' नाम दिया गया था। जाहिर है, तब कांग्रेस की मनमोहन सरकार थी, ऐसे में देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नाम पर नामकरण किया गया। सवाल है कि क्या 'जवाहर पॉइंट' देशभक्ति थी और 'शिवशक्ति पॉइंट' राजनीति है?

जायज सवाल है, पर इसका जवाब भी इसी सवाल में दे दिया गया है। अगर 'जवाहर पॉइंट' का नामकरण भी राजनीति ही थी तो यह अच्छी राजनीति थी, क्योंकि इसी का नतीजा है कि 15 साल बाद चंद्रयान-3 चांद के उसी दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतारा गया। तो ऐसे में 'शिवशक्ति पॉइंट' के नामकरण में भला क्या आपत्ति हो सकती है? नहीं होती, अगर यही नाम ऐसे किसी पॉइंट का होता जो मानसरोवर के सामने मौजूद कैलाश पर्वत के किसी राज को खोलने के किसी वैज्ञानिक मिशन के लिए वहां के किसी स्थान के लिए रखा जाता। तब शिवशक्ति के नाम के पीछे की एक जायज वजह होती। कैलाश पर्वत पर वास करने संबंधी भगवान शिव की मान्यता के साथ इस नामकरण पर कोई भी आपत्ति खारिज की जा सकती थी।

चांद के दक्षिणी ध्रुव पर 'शिवशक्ति पाइंट' के नामकरण पर तीन आपत्तियां बताई जा सकती हैं। पहली, जिस मिशन के लिए चंद्रयान-3 को वहां भेजा गया था, उसका इस नाम से कुछ लेना-देना नहीं है। दूसरी, 'इसरो' के वैज्ञानिक जिस जिद, जुनून, जज्बे और वैज्ञानिक नजरिए के साथ यह पूरा मिशन संभाल रहे थे, उसमें धर्म वैज्ञानिकों का एक निजी विश्वास जरूर हो सकता है, लेकिन इसे मिशन के दूरदर्शी नतीजों के साथ जबरन जोड़ना कतई फायदेमंद नहीं होगा। उलटे इसके नुकसान जरूर हो सकते हैं।

इस पूरे मिशन में जितने भी वैज्ञानिक जुड़े हैं, जरूरी नहीं कि वे सारे हिंदू हों, होने भी नहीं चाहिए। ऐसे में किसी वैज्ञानिक मिशन से जुड़े ऐसे बेहद अहम पाइंट का नाम धर्म विशेष से क्यों रखा जाना चाहिए? तीसरी आपत्ति यह है कि इस नाम को 'नासा' या 'ईएसए' (यूरोपियन स्पेस एजेंसी) जैसी अंतरराष्ट्रीय स्पेस एजेंसियों को किस तरह समझाया जाएगा। आखिर किसी को कैसे बताया जाएगा कि चांद की संरचना को बेहतर ढंग से समझने और उसकी सतह पर मौजूद रासायनिक और प्राकृतिक तत्वों, मिट्टी, पानी आदि पर वैज्ञानिक प्रयोग करने के इस मिशन के बेहद अहम प्वाइंट को केवल हिंदू देवता के नाम पर क्यों रखा गया है?

और यह भी कि देश के एक हिंदूवादी संगठन के नेता का यह बयान जब वतन की सीमा पार कर अंतरराष्ट्रीय मीडिया में जगह बनाएगा कि चांद को हिंदू राष्ट्र घोषित कर देना चाहिए, तब भारत किस मुंह से इस पर सफाई देगा। सच तो यह है ऐसे बयान देने वालों पर कार्रवाई न करने की स्थिति में भारत की धर्मनिरपेक्ष देश से, बीते 9 सालों में हिंदुत्व को बढ़ावा देने वाले देश की छवि और मजबूत होगी। क्या इससे खालिस वैज्ञानिक सोच और वैज्ञानिक खोज के लिए बनी 'नासा, ''ईएसए' जैसी अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक संस्थाओं के सामने हमारा मजाक नहीं बनेगा?

> **पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की यह बात जरूर ध्यान में रखनी चाहिए कि मनुष्य चांद पर तो पहुंच गया, लेकिन धरती पर उसे कैसे जिंदा रहना है, यह नहीं सीख पाया। हम पक्षी की तरह आकाश में उड़ सकते हैं, हम मछली की तरह सागर में तैर सकते हैं, मगर हम इंसान की तरह धरती पर नहीं चल सकते। उम्मीद है कि अब हम धरती को भी ग्लोबल वार्मिंग, युद्ध, नफरत से बचाने और इंसानों के रहने लायक बनाने के मिशन में कामयाबी की तरफ बढ़ेंगे।**

अब जरा, शिवशक्ति के पीछे की राजनीति समझने की कोशिश करते हैं। अगर केंद्र सरकार का इरादा वास्तव में अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक मिशन को बढ़ावा देने का होता तो वह 'इसरो' जैसी संस्थाओं का बजट बढ़ाता, लेकिन हकीकत तो यह है कि इसी साल के बजट में सरकार ने 'इसरो' का बजट 1100 करोड़ रुपए कम कर दिया है। यानी दो चंद्रयान मिशन के बराबर की राशि। आरोप तो ये भी लग रहे हैं कि चंद्रयान-3 मिशन के लिए 'लॉन्च पैड' बनाने वाली कंपनी के कर्मचारियों को 17 महीने से वेतन नहीं मिला है।

परोक्ष या प्रत्यक्ष तौर पर इससे भी चंद्रयान मिशन जैसे अभियानों से जुड़े 'इसरो' सरीखे संगठनों के आत्मविश्वास को बढ़ावा तो नहीं ही मिलता। अब जरा विदेश यात्रा से लौटकर सीधे 'इसरो' जाने और वहां वैज्ञानिकों से मिलकर प्रधानमंत्री ने जिन तीन बड़ी घोषणाओं का ऐलान किया, उन्हें देखते हैं। पहली, 23 अगस्त को हर साल भारत 'नेशनल स्पेस डे' मनाएगा। दूसरी- चांद पर लैंडर जिस जगह उतरा, वह जगह 'शिवशक्ति पॉइंट' कहलाएगी। तीसरी- चांद पर जिस जगह चंद्रयान-2 के पदचिन्ह हैं, उस पॉइंट का नाम 'तिरंगा' होगा।

इन घोषणाओं के राजनीतिक फायदे तो समझ आते हैं, पर वैज्ञानिक फायदे जानने के लिए रिसर्च की जरूरत पड़ सकती है। अगर पीएम 'इसरो' के लिए 2-4 हजार करोड़ के विशेष बजट का ऐलान कर देते, इस पूरे मिशन से जुड़े वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, स्टॉफ के लिए एक या दो महीने के वेतन के बराबर बोनस की घोषणा करते या अगले ऐसे ही मिशन के बजट में 10-15 फीसदी बढ़ोतरी की ही घोषणा कर देते तो बेहतर हो सकता था। बहरहाल, एक बात तो तय है कि भले ही सरकार ने 'इसरो' के बजट को 13,700 करोड रुपयों से घटाकर 12,543 करोड़ रुपए कर दिया हो, वह चंद्रयान मिशन-3 को 2024 के अपने राजनीतिक मिशन की कामयाबी के लिए भुनाने में किसी तरह की कोर-कसर नहीं रहने देगी। चंद्रयान-3 की सफलता पर जिस तरह बधाईयों की विज्ञापनबाजी हो रही है, उससे इसे समझा भी जा सकता है।

अब, एक बार जरा यह भी सोचकर देखें कि 'शिवशक्ति' के नामकरण का 'इसरो' के ऐसे किसी वैज्ञानिक शोध या मिशन पर क्या असर पड़ेगा? यह सोचें कि क्या इस नामकरण के बाद भी 'इसरो' से जुड़ा हर वैज्ञानिक, चाहे वह किसी भी धर्म का हो, पूरे जोश, जुनून के साथ अपने काम में जुटा रहेगा? जुटना ही चाहिए, देश को आगे ले जाने का मिशन है, पर मानव मन का क्या। क्या गैर-हिंदू वैज्ञानिकों में इस हिंदू नामकरण से कहीं-न-कहीं छोटी सी भावना आहत नहीं हुई होगी? हमें भरोसा है कि हमारे वैज्ञानिक देश की राजनीति में चल रही अवैज्ञानिक और स्वार्थी सोच से प्रभावित नहीं होंगे और देश को वैज्ञानिक सोच वाली नई राह पर ले जाने के प्रयासों में सफल होंगे। 'इसरो' चीफ एस सोमनाथ का बयान भी है कि मैं एक खोजकर्ता हूं, चंद्रमा का अन्वेषण करता हूं। विज्ञान और आध्यात्मिकता दोनों की खोज करना मेरे जीवन की यात्रा का एक हिस्सा है।

प्रधानमंत्री ने भी कहा है कि हमारे प्राचीन ग्रंथों में, वेदों में, पुराणों में, स्पेस साइंस का अपार भंडार है। उसे आज के ज़माने से जोड़ने और ज्ञान के इस भंडार का उपयोग करने की ज़रूरत है। उन्होंने नौजवानों को विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में काम करने की प्रेरणा देते हुए बताया कि देश को महाशक्ति बनाने में विज्ञान बड़ी भूमिका अदा कर सकता है। यह उम्मीद की जानी चाहिए देश चांद पर चंद्रयान-3 जैसे मिशन और चांद को हिंदू राष्ट्र बनाने की घोषणा सरीखे दो परस्पर विपरीत विचारधारा वाले दोराहे पर खड़े होने के बावजूद अपने लिए वैज्ञानिक सोच और बेहतर भविष्य के लिए सही राह चुन पाएगा।

इस मौके पर देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की यह बात जरूर ध्यान में रखनी चाहिए कि मनुष्य चांद पर तो पहुंच गया, लेकिन धरती पर उसे कैसे जिंदा रहना है, यह नहीं सीख पाया। हम पक्षी की तरह आकाश में उड़ सकते हैं, हम मछली की तरह सागर में तैर सकते हैं, मगर हम इंसान की तरह धरती पर नहीं चल सकते। उम्मीद है कि अब हम धरती को भी ग्लोबल वार्मिंग, युद्ध, नफरत से बचाने और इंसानों के रहने लायक बनाने के मिशन में कामयाबी की तरफ बढ़ेंगे। ऐसा न हुआ तो सूर्य व शुक्र को लक्ष्य कर शुरू किए गए मिशन भले सफल हो जाएं, पर शायद हम न धरती बचा पाएंगे, न उसके इंसानों को।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

देशबन्धु
संस्कारधानी
5 बिलासपुर

शनिवार 2 सितंबर 2023

उल्टा पुल्टा

दांत का डॉक्टर- आपका दांत निकालना पड़ेगा क्योंकि ये सड़ चुका है।
राजू- हां तो कितने पैसे लगेंगे ?
दांत का डॉक्टर- बस 500 रुपये लगेंगे.
राजू- 50 रुपये ले लो और थोड़ा सा ढीला कर दो, निकाल तो मैं खुद लूंगा।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने व संशोधन 11 तक

बिलासपुर,1 सितंबर (देशबन्धु) । भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य की तिथि में वृद्धि करते हुए इसे 11 सितम्बर तक कर दिया गया है। 2 एवं 3 सितम्बर को अवकाश के दिनों में भी मतदान केन्द्रों पर विशेष शिविर लगाये जायेंगे। शिविर में बीएलओ के माध्यम से नागरिक मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, नाम, पता, स्थान की गलत प्रविष्टि होने पर सुधार के लिए आवेदन कर सकते हैं। साथ ही मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं का नाम हटवाया जा सकता है। नवीन फोटोयुक्त मतदाता परिचय पत्र प्राप्त करने, आधार नंबर को मतदाता परिचय पत्र के साथ जोड़ने और दिव्यांग मतदाता के रूप में स्वयं को चिन्हित करवाने के लिए आवदेन किये जा सकते है।

चुनौतियों के बीच अवसर तलाशने से सफलता- राष्ट्रपति

मानव सेवा ही माधव सेवा- राज्यपाल

अकादमिक उत्कृष्टता के साथ सामाजिक सरोकार पर जोर- कुलपति

बिलासपुर,1 सितंबर (देशबन्धु) । गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दशम दीक्षांत समारोह आज पूर्वाह्न 11 बजे से विश्वविद्यालय के रजत जयंती सभागार में पूर्ण गरिमा एवं हर्षोल्लास से मनाया गया। समारोह की मुख्य अतिथि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु रहीं। कार्यक्रम के अति विशिष्ट अतिथि छतीसगढ़ के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन, विशिष्ट अतिथि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, केन्द्रीय राज्य मंत्री श्रीमती रेणुका सिंह एवं उमेश पटेल उच्च शिक्षा मंत्री छत्तीसगढ़ रहे। समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल ने की। मुख्य अतिथि सहित अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ काफिला आयोजन स्थल पर निर्धारित समय पर पहुंचा तथा राष्ट्रपति जी की अगवानी समस्त अतिथियों के साथ कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल ने की।

मुख्य अतिथि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के आगमन पर सर्वप्रथम आयोजन स्थल पर पहले कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद सदस्यों के साथ, तदुपरांत विद्यार्थियों के साथ अतिथियों द्वारा ग्रुप फोटोग्राफ खिंचवाया गया। इसके लिए विश्वविद्यालय में दोनों समूह के बैठने की व्यवस्था रजत जयंती सभागार के बाहर की गई थी। दसवें दीक्षांत समारोह की शोभायात्रा हॉल क्रमांक 1 से मंच की ओर प्रस्थान की जिसमें क्रमानुसार सर्वप्रथम कुलसचिव, विद्यापरिषद के सदस्य, कार्य परिषद के सदस्य, विभिन्न विद्यापीठों के अधिष्ठातागण एवं अतिथिगण, कुलपति के बाद कुलाध्यक्ष राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु रहीं। कार्यक्रम का प्रारंभ पुलिस बैण्ड द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रगान के साथ हुआ। तदुपरांत मंचस्थ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन तथा मां सरस्वती एवं बाबा गुरु घासीदास जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के तरंग बैंड ने सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी।

कुलपति ने समस्त मंचस्थ अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया व स्मृति चिह्न भेंट किया। दीक्षांत समारोह की मुख्य अतिथि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने अपना उद्बोधन छत्तीसगढ़ी अभिवादन जय जोहार से किया। अपने दीक्षांत उद्बोधन में कहा कि मैं गुरू घासीदास विश्वविालय के दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होकर अत्यंत आह्लादित हूँ एवं अकादमिक उत्कृष्टता प्राप्त कर अपनी उपाधियाँ ग्रहण कर रहे समस्त विद्यार्थियों एवं युवा विचारों को साकार रूप देने वाले अध्यापकों के प्रति अपनी ओर से बधाइयाँ प्रेषित करती हूँ। आप सभी के प्रति मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ। राष्ट्रपति ने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि आज यहां स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाली छात्राओं की संख्या 45 है जो कुल संख्या का 60 फीसदी है। इस सफलता में उनकी प्रतिभा, लगन के साथ अभिभावकों तथा विश्वविद्यालय का विशेष योगदान है। साथ ही विश्वविद्यालय के कुल विद्यार्थियों में छात्राओं की संख्या 43 फीसदी होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शिक्षा से महिला सशक्तिकरण पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय में समाज सेवा के जो कार्य चलाये जा रहे हैं उसके अच्छे परिणाम सामने आएंगे।

राष्ट्रपति ने चंद्रयान 3 के संदर्भ में जिक्र करते हुए विज्ञान के क्षेत्र में भारत के द्वारा अपनाई गई हाई साइंस लो कॉस्ट नीति की सराहना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय त्वरक आधारित शोध केंद्र अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी भूमिका स्थापित करेगा। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में आगे बढ़ने का मूलमंत्र है निरंतर परिश्रम एवं लगन। चुनौतियों के बीच अवसर तलाशना सफलता प्राप्त करने का प्रभावी तरीका है। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वभूषण हरिचंदन, राज्यपाल छत्तीसगढ़ ने कहा कि मानव सेवा ही माधव सेवा है। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान को याद दिलाते हुए कहा कि इस अमृतकाल में अपने राष्ट्र के प्रति समर्पित हों तथा अपने समाज की सेवा करें। विगत वर्षों में इस विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है, जिसके लिए मैं सभी प्राध्यापकों, कर्मचारियों और छात्रों को बधाई देता हूं।

विश्वविद्यालय में अकादमिक व शोध के परिमाण व परिमाप लगातार बढ़ रहे-कुलपति

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल ने विश्वविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

उन्होंने कहा कि कि विश्वविद्यालय में अकादमिक व शोध के परिमाण व परिमाप लगातार बढ़ रहे हैं। यहां के विद्यार्थियों का भविष्य उज्वल है। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और छत्तीसगढ़ के अन्य युवा विद्यार्थियों/युवाओं की बहुमुखी प्रतिभा एवं आत्मनिर्भर भारत की भावना के अनुरूप विश्वविद्यालय ने एक अन्यंत महत्वपूर्ण और अभिनव कार्यक्रम की परिकल्पना को साकार करते हुए स्वावलंबी छत्तीसगढ़ नाम से एक वृहद कार्ययोजना को मूर्तरूप देते हुए प्रारंभ किया है जो सम्पूर्ण राष्ट्र में चर्चा ओर विमर्श का विषय बन गया है। उक्त कार्ययोजना में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में अन्तर्निहित रोजगारपरक शिक्षा, कौशल विकास, स्वावलंबन व आत्मनिर्भरता इत्यादि पर विशेष बल दिया गया है। कुलपति प्रो. चक्रवाल ने बताया कि विश्वविद्यालय ने संभवत: पूरे देश में पहली बार राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से जरूरतमंद छात्र/छात्राओं के लिए और सुरूचिपूर्ण भोजन स्वाभिमान थाली की व्यवस्था स्थापित कर संचालित की जा रही है। इस अवसर पर गुरु घासीदास विश्वविद्यालय श्रवण लाइन योजना (जीएसएल) का प्रारंभ किया गया जो समाज के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसका लक्ष्य समाज के सभी वर्गों के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का है।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप मुख्य अतिथि सहित अन्य मंचस्थ अतिथियों के विदाई उपरांत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल, बिलासपुर लोकसभा के सांसद अरूण साव, निदेशक आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ प्रो. पी.के. बाजपेयी तथा नैक समन्वयक प्रो. ए.एस. रणदिवे एवं कुलसचिव प्रो. मनीष श्रीवास्तव ने शेष उपाधि एवं स्वर्ण पदक प्रदान किये। दशम दीक्षांत समारोह में सत्र 2021-22 के पीएचडी डिग्रीधारी, स्नातक-स्नातकोत्तर तथा डिप्लोमा डिग्री धारकों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। समारोह में सत्र 2021-22 की विभिन्न परीक्षाओं (स्नातक, स्नातकोत्तर, पत्रोपाधि आदि) में उत्तीर्ण 2897 छात्र-छात्राओं को उपाधि दिये जाने की घोषणा की गई। वहीं प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले 72 विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय स्वर्ण मंडित पदक, 10 दानदाता पदक, 01 गुरु घासीदास पदक व 01 कुलाधिपति पदक सहित 84 पदक प्रदान किये गये। 28 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान किये गये।

एलईडी स्क्रीन पर लाइव प्रसारण

मंच के पिछले हिस्से में विशाल एलईडी स्क्रीन स्थापित की गई थी जिस पर संपूर्ण समारोह लाइव प्रसारित होगा साथ ही पदक एवं उपाधि धारकों के नाम, विषय, तस्वीर तथा प्राप्त होने वाले पदक अथवा उपाधि की पूर्ण जानकारी उनके मंच पर पहुंचने पर प्रसारित किये गये।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. गरिमा तिवारी ने एवं धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. मनीष श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रगान के उपरांत दीक्षांत समारोह शोभा यात्रा आयोजन स्थल से हॉल क्रमांक 1 पर वापस हुई।केन्द्रीय विश्वविद्यालय के दसवें दीक्षांत समारोह में विभिन्न गणमान्य जनप्रतिनिधि, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, बिलासपुर शहर के गणमान्य नागरिक, अभिभावकगण, विश्वविद्यालय की विभिन्न विद्यापीठों के अधिष्ठातागण, विभागाध्यक्षगण, शिक्षकगण, अधिकारीगण, कर्माचारीगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रतनपुर में आदिशक्ति माँ महामाया देवी के किये दर्शन

विधिवत पूजा-अर्चना कर देशवासियों की सुख-समृध्दि और प्रगति की कामना की

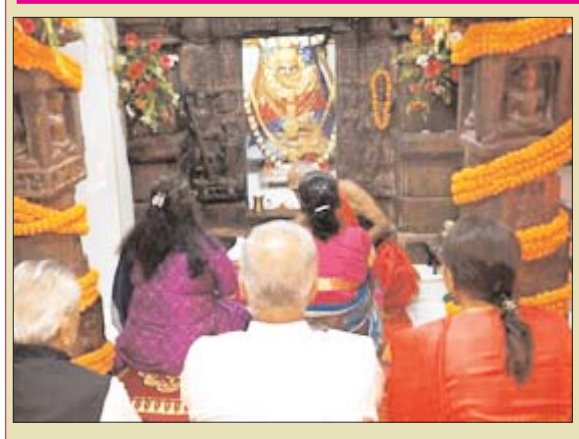

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु आज ऐतिहासिक एवं धार्मिक नगरी रतनपुर स्थित आदिशक्ति माँ महामाया देवी मंदिर पहुँची। यहाँ उन्होंने विधिवत पूजा- अर्चना कर देशवासियों की सुख-समृद्धि और प्रगति की कामना की। पहली बार रतनपुर स्थित महामाया देवी के मंदिर में राष्ट्रपति प्रवास हुआ है। इस अवसर पर माँ महामाया देवी का राजसी श्रृंगार किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं केंद्रीय जनजाति विकास राज्यमंत्री रेणुका सिंह भी मौजूद रहीं। उल्लेखनीय है कि ऐतिहासिक एवं धार्मिक नगरी रतनपुर का गौरवशाली इतिहास रहा है। कलचुरी वंश के शासक रत्नदेव प्रथम ने रतनपुर को अपनी राजधानी बनाया और यहाँ आदिशक्ति माँ महामाया देवी मंदिर का निर्माण कराया। यह मंदिर 11वीं शताब्दी में बनवाया गया था। माँ महामाया रतनपुर शाखा के कलचुरी वंश के राजाओं की कुलदेवी थी। यहाँ पर दोनों नवरात्रियों में भव्य मेले का आयोजन होता है, जहां प्रदेश के हर जिले से लोग आते हैं और माँ महामाया के दर्शन कर उनके समक्ष मनोकामनाएं रखते हैं।

बिलासपुर हमेशा से ज्ञान का प्रकाश स्तंभ रहा-मुख्यमंत्री

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित भूपेश बघेल मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ ने कहा कि गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर हमेशा से ज्ञान का प्रकाश स्तंभ रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य अपने आप में विशेषताओं से भरा है तथा यह असीम अवसरों की भूमि है। शिक्षा और नवाचार ही छत्तीसगढ़ को नई ऊंचाइयों पर स्थापित करेगा।

बिलासपुर पहुंचने पर राष्ट्रपति का आत्मीय स्वागत

राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु शुक्रवार की सुबह अपने एक दिवसीय प्रवास पर न्यायधानी बिलासपुर पहुंची। पंडित सुन्दर लाल शर्मा ओपन यूनिवर्सिटी हेलीपेड पर राष्ट्रपति का स्वागत छत्तीसगढ़ के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन एवं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, केंद्रीय जनजाति विकास राज्यमंत्री श्रीमती रेणुका सिंह ने किया। छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल, नगर निगम के महापौर रामशरण यादव, कलेक्टर संजीव कुमार झा, पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह ने भी राष्ट्रपति का आत्मीय स्वागत किया।

कोनी आईटीआई की बदहाली को लेकर उच्च शिक्षा मंत्री को एनएसयूआई ने सौंपा ज्ञापन

बिलासपुर,1 सितंबर (देशबन्धु) । एनएसयूआई प्रदेश महासचिव अर्पित केशरवानी ने कोनी आईटीआई में लगातार प्रबंधन द्वारा शासकीय फंड का दुरूपयोग कर यहां पर अवयवस्था फैला रहे है । जिस वजह से छात्रों को खामियाजा उठाना पड़ रहा है इस विषय को लेकर आज एनएसयूआई प्रदेश महासचिव अर्पित केशरवानी ने शुक्रवार को बिलासपुर छत्तीसगढ़ भवन में उच्च शिक्षा,विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री उमेश पटेल को अवगत कराकर कोनी आईटीआई में जांच करवाकर ठोस कार्रवाई की मांग की है। जिस पर उच्च शिक्षा मंत्री ने आश्वाशन देते हुए जल्द कार्रवाई करने बात कही।

अर्पित ने बताया कि यहां पर अधिकांश प्रशिक्षक महीने भर की हाजरी लगाकर जाते है। जिसकी जानकारी प्राचार्य को भी है मगर उनके द्वारा किसी तरह की कार्रवाई भी नहीं

की जाती। इसी तरह यहां पर नियुक्त कु. संतोषी कौशिक , पिछले 10 सालों से प्रशिक्षण अधिकारी के पद पर कार्यरत है। इनकी भर्ती प्रक्रिया में विभाग द्वारा आज भी कोर्ट- केस लगा हुआ ही कौशिक मैडम संस्था में कॉगनेट (हिन्दी भाषा) की ट्रेनर है, लेकिन किसी प्रशिक्षणार्थीको आज-तक कॉंगनेट नहीं पढ़ाया। वे नियमित कक्षा भी नहीं आती। व्यवसाय स्टेनो मे उन्हें स्टेशनरी सामान वितरण का कार्य दिया गया है, उसे भी वो सही तरीके से वितररित नहीं करती है, समय-समय पर प्रशिक्षणार्थियों द्वारा उनकी शिकायत भी विभिन्न माध्यमों से की गई है लेकिन प्राचार्य द्वारा इसका कोई समाधान नहीं किया गया है प्रशिक्षणार्थियों का प्रतिशत घटता जा रहा है।

प्रशिक्षणार्थियों ने मैडम से पढ़ाने के लिए निवेदन भी किया पर उनकी नहीं सुनी गई, प्राचार्य से जाकर भी निवेदन किया गया लेकिन प्राचार्य ने मैडम की तरफदारी करते हुए बात टाल दी।

वीरांगना इकाई ने मनाया सावन मिलन उत्सव

बिलासपुर , 1 सितम्बर (देशबन्धु)। वीरांगना ईकाई बिलासपुर का सावन मिलन का कार्यक्रम होटल हेवेन्स पार्क में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विभिन्न संस्थानों से नारी शक्तियाँ - जागृति महिला संगठन,सैनिक संगठन सिपाही,लायनेस क्लब,श्रुति फाउंडेशन आदि इस कार्यक्रम में शामिल हुई। शाखा संरक्षिका डॉ रंजना चतुर्वेदी और छत्तीसगढ़ महिला

प्रमुख निवेदिता शोम तथा छत्तीसगढ़ बेसबॉल संघ की महासचिव मिताली घोष कार्यक्रम के अतिथि थे। वीरांगना अनीता मित्रा वीरांगना क्वीन चुनी गयीं। कार्यक्रम में इसरो की वीरांगनाओं को भारत विकास परिषद की वीरांगना द्वारा सेल्यूट किया गया और उनके सम्मान में श्रेया शोम द्वारा बनाये गये चंद्रयान-3 केक काटा गया। वीरांगना बहनों के द्वारा बनाई गयी राखी को बॉर्डर पर जाकर जमा कर आये मेजर राणा का धन्यवाद पुष्पगुच्छ से किया। सचिव वर्षा शुक्ला ने संस्था के उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। अध्यक्ष रीता मौर्य ने वर्ष भर संचालित किए जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। तथा कोषाध्यक्ष वेद ने पिछले वर्ष के आय व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। इस अवसर पर गत वर्ष के सभी सदस्यों को उनके बेहतरीन कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

गढ़कलेवा में लगी भीषण आग सामान जलकर हुये खाक

बिलासपुर, 1 सितंबर (देशबन्धु)। भक्त कंवरराम द्वार स्थित गढ़कलेवा मे शुक्रवार दोपहर अचानक आग लग गयी। जिससे हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही फायर बिग्रेड की टीम ने मौके पर जाकर आग पर काबू पाया। आग लगने से अंदर में रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया। राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक जिले में छत्तीसगढ़ी पारंपरिक व्यंजन के लिए गढ़ कलेवा खोला गया है। शुक्रवार दोपहर व्यंजन बनाने के दौरान किचन से अचानक धुँवा उठने लगा। और देखते ही देखते आज चारों ओर फैल गया। अग्निशमन की तीन दमकल गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। गढ़कलेवा में घरेलू सिलेंडर का हो रहा उपयोग गढ़ कलेवा के संचालन की जिसे जिम्मेदारी मिली है। वह कमर्शियल सिलेंडर का उपयोग कर घरेलू सिलेंडर का उपयोग कर रहा है. आगजनी के बाद जब दमकल कर्मियों ने गढ़ कलेवा के किचन से सिलेंडर बाहर निकाला तो वह घरेलू सिलेंडर निकला।

एसमा लागू होने के बाद काम में नहीं लौटने वाले स्वास्थ्य कर्मियों पर होगी एफआईआर

जिला प्रशासन हुआ सख्त, हड़तालरत् 337 कर्मियों पर की जा रही दण्डात्मक कार्यवाही

कोरबा, 01 सितंबर (देशबन्धु)। कलेक्टर सौरभ कुमार द्वारा छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य फेडरेशन एवं छत्तीसगढ़ इन सर्विस डॉक्टर एसोसिएशन संघ द्वारा विगत 21 अगस्त 2023 से अनिश्चितकालीन हड़ताल में गए समस्त अधिकारियों कर्मचारियों को एस्मा एक्ट के अंतर्गत तत्काल हड़ताल समाप्त कर अपनी सेवाएं देने के लिए पूर्व में नोटिस जारी किया गया है। स्वास्थ्य कर्मचारी सीधे तौर पर आम जनता के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं एवं उनके कार्य क्षेत्र में अनुपस्थिति के कारण कई प्रकार की स्वास्थ्यगत समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उपरोक्त हड़ताल में स्वास्थ्य विभाग के कुल 337 अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं, जिनमें चिकित्सा अधिकारी, नर्सिंग संवर्ग, पर्यवेक्षक, स्वास्थ्य संयोजक, स्टाफ नर्स, लैब टेक्नीशियन, पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ता, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता इत्यादि लोग सम्मिलित हैं।

कलेक्टर श्री सौरभ कुमार ने सीएमएचओ डॉ. एसएन केसरी को एस्मा एक्ट लगने के बाद भी कार्य पर उपस्थित नहीं होने वाले स्वास्थ्य कर्मचारियों पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। एस्मा एक्ट के तहत जारी नोटिस के बाद भी स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा अपने ड्यूटी पर उपस्थिति नहीं दी गई है। उनके खिलाफ दण्डात्मक कार्यवाही की जा रही है। कलेक्टर के निर्देश के परिपालन में सीएमएचओ एवं सभी बीएमओ द्वारा अपने विकासखण्ड के हड़तालरत कर्मचारियों के खिलाफ संबंधित थाने में एस्मा एक्ट 7 (1) के तहत एफआईआर दर्ज कराया जा रहा है एवं उन्हें सेवा समाप्ति हेतु नोटिस भी दी जा रही है।

समय पर काम करें अधिकारी, नहीं तो होगी कार्रवाई- कलेक्टर

राजस्व अधिकारियों को लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण के निर्देश

कोरबा, 01 सितंबर (देशबन्धु)। अविवादित नामांतरण और सीमांकन के प्रकरणों का हल समय-सीमा में ही किया जाए। इनके निराकारण के लिए निश्चित समय सीमा निर्धारित है और इसी के आधार पर कार्य किए जाए। इससे अधिक समय यदि लगता है तो सम्बंधित अधिकारी पर कार्रवाई की जा सकती है। राजस्व प्रकरणों के निराकरण करने के लिए राजस्व न्यायालयों में नियमित तौर पर सुनवाई होनी चाहिए। इसी प्रकार बंटवारा के प्रकरणों का हल भी टाइम लिमिट में हो, सभी राजस्व अधिकारी इस बात का विशेष ध्यान रखें।

कोई भी अविवादित नामांतरण प्रकरण न रहे लंबित

उपरोक्त निर्देश कलेक्टर सौरभ कुमार ने शुक्रवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में राजस्व अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि शासन की फ्लेगशिप योजनाओं को प्राथमिकता देते हुए उनके सफल क्रियान्वयन के लिए हर संभव प्रयास करें। कलेक्टर ने नगरीय क्षेत्र में राजीव गांधी आश्रय योजना के तहत पट्टा वितरण, एसईसीएल से प्राप्त भूमि पर पट्टा वितरण की प्रगति, वन अधिकार पट्टा वितरण एवं राजीव गांधी भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने इन योजनाओं के लिए प्राप्त आवेदनों पर संबंधित अधिकारियों को समन्वय बनाकर त्वरित कार्यवाही करने को कहा जिससे सभी पात्र हितग्राही लाभान्वित हो सकें। उन्होंने शहरी क्षेत्र में राजीव गांधी आश्रय योजना के तहत पट्टा वितरण हेतु राज्य शासन से प्राप्त नए दिशा निर्देशों के अनुसार एकरूपता से कार्य करने के निर्देश सभी अधिकारियों को दिए। इसी प्रकार राजीव गांधी भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के भी पात्र लोगों को गंभीरता से लाभान्वित करने के लिए कहा। इस हेतु शहरी क्षेत्रों में जल्द से जल्द सर्वे कार्य पूर्ण कराकर पात्र लाभार्थियों की सूची तैयार करने की बात कही। उन्होंने वन अधिकार पत्र के लंबित एवं निरस्त प्रकरणों की पुनः समीक्षा करते हुए पात्र पट्टों का ग्राम सभा से अनुमोदन करा कर जिला स्तर पर अनुमोदन हेतु भेजने के लिए निर्देशित किया।

विभिन्न राजस्व मामलों की विस्तृत समीक्षा में समय सीमा से बाहर विवादित-अविवादित नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन के प्रकरणों की जानकारी लेते हुए लंबित मामलों के निराकरण के लिए गंभीरता से कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि कोई भी अविवादित नामांतरण प्रकरण लंबित न रहे। सभी राजस्व अधिकारी इस बात का विशेष ध्यान रखें। कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में विभिन्न राजस्व मामलों का समय-सीमा में निराकरण करने का विशेष प्रयास करें और कार्यों में प्रगति लाएं। उन्होंने इस हेतु सभी राजस्व अधिकारियों को निर्धारित दिन राजस्व न्यायालयों में उपस्थित रहकर प्रकरणों की सुनवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में ई-कोर्ट में दर्ज प्रकरण, अभिलेख शुद्धता, डिजिटल हस्ताक्षरकृत खसरों की जानकारी, भू-नक्शा अद्यतीकरण सहित अन्य मामलों के प्रगति की समीक्षा की गई एवं लंबित प्रकरणों के जल्द निराकृत करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री प्रदीप साहू, दिनेश कुमार नाग, संयुक्त कलेक्टर सहित समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जिले में प्रशासनिक अधिकारियों के मध्य कार्य विभाजन

कोरबा, 01 सितंबर (देशबन्धु)। कलेक्टर सौरभ कुमार ने प्रशासनिक दृष्टिकोण से कार्य विभाजन में आंशिक संशोधन करते हुए जिले के प्रशासनिक अधिकारियों को अस्थाई रूप से विभिन्न दायित्व सौंपे हैं। कलेक्टर द्वारा जारी आदेशानुसार अपर कलेक्टर कोरबा (राज्य प्रशासनिक सेवा) प्रदीप कुमार साहू को कोरबा अनुविभाग अंतर्गत आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955, विविध शिकायत प्रकरण, छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा-114, 115 के तहत प्रचलन की अनुमति सहित कलेक्टर द्वारा सौंपे गए अन्य कार्यों का दायित्व सौंपा गया है। इसी प्रकार अपर कलेक्टर कटघोरा (राज्य प्रशासनिक सेवा) दिनेश नाग को कटघोरा अनुविभाग के अंतर्गत विविध शिकायत प्रकरण, भूमि आबंटन एवं व्यवस्थापन, छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा-114, 115 के तहत प्रचलन की अनुमति सहित कलेक्टर द्वारा सौंपे गए अन्य कार्यों का दायित्व सौंपा गया है। अपर कलेक्टर कोरबा (राज्य प्रशासनिक सेवा) शिव बनर्जी को अनुविभाग पाली तथा पोड़ीउपरोड़ा अंतर्गत विविध शिकायत प्रकरण, छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा-114, 115 के तहत प्रचलन की अनुमति सहित कलेक्टर द्वारा सौंपे गए अन्य कार्यों का दायित्व सौंपा गया है।

कलेक्टर ने 98वें फाउंडेशन कोर्स के 14 प्रशिक्षु अधिकारियों से की मुलाकात

कोरबा, 01 सितंबर (देशबन्धु)। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी मसूरी के 98वें फाउंडेशन कोर्स के 2023 बैच के 14 प्रशिक्षु अधिकारियों से कलेक्टर सौरभ कुमार ने शुक्रवार को जिला कार्यालय सभाकक्ष में मुलाकात की। कलेक्टर ने उन्हें जिले के इतिहास, उद्योग, सांस्कृतिक एवं पर्यटन स्थलों के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए विकास कार्यों की गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों को जिले में निर्मित कोसा शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों ने प्रशंसा व्यक्त करते हुए कलेक्टर से जिले के प्रवास के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि कोरबा जिले के पर्यटन स्थल, प्राकृतिक धरोहर, यहां की संस्कृति, सभ्यता के बारे में जानने का उन्हें मौका मिला है। यहां आकर उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला, इसके लिए उन्होंने कलेक्टर सौरभ कुमार को धन्यवाद दिया।

गौरतलब है कि लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी मसूरी के 98वें फाउंडेशन कोर्स के 14 प्रशिक्षु अधिकारियों की टीम जिले के 5 दिवसीय प्रवास पर थे। ये सभी 2023 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा, भारतीय राजस्व सेवा, भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा, भारतीय रक्षा खाता सेवा एवं भारतीय रेलवे प्रबंधन सेवा के प्रशिक्षु अधिकारी हैं। इन प्रशिक्षु अधिकारियों में अमित कुमार यादव, आदित्य कुमार सिंह, डॉ आदित्य शर्मा, शिवम यादव, अंजली भारद्वाज, अर्शिया छवि ठाकुर, शुभम मिश्रा, स्वर्णम भारद्वाज, आकांक्षा आनंद, मौर्या तेज, दीक्षिता जोशी, शुभम यादव, निखिल राय, मनेल बिजोत्रा शामिल है। सभी प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा जिले के अजगरबहार एवं लालपुर गाँव का भ्रमण कर ट्राइबल के रीति रिवाज, कला, संस्कृति का बारीकी से अध्ययन किया गया साथ ही इन गांवों में स्वास्थ्य, पंचायत, कृषि, महिला-बाल विकास परियोजना सहित अन्य योजनाओं की जमीनी स्थिति का अवलोकन भी किया गया। इस अवसर पर वनमण्डलाधिकारी कोरबा अरविंद पीएम उपस्थित थे।

एकलव्य में कक्षा 6वीं में प्रवेश 6 तक

कोरबा, 01 सितंबर (देशबन्धु)। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय अंतर्गत कक्षा 6वीं में मेरिट सूची के आधार पर प्रवेश प्रक्रिया 6 सितम्बर तक दी जा रही है। एलडब्ल्यूई जिलों में विद्यार्थियों के प्रवेश परीक्षा में पर्याप्त प्रतिनिधित्व न होने से भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा जिला स्तर पर मेरिट सूची तैयार कर प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ करने की अनुमति प्रदान की गई है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग ने बताया कि भारत सरकार के नवीन दिशा-निर्देश अनुसार जिला स्तरीय मेरिट सूची तैयार करने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। जिलों में प्रवेश प्रक्रिया हेतु मेरिट सूची के आधार पर विद्यालयों में विगत 28 अगस्त से 06 सितम्बर 2023 तक प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों का प्रवेश सूचना नियमावली वर्ष 2023-24 में वांछित अभिलेख के साथ विद्यालय में उपस्थित होना अनिवार्य है। वांछित अभिलेखों के अभाव में प्रवेश प्रदान नहीं किया जाएगा।

स्वामी आत्मानंद स्कूल में गुरु वंदन, छात्र अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित

कोरबा, 01 सितंबर (देशबन्धु)। भारत विकास परिषद् द्वारा पंप हाउस स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गुरु वंदन, छात्र अभिनंदन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। अतिथियों ने मां सरस्वती की मूर्ति पर पुष्प चढ़ाकर दीप प्रज्जवलित किया। प्राचार्य विवेक लांडे ने अतिथियों का स्वागत किया। शाखा अध्यक्ष महेश गुप्ता ने परिवारों के विघटन पर समाज के दोषों पर अपने विचार रखे।

मुख्य वक्ता धर्मेंद्र कुमार कुदेसिया ने भारत विकास परिषद के मुख्य स्तंभ संस्कार पर उद्बोधन दिया। उन्होंने बच्चों को माता-पिता, गुरुजनों के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेने हेतु प्रेरित किया। गुरुजनों के प्रति समर्पण का उदाहरण देते हुए आरुषि और एकलव्य का उदाहरण दिया। बच्चों को यातायात के साधारण नियमों की जानकारी देते हुए उसे पालन करने कहा गया। मुख्य कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों ने गुरुजनों के चरण स्पर्श कर आरती कर श्रीफल भेंट किया। गुरुजनों ने बच्चों को आशीर्वाद प्रदान किया। अंत में शाला समिति के अध्यक्ष श्री मूर्ति ने भारत विकास परिषद को आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया और भविष्य में भी इसी प्रकार के कार्यक्रम करने की आवश्यकता पर जोर दिया। मंच संचालन श्रीमती निशा चंदा किया। छात्रों ने संस्कृति भाषा में गायन और नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में शिक्षकों सहित भारत विकास परिषद बालकोनगर के अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कोषाध्यक्ष मुकेश कसेर, वरिष्ठ सदस्य पीएल सोनी, शक्ति स्वरूपा शाखा की अध्यक्ष श्रीमती मधु पांडे और वरिष्ठ सदस्य श्रीमती रश्मि शर्मा सहित भारत विकास परिषद छत्तीसगढ़ प्रांतीय समिति से सतीश जालान और कोरबा शाखा से मोहन लाल अग्रवाल कोषाध्यक्ष, अशोक गोयल, नरेंद्र अग्रवाल, विष्णु शंकर मिश्रा आदि सदस्यों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

भोजली कार्यक्रम में शामिल हुए लखनलाल

कोरबा, 01 सितंबर (देशबन्धु)। पोड़ीबहार में आयोजित भोजली कार्यक्रम में भाजपा प्रत्याशी लखनलाल देवांगन पहुंचे। आयोजन समिति के सदस्यों ने श्री देवांगन का स्वागत किया। उन्होंने भोजली माता की पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों के सुख-समृद्धि की मंगल कामना की।

इस अवसर पर श्री देवांगन ने कहा कि भोजली कार्यक्रम से हमें प्रकृति के और निकट आने का अवसर मिलता है। छत्तीसगढ़ में भोजली तिहार हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। निश्चित ही छत्तीसगढ़ की संस्कृति को बनाए रखने के लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं। पोड़ीबहार में बड़ी तादाद में युवती व महिलाओं द्वारा भोजली को सिर में रखकर यात्रा निकाली गई। यात्रा पोड़ीबहार चौक से सराफा तालाब खरमोरा पहुंची जहां भोजली विसर्जन कार्यक्रम किया गया। छत्तीसगढ़ के लोक नृत्य एवं संगीतकार तथा डीजे साउंड की धूम देखने को मिली। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा केदारनाथ अग्रवाल, जिला भाजपाध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह, हितानंद अग्रवाल, तुलसी ठाकुर राजेश राठौर, प्रफुल्ल तिवारी, उमाभारती शराफ, बलराम विश्वकर्मा, नरेंद्र पटनवार, संजय कुर्मवंशी, लक्ष्मण श्रीवास, शिव जायसवाल सहित अन्य उपस्थित थे।

भाजपा के घोषणा पत्र समिति के संयोजक बघेल आज तानाखार में

कोरबा-पाली, 01 सितंबर (देशबन्धु)। प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा लगातार जनता के बीच पहुंच कर जमीनी स्तर पर कार्य कर रही है। चुनाव के पहले घोषणा पत्र तैयार करने के लिए भाजपा संगठन जनता के बीच पहुंच कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर रही है साथ ही घोषणा पत्र में शामिल करने सुझाव मांग रही है। भाजपा के इस मिशन में कार्यकर्ता, आम जन सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों से सुझाव भी आ रहे हैं। इसी तारतम्य में भाजपा सांसद और घोषणा पत्र समिति के संयोजक विजय बघेल पाली-तानाखार विधानसभा के प्रवास पर रहेंगे। विजय बघेल 2 सितंबर को सुबह 10 से 12 बजे तक पाली पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में आमजन, विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों से चर्चा करने उपरांत दोपहर 12 बजे से चैतमा मंडल के मंगल भवन में आमजनों से मुलाकात कर सुझाव लेंगे। पाली-तानाखार विधानसभा के संयोजक संजय भावनानी एवं सहसंयोजक अजय जायसवाल ने विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ता सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों से अपील करते हुए सुझाव आमंत्रित की है। उक्त जानकारी भाजपा विधानसभा मीडिया प्रभारी दीपक शर्मा ने दी है।

आबकारी के मुख्य आरक्षक व स्टाफ के विरूद्ध कलेक्टर से शिकायत

कोरबा-पोड़ी-उपरोड़ा, 01 सितंबर (देशबन्धु)। जिले के पोड़ी-उपरोड़ा जनपद पंचायत क्षेत्रांतर्गत क्रमांक-16 रावा के जनपद सदस्य रविन्द्र प्रताप सिंह ने आबकारी विभाग के मुख्य आरक्षक अजय तिवारी व उनके स्टाफ के द्वारा दुर्व्यवहार करने की शिकायत कर कार्यवाही की मांग की है। कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए कहा गया है कि कार्यवाही न होने पर 7 सितंबर को जटगा-पेण्ड्रा रोड बरबसपुर में प्रातः 10 बजे चक्काजाम किया जाएगा।

जनपद सदस्य रविन्द्र प्रताप सिंह का आरोप है कि 21 अगस्त को रात करीब 9 बजे ग्राम बरबसपुर में अवैध शराब पकडऩे के लिए आबकारी कर्मचारी अजय तिवारी व उनके स्टाफ पहुंचे थे। गांव के 2 व्यक्तियों को पकडक़र पैसा की मांग किया गया। इसकी जानकारी होने पर जब विरोध किया तो अजय तिवारी व स्टाफ के द्वारा जनपद सदस्य के साथ दुर्व्यवहार करते हुए मारपीट की गई और अपने स्कार्पियो में जबरन घसीटकर बिठा लिए। ग्रामीणों व परिजनों द्वारा विरोध करने पर उन्हें छोड़ा गया। जनप्रतिनिधि के साथ इस तरह के दुर्व्यवहार को कुछ लोगों ने अपने मोबाइल में कैद कर लिया और सोशल मीडिया पर वायरल भी हुआ लेकिन आज तक अजय तिवारी व स्टाफ के विरूद्ध कोई कार्यवाही नहीं की गई। घटना से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। मांग की गई है कि अजय तिवारी को कोरबा जिला से हटाया जाए। आबकारी विभाग के मनमाने छापामारी एवं अवैध वसूली पूरी तरह बंद हो। विभाग द्वारा पंचायत स्तर पर छापा मारने के लिए सरपंच की अनुमति लेना जरूरी है क्योंकि कोरबा जिले में पेसा एक्ट लागू है और सभी अधिकार ग्राम सभा को दिया गया है। कलेक्टर सहित संबंधित अधिकारियों से मांग की गई है कि इस तरह का निंदनीय व्यवहार जनप्रतिनिधियों के साथ नहीं होना चाहिए। 5 सितंबर तक अजय तिवारी व स्टाफ पर कार्यवाही नहीं हुई तो 7 सितंबर को सरपंच, पंच, जनपद व जिला पंचायत सदस्य व आम नागरिक चक्काजाम करेंगे जिसकी जवाबदारी जिला प्रशासन की होगी।

जनपद सदस्य ने 7 सितंबर को चक्काजाम की दी चेतावनी

सार-संक्षेप

एसईसीएल कोरबा के दीपक और दीपका के जीएम होंगे अमित

कोरबा, 01 सितंबर (देशबन्धु)। साऊथ ईस्टर्न कोल फिल्ड्स लिमिटेड एसईसीएल में ई-8 ग्रेड में महाप्रबंधक स्तर के 5 अधिकारी को इधर-उधर किया गया है। लंबे अरसे से एसईसीएल कोरबा क्षेत्र व दीपका में रिक्त पड़े क्षेत्रीय महाप्रबंधक पद पर अधिकारियों की पदस्थापना की गई इसमें विश्रामपुर में पदस्थ क्षेत्रीय महाप्रबंधक अमित सक्सेना को दीपका क्षेत्र का महाप्रबंधक बनाया गया है।

इसी तरह भटगांव में पदस्थ दीपक पंड्या को एसईसीएल कोरबा क्षेत्र के महाप्रबंधक पद का दायित्व सौंपा गया है। वर्तमान में यह पद अजय तिवारी महाप्रबंधक आपरेशन प्रभारी के रूप में संभाल रहे हैं। पंड्या इसके पहले एसईसीएल कोरबा क्षेत्र की मानिकपुर परियोजना में सब एरिया पद का दायित्व संभाल चुके हैं। वहीं दीपका क्षेत्र के महाप्रबंधक की जिम्मेदारी गेवरा क्षेत्र के महाप्रबंधक एसके मोहंती संभाल रहे थे। इसके अलावा जोहिला एरिया में पदस्थ महाप्रबंधक प्रदीप कुमार को भटगांव एरिया का महाप्रबंधक, विश्रामपुर में महाप्रबंधक आपरेशन के पद पर पदस्थ कैलाश साहू को जोहिला एरिया का महाप्रबंधक बनाया गया है। सभी अधिकारियों को अपने वर्तमान स्थल से तत्काल कार्यमुक्त हो कर नए स्थल पर कार्यभाल संभालने के साथ ही निदेशक तकनीकी के समक्ष अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करने कहा गया है।

डीएसपीएम ताप विद्युत गृह से अधिकारी-कर्मचारी हुए सेवानिवृत्त

कोरबा, 01 सितंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी मर्यादित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह से माह अगस्त में चन्द्रशेखर गुर्जर (अधीक्षण अभियंता) एवं नरेश चंद्र दर्शन (मानचित्रकार) कोरबा पूर्व संयंत्र से अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्ति हुये।

प्रशासनिक भवन के कान्फ्रेन्स हाल में आयोजित कर्मचारी के सम्मान में समारोह में संयंत्र के मुख्य अभियंता हेमंत सचदेवा, अतिरिक्त मुख्य अभियंता, अंजना कूजुर, राजेश्वरी रावत, भुवनेश्वर पाटले एवं संजीव कंसल उपस्थित रहे। अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवार जनों की उपस्थिति में श्री सचदेवा एवं अन्य अतिथियों ने सेवानिवृत्ति कर्मी को पुष्पगुच्छ, प्रशस्ति पत्र, कलाई घड़ी, प्रदान कर सम्मानित किया। श्री सचदेवा ने कहा कि सेवानिवृत्त हो रहे चन्द्रशेखर गुर्जर एवं नरेश चंद्र दर्शन ने अपना कार्य निष्ठा एवं लगन से करते हुये हमारे संयंत्र की सेवा की है। उन्होंने कहा कि खेल एवं कला के क्षेत्र में आपका अनुभव, अनुशासन एवं संयंत्र में कार्य करने की शैली सैदव हम सभी को अविस्मरणीय रहेगी। सेवानिवृत्त कर्मियों ने अपने सेवाकाल का अनुभव भी साझा किए। एसके डेविड ने कार्यक्रम के संचालन के साथ सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों का संक्षिप्त परिचय दिया। अभार प्रदर्शन आरपी टण्डन, अधीक्षण अभियंता (मुख्यालय) ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में हेमलता गुरूपंच, महिपाल कैवर्त एवं राजकुमार केंवट का सहयोग रहा।

पथरीपारा शिव मंदिर में प्रसाद वितरण

कोरबा, 01 सितंबर (देशबन्धु)। सावन मास के अंतिम सावन सोमवार के शुभ अवसर पर पथरीपारा इंदिरा चौक वार्ड नंबर-17 में विशेष कार्यक्रम रखा गया। शिव मंदिर प्रांगण में वार्ड के वरिष्ठ नागरिकों ने भक्ति भाव से भगवान शिव की आराधना की। दोपहर को महिला मंडल द्वारा कीर्तन-भजन का कार्यक्रम आयोजित किया गा। तत्पश्चात भोलेनाथ का रुद्राभिषेक भी किया गया। कार्यक्रम की निरंतरता बनाए रखते हुए शाम 6 बजे वरिष्ठ समाज सेवी मनीराम जांगड़े और सालिक दास वैष्णव की ओर से भगवान के श्री चरणों में खिचड़ी का भोग चढ़ाया गया। प्रसाद के रूप में देर रात तक समस्त भक्तगणों को वितरण किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मैनेजर दास, विशाल वैष्णव, बबलू यादव, श्री राठौर का विशेष सराहनीय योगदान रहा।

अंतरक्षेत्रीय कैरम स्पर्धा में गेवरा उपविजेता

कोरबा, 01 सितंबर (देशबन्धु)। रायगढ़ क्षेत्र में आयोजित एसईसीएल अंतर क्षेत्रीय कैरम प्रतियोगिता 23-24 में सभी क्षेत्रों से टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में कुल 135 मैच खेले गए जिसमें गेवरा की टीम उपविजेता रही है।

प्रतियोगिता में एकल व डबल मुकाबले खेले गए जिसमें एकल विजेता सोहराब अली, बैकुंठपुर क्षेत्र, उप विजेता मनोज जोशी सेंट्रल वर्कशाप कोरबा, डबल विजेता हसदेव क्षेत्र के बली राम व मोहम्मद जाकिर, उप विजेता हसदेव क्षेत्र के मो. मकसूद व गेवरा क्षेत्र के ओम प्रकाश रहे। भटगांव की टीम ने प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। गेवरा क्षेत्र को उपविजेता के खिताब से संतोष करना पड़ा। दो दिवसीय अंतर क्षेत्रीय कैरम प्रतियोगिता का समापन समारोह क्षेत्रीय मुख्यालय महाप्रबंधक कार्यालय रायगढ़ क्षेत्र समुदायिक भवन में हुआ। सभी क्षेत्रों से आए खिलाडियों, निर्णायक मंडल के सदस्यों आदि की उपस्थिति रही। डॉ. हेमंत शरद पांडे महाप्रबंधक रायगढ़ क्षेत्र व कंपनी संचालक समिति, कम्पनी कल्याण समिति के सदस्यों द्वारा खिलाडियों को पुरस्कृत किया गया।

सार-संक्षेप

नेशनल प्लेयर मयंक ने कलेक्टर-एसपी को बताए आर्चरी के गुर

अम्बिकापुर 01 सितंबर (देशबन्धु)। पीजी कॉलेज ग्राउंड पहुंचे कलेक्टरकुन्दन कुमार एवं एसपी सुनील शर्मा ने तीरंदाजी में निशाना साधा जहां सरगुजा के नेशनल प्लेयर मयंक मंडल ने उन्हें इसके गुर सिखाए। दरअसल कलेक्टर एवं एसपी शुक्रवार को पीजी कॉलेज ग्राउंड पहुंचे थे जहां उन्होंने बच्चों को आर्चरी यानी तीरंदाजी में लक्ष्य साधते देखा। इस दौरान कोच ने उन्हें नेशनल प्लेयर मयंक से मिलवाया। मयंक और उनके साथी रितेश की प्रतिभा देख कलेक्टर-एसपी काफी प्रभावित हुए। उन्होंने खिलाड़ियों की प्रशंसा कर उनके बेहतर भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर-एसपी ने स्वयं भी तीरंदाजी में अपने हाथ आजमाए।

इसी तरह ग्राउंड में युवाओं को खेलते देखा, तो अपने पुराने दिनों को याद करते हुए वे भी खेल के मैदान में उतर गए और युवाओं के साथ क्रिकेट की शानदार पारी खेली। इस दौरान नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक कुमार, सीईओ जिला पंचायत श्री नूतन कंवर, अपर कलेक्टर श्री एएल ध्रुव, एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

13 सितंबर तक प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्रों में होगा वजन त्यौहार का आयोजन

कोरिया 1 सितंबर (देशबन्धु)। देशबन्धु कुपोषण को दूर करने के लिए चलाई जा रही छ ग शासन के योजनाओं का लाभ कितने बच्चों को मिल रहा है और कितने बच्चे कुपोषण से निजात पा चुके हैं। इसका पता लगाने के लिए जिले में वजन त्यौहार मनाया जा रहा है। जन-जन को कुपोषण के प्रति जागरूक करने के लिए कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

01 सितंबर से शुरू होने वाले यह वजन त्यौहार 13 सितंबर 2023 तक चलेगा। जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में चलने वाले इस वजन त्यौहार में 0 से 06 वर्ष के बच्चों का वजन कर कम वजन वाले बच्चों को चिन्हित कर कुपोषण की वास्तविक स्थिति का पता लगाया जाएगा तथा उनके कुपोषण स्तर की जांच कर बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्रों में पूरक पोषण आहार वितरण करने के साथ पोषक तत्वों के बारे में जानकारी दी जाएगी। जिले में कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु परियोजना बैकुण्ठपुर अंतर्गत 101 कलस्टर एवं परियोजना सोनहत अंतर्गत 32 कलस्टर में चिन्हांकित आंगनबाडी केन्द्रों में वजन त्यौहार का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री लंगेह द्वारा वजन त्यौहार कार्यक्रम के सुचारू एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन तथा मैदानी अमलों को निर्देशित किया गया है।

शहर में निकाली भव्य त्रिशूल यात्रा

चिरमिरी 1 सितंबर (देशबन्धु)। विधायक डॉ विनय जायसवाल व महापौर कंचन जायसवाल के नेतृत्व में भव्य त्रिशूल यात्रा निकाली गई। देवो के देव महादेव शिव शंकर की प्रतिमा स्थापना से पूर्व त्रिशूल व उनके डमरू की स्थापना से पूर्व उनकी यात्रा निकाल कर पुरे शहर में घुमाया गया। शहर के हृदय स्थल हल्दीबाड़ी के हिरागिरि पहाड़ में स्थित पंचवटी मंदिर में देवों के देव महादेव शिव की प्रतिमा स्थापना के प्रथम कार्य में उनके त्रिशूल की स्थापना की जा रही है जो इस शहर और इस प्राचीन मंदिर को एक अलग पहचान देगी इस तारतम्य में हमारी त्रिशूल यात्रा बड़ा बाजार से हल्दीबाड़ी के काली मंदिर स्थल होकर पंचवटी पहाड़ तक जाएगी। इस यात्रा में सभी श्रद्धालुगण शिव के त्रिशूल को अपने कांधो पर रख कर प्राचीन मंदिर में स्थापित करेंगे ।

कलेक्टर ने दिया मतदान का उपयोग करने संदेश

मनेंद्रगढ 1 सितंबर (देशबन्धु)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेंद्र कुमार दुग्गा शुक्रवार को मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम के के तहत भरतपुर विकासखंड के अन्तर्गत शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल माड़ीसरई पहुँचे। श्री दुग्गा ने स्कूल में 18+ मतदाताओं और बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं को वोट डालने के लिए प्रेरित किया। इसी अभियान के अंतर्गत शासकीय स्कूल माड़ीसरई में ईवीएम व वीवीपैट का प्रदर्शन किया गया जिसमें काफी संख्या में लोग पहुंचकर ईवीएम में अपना वोट देकर वीवीपैट में अपना वोट देखा। स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत लगभग 200 छात्र-छात्राओं द्वारा मतदाता जागरूकता संबंधी रैली निकाली गई। छात्रों ने पोस्टर बैनर और नारों द्वारा ग्रामीणों को जागरूकता संदेश देते हुए आमजनों को देश के लोकतांत्रिक विकास के लिए मतदान अवश्य करने का आह्वान किया। रैली में स्वीप कोऑर्डिनेटर ने सभी को मतदान अवश्य करने की शपथ दिलाई गई, साथ ही नवीन मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक कर 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाली छात्राओं को वोटर हेल्पलाइन एप के माध्यम से पंजीकरण करने के लिए प्रेरित किया। जिले में मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत प्रतिदिन ई.व्ही.एम. एवं वीवीपैट का प्रदर्शन निरंतर जारी है, जिससे जिले के आम नागरिकों को ई.व्ही.एम. में अपने मताधिकार के कार्य प्रणाली के संबंध में जानकारी प्राप्त हो सके।

मतदाता जागरूकता के लिए आयोजित किए जाएंगे कार्यक्रम

कोरिया 01 सितंबर (देशबन्धु)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 जिले में मतदाताओं को जागरुक करने के उद्देश्य से स्वीप कैलेण्डर तैयार कर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। जिसके अंतर्गत मतदाताओं को मतदान करने के लिए अभिप्रेरित किया जा रहा तथा निर्वाचन प्रक्रिया से अवगत कराया जा रहा है। माह सितम्बर में 06 से 30 सितम्बर के बीच मतदाता जागरूकता के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएगी।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए किसान पोर्टल में होगा पंजीयन

बायोमेट्रिक प्रणाली से होगी धान की खरीदी

धान खरीदी के दौरान कोई असुविधा नहीं हो इसके लिए नॉमिनी बनाने दी जा रही सुविधा, आधार लिंक मोबाइल नंबर पर ओटीपी के माध्यम से नामांकित व्यक्ति के पहचान प्रमाणीकरण का विकल्प भी

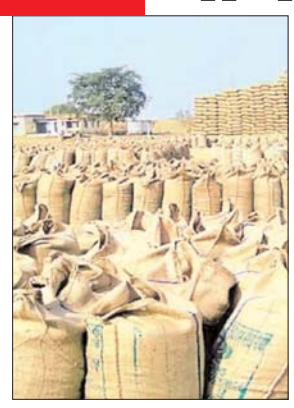

■ गंभीरता के साथ निर्धारित समय में काम पूरा करने कलेक्टर ने दिए निर्देश

अम्बिकापुर 01 सितंबर (देशबन्धु)। कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा खरीदी विपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर धान एवं मक्का खरीदी हेतु किसान पंजीयन कराने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2023 तक निर्धारित की गई है। इस संबंध में कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने शुक्रवार को समिति प्रबंधकों और खाद्य निरीक्षकों की संयुक्त बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में कहा कि किसान पंजीयन का कार्य गंभीरता के साथ पूर्ण करना सुनिश्चित करें। इस कार्य में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बैठक में समिति प्रबंधकों और प्रभारियों से उनके क्षेत्र में धान की कृषि की स्थिति और सिंचाई की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने राजस्व अधिकारियों से भी रिपोर्ट लेने के निर्देश अपर कलेक्टर को दिए।

बैठक में जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि धान एवं मक्का उपार्जन सहित धान के बदले अन्य फसल लेने वाले किसानों को कृषि विभाग के अंतर्गत अन्य योजनाओं का लाभ लेने हेतु एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन कराना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि जारी किए गए निर्देशों के आधार पर इस वर्ष पूर्व के वर्षों की भांति कृषकों को पृथक से पंजीयन कराने की आवश्यकता नहीं होगी। इसके अंतर्गत उनका गत वर्ष का पंजीयन कैरीफॉरवर्ड कर दी जाएगी। पूर्व वर्षों में पंजीकृत सभी किसानों को धान उपार्जन वर्ष 2023-24 हेतु धान पंजीयन में नॉमिनी नामांकन कर कैरी फॉरवर्ड करवाना अनिवार्य है, क्योंकि धान उपार्जन हेतु आधार आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण अपनाया जाएगा, जिसके लिए पंजीयन में नॉमिनी रखना अनिवार्य है।

कैरी फॉरवर्ड या नवीन पंजीयन हेतु आवेदन पत्र के साथ ये दस्तावेज होंगे संलग्न

कैरी फॉरवर्ड या नवीन पंजीयन हेतु आवेदन पत्र के साथ किसानों को ऋण पुस्तिका, बी-1, आधार कार्ड, बैंक पासबुक की छायाप्रति, पी-2 खसरा आदि दस्तावेज संलग्न करना होगा। केवल संयुक्त भूमि स्वामी होने की स्थिति में स्व घोषणा पत्र भी देना होगा। इन सभी दस्तावेजों को संबंधित सहकारी समितियों में जमा कराना आवश्यक होगा। इसके पश्चात् दस्तावेजों के जॉच के उपरान्त नवीन किसान पंजीयन की कार्रवाई की जाएगी। गत वर्ष के पंजीकृत किसान यदि अपने पंजीयन में कोई भी संशोधन कराना चाहते हैं तो वे 3 सितंबर 223 तक आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि 3 सितंबर 223 तक आवेदन प्राप्त नहीं होने पर पूर्व वर्ष के पंजीयन को यथावत् कैरीफॉरवर्ड कर दिया जाएगा। एकीकृत किसान पोर्टल पर किसानों के नवीन पंजीयन तथा पंजीकृत फसल या रकबे में संशोधन की कार्यवाही 31 अक्टूबर तक की जायेगी।

पारदर्शी में होग सुधार

खरीफ वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी में पारदर्शी में सुधार के लिए बायोमेट्रिक आधारित खरीदी प्रणाली लागू की जा रही है। जिसमें किसान अपना बायोमेट्रिक आधार (अंगूठा लगाकर) प्रमाणीकरण के पश्चात् धान की बिक्री कर सकता है। आधार लिंक मोबाइल नंबर पर ओटीपी के माध्यम से नामांकित व्यक्ति के पहचान प्रमाणीकरण का विकल्प भी दिया रहेगा। किसानों का समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के दौरान कोई असुविधा न हो इसके लिए उनके परिवार एवं रिश्तेदारों को नॉमिनी बनाने की सुविधा प्रदान किया गया है। जिसके आधार पर स्वत: उपस्थित होकर या उनके द्वारा बनाए गए नॉमिनी के द्वारा धान की बिक्री की जा सकती है। इसके अतिरिक्त समर्थन मूल्य पर धान खरीदी हेतु विश्वसनीय व्यक्ति की नियुक्ति धान खरीदी केंद्रों में की जाएगी, जो धान खरीदी में सहयोग प्रदान करेंगे। हिस्सेदार, बटाईदार, अधिया रेगहा के तहत गतवर्ष की भांति पंजीयन किया जाएगा। इसके फसल उगाने वाले कृषकों के लिए खेत का मालिकाना हक रखने वाले किसान स्वयं पंजीयन करा सकेंगे अथवा संबंधित कृषक के नामिनी के तौर पर पंजीयन करा सकता है। यदि किसी कारणवश पंजीकृत किसान अपना नॉमिनी अथवा आधार नंबर परिवर्तन कराना चाहता है तो उसका अनुमोदन अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं तहसीलदार द्वारा किया जा सकता है। गतवर्ष पंजीकृत किसानों का पंजीयन उनके मृत्यु एवं अन्य कारणों से निरस्त किए जाने हेतु ऐसे किसानों की जानकारी तहसीलदारों को प्रेषित की जाएगी।

उसके बाद तहसीलदार को प्रदान लॉगिन आईडी से किसान पंजीयन निरस्त की कार्रवाई की जाएगी। जिले के सभी किसानों से खरीफ वर्ष 2023-24 में नवीन पंजीयन एवं गतवर्ष के पंजीयन में सुधार के संबंध में अपने संबंधित समिति से संपर्क कर किसान पंजीयन अपडेट करायें। किसान पंजीयन एवं पंजीयन संशोधन हेतु आवेदन समिति से ही प्राप्त कर सकते है। सभी किसान से अपील की जाती है कि 31 अक्टूबर 2023 तक किसान पंजीयन से संबंधित अपना कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें। जिससे समर्थन मूल्य पर धान खरीदी में किसी प्रकार से कोई भी समस्या न हो।

नशेड़ी शिक्षक से नाराज ग्रामीणों ने दी तालाबंदी की चेतावनी

रायगढ़ 01 सितंबर (देशबन्धु)। यूं तो स्कूल को शिक्षा का मंदिर कहा जाता है। जहां बच्चे शिक्षा ग्रहण कर अपना भविष्य संवारते हैं। परंतु जिस स्कूल के शिक्षक ही नशेड़ी हो और कभी कभार स्कूल आते हैं तो ऐसे में इस स्कूल के छात्रों का भविष्य अंधकारमय होना लाजमी है। प्राथमिक शाला बच्चों के बिगड़ते भविष्य को देखते हुए घरघोड़ा ब्लाक के छोटे गुमडा के ग्रामीणों ने जिला शिक्षा अधिकारी को इस आशय का ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है।

जिला शिक्षा अधिकारी के नाम सौंपे गए ज्ञापन में ग्रामीणों ने कहा है कि छोटे गुमड़ा प्राथमिक शाला में दो शिक्षक पदस्थ हैं लेकिन दोनों ही शिक्षक नशे के आदि है एवं कभी भी समय पर स्कूल नही पहुंचते। जिससे बच्चों की नियमित पढ़ाई नही होनें से उनका भविष्य अंधकार में डूबता जा रहा है।

गांव के राजेन्द्र गुप्ता, मनबोध डनसेना, रामलाल सिदार, श्यामलाल के अलावा अन्य लोगों ने बताया कि प्रधान पाठक खिलावन सिंह ठाकुर विगत 20 वर्षो से गांव में पांव पसारे हुए हैं वहीं सहायक शिक्षक अशोक मिंज बिना नशे के स्कूल पहुंचते ही नही। दोनों के खिलाफ ग्रामीणों ने कई बार शिकायत कर चुके हैं इसके बावजूद विभाग के द्वारा इन पर किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नही की जाती। गांव के ग्रामीणों के अनुसार दोनों ही शिक्षक स्कूल परिसर में शराब व गांजा का सेवन करते हैं।

गांव के ग्रामीणों ने इस बार चेतावनी भरे अंदाज में कहा है कि इन दोनों शिक्षकों को 12 सितंबर तक गांव के स्कूल से हटाकर यहां नये शिक्षकों की नियुक्ति किया जाये अन्यथा 13 सितंबर से स्कूल में ताला बंद करने पर विवश हो जायेंगे और जिसकी संपूर्ण जवाबदारी शिक्षा विभाग की होगी।

हर एक माता-पिता का सपना होता है कि उनका पुत्र स्कूल में अच्छी शिक्षा ग्रहण कर अपना भविष्य संवारते हुए समाज में अपना नाम और खुद को स्थापित करें परंतु सरकारी स्कूल के शिक्षकों की इस तरह की हरकत से छात्रों का भविष्य कितना संवर सकता है यह अंदाजा लगाया जा सकता है।

बहरहाल अब देखना यह है कि छोटे गुमडा के ग्रामीणों के द्वारा शिक्षा विभाग को सौंपे गए ज्ञापन के बाद विभाग संबंधित शिक्षकों पर किस प्रकार की कार्रवाई करता है।

जन्माष्टमी मेला स्थल का पुलिस ने किया निरीक्षण

रायगढ़ 01 सितंबर (देशबन्धु)। शहर के प्रसिद्ध जन्माष्टमी मेले को लेकर पुलिस कप्तान सदानंद कुमार ने गुरुवार को श्याम बगीची व गौरीशंकर मंदिर का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों व आयोजकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

श्री श्याम मंडल के प्रचार मंत्री महावीर अग्रवाल ने बताया कि छत्तीसगढ़ प्रदेश का सबसे बड़ा जन्माष्टमी मेला झूला उत्सव 2023 5 सितंबर से 9 सितंबर तक चलेगा। इस अवसर पर श्याम मंडल व गौरीशंकर मंदिर द्वारा आकर्षक स्वचलित झांकियां सजाई जाएंगी, जिन्हें देखने छत्तीसगढ़ के साथ देश के अन्य राज्यों सभी लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इसके मद्देनजर गुरुवार को जिले के तेज तर्रार एवं संवेदशील जिला पुलिस कप्तान सदानंद कुमार ने संजय काम्प्लेक्स स्थित श्री श्याम बगीची में निर्मित पंडाल एवं पूरे मार्ग स्थल का सघन निरीक्षण कर पूरी व्यवस्था का जायजा लिया।

सर्वप्रथम पुलिस कप्तान सदानंद कुमार ने संजय काम्प्लेक्स स्थित श्याम मंदिर पहुंच कर श्री श्याम प्रभु का पूजन-अर्चन कर दर्शन किया और जिले की जनता की सुख-शांति की मंगल कामना की। श्री श्याम मंडल द्वारा पुलिस कप्तान का बुके एवं श्री श्याम दुपट्टे से स्वागत किया गया। जन्माष्टमी उत्सव मेले एवं अन्य कार्यक्रमों से संस्था द्वारा उन्हें अवगत कराया गया।

बीवी के हत्या के आरोप में जेल में बंद विचाराधीन कैदी की मौत

रायगढ़ 01 सितंबर (देशबन्धु)। अपनी ही पत्नी की हत्या करने के मामले में जिला जेल में बंद एक बंदी की उपचार के दौरान संदिग्ध मौत हो जाने से जेल प्रबंधन में अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही बंदी के मौत के कारणों का खुलासा हो सकता है।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार रायगढ़ जिले के कापू थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम पारमेर गांव निवासी दल्लू मंझवार 67 साल को कापू पुलिस ने 4 नवंबर 2019 का पत्नी की हत्या के मामले में गिरफ्तार कर जेल दाखिल कराया था। तब से दल्लू अपने बैरक बंद था, इसी बीच 28 अगस्त की सुबह अचानक उसकी तबियत बिगड़ी जिसके बाद जेल प्रबंधन के द्वारा उसे रायगढ़ जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उपस्थित डाक्टरों ने प्रारंभिक उपचार के बाद उसे वापस जेल भेज दिया था इसी दरम्यान रात सवा आठ बजे फिर से दल्लू की तबियत बिगड़ गई जिसके बाद आनन-फानन में फिर से उसे जिला अस्पताल लाया गया जहां उपचार के दौरान देर रात तकरीबन साढ़े 12 बजे उसकी मौत हो गई। विराधीन बंदी दल्लू की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने के बाद जेल प्रबंधन से लेकर जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया है।

विचाराधीन बंदी की मौत के बाद अस्पताल प्रबंधन की सूचना पर सिटी कोतवाली पुलिस ने मर्ग कायम करते हुए पूरे मामले को जांच में ले लिया है। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही विचाराधीन बंदी की मौत की असल वजह सामने आ पायेगी।

क्या कहते हैं जेल अधिकारी

इस पूरे मामले में जिला जेल के अधीक्षक एसपी कुर्रे का कहना है कि तबियत खराब होनें के बाद तत्काल विचाराधीन बंदी दल्लू को अस्पताल में भर्ती किया गया था। उसकी उम्र भी 67 साल हो चुकी थी। घरवाले उससे इसलिये मिलने नही आते थे चूंकि दल्लू ने अपनी पत्नी का कत्ल किया था। मौत की वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगी। लेकिन जेल के भीतर वह हमेशा शांत और बाकी लोगों से मिलकर रहता था।

मामूली विवाद में ससुर की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़ 01 सितंबर (देशबन्धु)। 27 अगस्त को सिविल अस्पताल धरमजयगढ़ में नीचेपारा धरमजयगढ़ में रहने वाले कार्तिक राम सारथी (उम्र 60 साल) को ईलाज के लिए उसके घरवालों द्वारा भर्ती कराया गया था। ईलाज दौरान 28 अगस्त के दोपहर कार्तिक राम सारथी की मौत हो गई, कार्तिक राम को संदेहास्पद अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया था । सिविल अस्पताल धरमजयगढ़ से प्राप्त अस्पताली तहरीर पर धरमजयगढ़ पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर जांच पंचनामा कार्यवाही में लेकर शव का पोस्ट मार्टम कराया गया।

संदेहास्पद मर्ग को देखते हुए प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक अमन लखीसरानी द्वारा मृतक के वारिसान से पूछताछ किया गया, सभी के बयान अलग-अलग और विरोधाभासी थे। वारिसानो से पुन: अलग-अलग पूछताछ किये जाने पर मृतक को मारपीट से आई चोट से मौत की बात निकाल कर सामने आया। काफी पूछताछ बाद मृतक के वारिसान बताए कि 26 अगस्त की रात्रि कार्तिक राम सारथी का दामाद दीपक बैरागी अपने साथी रोहित यादव के साथ शराब पीकर कार्तिक के घर के पास आया। घर के बाहर रोहित यादव शराब पीकर शोर कर रहा था जिसे कार्तिक मना किया तो दीपक बैरागी गुस्से में उत्तेजित होकर कार्तिक राम को गाली गलौच कर मारपीट करते हुये कार्तिक का गला दबाकर सीना, पेट में हाथ मुक्का से मारपीट किया जिससे कार्तिक को काफी चोटें आयी। उसे उसके घर वाले सिविल अस्पताल धर्मजयगढ़ में इलाज के लिए भर्ती कराया गया जहां दूसरे दिन दोपहर ईलाज दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के शॉर्ट पीएम रिपोर्ट प्राप्त किया गया जिसमें मृतक की मृत्यु मानव हत्या होना लेख किए जाने पर तत्काल आरोपी दीपक बैरागी उर्फ दीपक पिता विनोद बैरागी उम्र 35 साल निवासी दुर्गापुर कॉलोनी धरमजयगढ़ पर हत्या का अपराध पंजीबद्ध कर अपने स्टाफ के साथ दबिश देकर आरोपी को हिरासत में दिया गया जिसे आज हत्या के अपराध में गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है । आरोपी पतासाजी, गिरफ्तारी एवं मामले का खुलासा में प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक अमन लखीसरानी, निरीक्षक अमित तिवारी, सहायक उपनिरीक्षक डेविड टोप्पो एवं हमराह स्टाफ का अहम योगदान रहा।

रायगढ़ से ओपी चौधरी के नाम की बहुत जल्द होगी घोषणा

रायगढ़ 01 सितंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ चुनाव को लेकर गहमागहमी शुरू है और भाजपा ने 21 प्रत्याशियों की लिस्ट जारी कर दिया है और लगभग 42 सीटों की घोषणा बहुत जल्द होनी है। बताया जाता है कि इसमें रायगढ़ का भी नाम शामिल है और यहां से पूर्व आईएएस व भाजपा के कद्दावर नेता ओपी चैधरी का चुनाव लड़ना तय माना जा रहा है। उनके समर्थकों ने इसकी बकायदा तैयारी भी शुरू कर दी है।

2018 के विधान सभा चुनाव से पहले कलेक्टरी छोड़कर सबको चैंकाते हुए ओपी चैधरी ने भाजपा ज्वाइन किया था और कांग्रेस का अजेय गढ़ माना जाने वाला विधानसभा क्षेत्र खरसिया से धांसू एंट्री की थी। कांग्रेस का गढ़ माना जाने वाला खरसिया, जहां से कांग्रेस एकतरफा जीतती थी वहां अचानक भूचाल आ गया और कांग्रेस की सीट खिसकती नजर आने लगी। इस सीट पर हार जीत के लिए दांव खेले जाने लगे और सट्टा बाजार ने भी इस स्थिति का भरपूर फायदा उठाया। इस सीट पर मतदाता बुरी तरह बांट गए थे। इसे पहले 32 हजार वोटों से चुनाव जीतने वाले उमेश पटेल हराने के कगार पर पहुंच गए थे।

उनके साथ बड़ा जनसमूह था लेकिन चुनाव और क्रिकेट अनिश्चितताओं का खेल है और इस चुनाव के परिणाम अंतिम में बदल गए।

दरअसल ओपी चैधरी बुद्धिमान, तेज और मंजे हुए अधिकारी तो थे लेकिन राजनीति के दांव पेंच से अनभिज्ञ थे। इसमें कौन सी बात का क्या अर्थ निकाल लिया जाएगा इससे परिचित नहीं थे। ऐसे में उनके एक बयान कहर बनकर टूटूंगा और एक कांग्रेसी कार्यकर्ता से झड़प को विरोधियों ने हवा दे दी और कहा जाता है कि ये दोनों बातें ओपी चैधरी के विरुद्ध गई और खरसिया की सीट इनके हाथ से निकल गई। वहां इन्हें हार का सामना करना पड़ा। लेकिन इस बार राजनीति का 5 साल का अनुभव भी है। वैसे रायगढ़ सीट 2003 से चेहरे बदलने के लिए जाना जाता है। 2003 के बाद कोई भी विधायक दुबारा नहीं चुना जा सका। 2018 के चुनाव में प्रकाश नायक यहां से कांग्रेस के उम्मीदवार बने और त्रिकोणीय संघर्ष में उन्होंने लगभग 16 हजार मतों के अंतर से जीत हासिल की थी। इसके बाद लोकसभा चुनाव में रायगढ़ विधानसभा क्षेत्र से भाजपा ने भारी अंतर से लीड लिया था। हालांकि बाद में हुए नगर निगम चुनाव और जिला पंचायत चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन अच्छा रहा। कांग्रेस में बिखराव की बात कही जा रही है लेकिन यदि ओपी चैधरी चुनाव लड़ते हैं तब परिस्थितियां बदल सकती हैं। हालांकि अभी कांग्रेस ने यहां की टिकट फाइनल नहीं की है लेकिन कांग्रेस ओपी चैधरी के नाम से न सिर्फ एकजुट होने लगी है बल्कि आक्रामक तेवर दिखाने को भी तैयार है, ओपी चैधरी के चुनाव लडने से यह सीट हॉट सीट बन जायेगी और कांग्रेस आलाकमान के अनुशासन का डंडा भी चलेगा ताकि पार्टी एकजुट दिखे। कांग्रेस भी ओपी चैधरी के खिलाफ अलग से रणनीति बनाएगी। हालांकि बातचीत में कोई कांग्रेसी ओपी चैधरी को पार्टी के लिए बड़ा थ्रेट अभी मानने को तैयार नहीं है।

भाजपा में दो फाड़

भाजपा में एक कुनबा ओपी चैधरी को आगे लाना चाहता है और वह इस राजनीतिक परिदृश्य के बड़े बदलाव का साक्षी बनना चाहता है लेकिन एक बड़ा धड़ा इसके लिए तैयार नहीं है। पार्टी के रूप में बाहर से जितनी एकजुटता दिखती हो लेकिन इस मामले पर पार्टी बुरी तरह बंटी हुई है। कुछ दिन पहले आए पर्यवेक्षक के सामने भी कुछ लोगों ने यह बोलकर विरोध किया कि यहां बड़े नेता को टिकट नहीं दिया जाए, हालांकि उसका असर होता नहीं दिख रहा है।

अधिकारी वर्सेज नेता

आम लोगों में यह बात स्प्रेड की जा रही है कि नेता काम करता है अधिकारी नहीं। नेता, नेता चाहता है, अफसर नहीं, यह पंच लाइन कांग्रेस और भाजपा दोनों पार्टी के लोग बोलते दिख रहे हैं। ओपी चैधरी को नेता के बजाए अधिकारी के तौर पर इमेज बनाने की कोशिशें शुरू हो गई है। लोग अजीत जोगी के साथ इनकी तुलना कर रहे हैं, ऐसे में अभी से ओपी चैधरी को इनका काट ढूंढना होगा अन्यथा बहुत कठिन है डगर पनघट की।

ट्रेलर की ठोकर से बाइक सवार युवक की मौत

आक्रोशित लोगों ने कई घंटों तक किया चक्काजाम

जांजगीर, 01 सितम्बर (देशबन्धु)। जिले के बिर्रा-शिवरीनारायण मुख्य मार्ग पर ट्रेलर चालक ने बाइक सवार युवक को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में युवक का सिर फट गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामला बिर्रा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, तालदेवारी गांव में ऑटो रिपेयरिंग शॉप चलाने वाला श्याम साहू गुरुवार को शिवरीनारायण गया हुआ था। वहां से ऑटो पार्ट्स लेकर वो वापस अपनी दुकान तालदेवारी आ रहा था। तभी बिर्रा-शिवरीनारायण मुख्य मार्ग पर उसकी बाइक को सामने से ट्रेलर चालक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद आरोपी ड्राइवर ट्रेलर (क्रमांक एनएल 04 डी 7433) को छोड़कर मौके से फरार हो गया। युवक के सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। पुलिस ने ट्रेलर को जब्त कर लिया है। आरोपी ड्राइवर फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। इधर हादसे से गुस्साए लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। इससे दोनों ओर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। बाद में पुलिस ने समझा-बुझाकर चक्काजाम खत्म कराया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ट्रेलर चालक बिर्रा से शिवरीनारायण जा रहा था। उन्होंने कहा कि ट्रेलर को जब्त कर लिया गया है और आरोपी ड्राइवर की तलाश की जा रही है।

अमोदा में देशी शराब के सेवन से 2 लोगों की मौत!

जांजगीर, 01 सितम्बर (देशबन्धु)। जिले नवागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम अमोदा में देशी शराब पीकर 2 लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने शुक्रवार को दोनों के शवों का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस परिजनों का बयान दर्ज किया गया है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम हनुमंता का रहने वाला किरण प्रधान (33) रक्षाबंधन के त्योहार पर अपनी पत्नी और 3 बच्चों के साथ ससुराल ग्राम अमोदा आया हुआ था। किरण के साले शिवशंकर ने बताया कि उसकी बहन और जीजा रक्षाबंधन के बाद भोजली त्योहार मनाने के लिए उनके घर पर रुके थे। इस बीच 31 अगस्त की रात किरण पड़ोसी महिला ललिता सूर्यवंशी के घर गया। इसके बाद दोनों महिला-पुरुष ने साथ बैठकर शराब पी। शराब पीने के बाद दोनों जमीन पर गिर पड़े। ये देख परिजन दोनों को इलाज के लिए जिला अस्पताल जांजगीर लेकर आए, जहां डॉक्टर ने उनको मृत घोषित कर दिया। इसके बाद नवागढ़ थाना पुलिस को घटना की सूचना दी गई।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार

एएसपी अनिल सोनी ने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह का खुलासा हो सकेगा। उन्होंने कहा कि दोनों मृतकों के शव के पोस्टमॉर्टम की वीडियोग्राफी कराई गई है। पुलिस ने कहा कि दोनों आरोपी पति-पत्नी रोहित और रुक्मिणी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

सरकार के संरक्षण में अवैध शराब का कारोबार-चंदेल

प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि विगत 3 महीने पहले इसी क्षेत्र के ग्राम रोगदा में 3 परिवार जहरीली शराब से पूरी तरह उजड़ गये थे। अभी इन परिवारों के आँसू सूख भी नहीं पाये हैं कि अब ग्राम अमोदा की यह घटना सामने आयी है। दोनों मृतक किरण कुमार सूर्यवंशी और ललिता सूर्यवंशी अनुसूचित जाति से हैं। दोनों जहरीली शराब के सेवन से असमय काल के गाल में समा गये। श्री चंदेल ने कहा कि हम लोग एक नहीं अनेक बार शासन व प्रशासन को अवैध शराब के कारोबार को रोकने के लिये कड़ी कार्रवाई करने के संबंध में ध्यान आकृष्ट कर चुके हैं, सड़क से लेकर सदन तक इस विषय को लेकर आंदोलन भी हुए, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि प्रदेश की भूपेश सरकार के संरक्षण में अवैध व जहरीली शराब का कारोबार खुलेआम गांव-गांव गली-गली में चल रहा है। शासन व प्रशासन के संरक्षण में इस कार्य को अंजाम तक पहुंचाया जा रहा है।

शराब पीने के बाद हुई थी जवान समेत 3 लोगों की मौत

जांजगीर-चांपा जिले में ही 4 महीने पहले देशी शराब पीने के बाद सेना के जवान समेत 3 लोगों की मौत हो गई थी। तीनों ने साथ में बैठकर शराब पी थी। इसके बाद अचानक बेहोश हो गए। फिर इन्हें अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। मामला नवागढ़ थाना क्षेत्र के रोगदा गांव का है। रोगदा निवासी नंदलाल कश्यप (32) भारतीय सेना में टेक्नीशियन के पद पर पोस्टेड था। वो अपनी शादी के चलते घर आया हुआ था।

दो कीटनाशक दवा विक्रेताओं को नोटिस

सक्ती, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। कृषि विभाग द्वारा कीटनाशक दवा विक्रेताओं के विक्रय परिसर की निरंतर जांच की जा रही है। निजी विक्रेताओं के साथ साथ अब सहकारी क्षेत्र के विक्रेताओं पर भी नजर रखी जा रही है जिले के निजी क्षेत्र के साथ साथ सहकारी क्षेत्र के दुकानों का भी निरीक्षण कृषि विभाग द्वारा किया जा रहा है। विगत दिवस अनुविभागीय स्तरीय निरीक्षण टीम के द्वारा सेवा सहकारी समिति जर्वे का औचक निरीक्षण किया गया। समिति में भंडारित 2 कीटनाशक दवाओं का स्त्रोत प्रमाण पत्र नहीं पाया गया। निरीक्षण टीम के द्वारा सभी दवाओं की बिक्री पर 21 दिन के लिए प्रतिबंधित कर समिति को नोटिस जारी किया गया है। विभाग द्वारा शहरी क्षेत्र के बाद अब ग्रामीण क्षेत्रों के कीटनाशक दवा दुकानों का भी जांच की जा रही है। डभरा क्षेत्र के कुसुमझर में संचालित जायसवाल कृषि केंद्र के विक्रय परिसर में एक्सपायरी डेट की हेक्साकोनाजोल एवं बिफ्रेनथीन नामक दवा बरामद हुई है। निरीक्षण टीम डभरा के द्वारा इन दवाओं को सील बंद करते हुए अलग कर जांच के दायरे में रखा गया है तथा विक्रेता को नोटिस जारी किया गया है। जवाब संतोषजनक नहीं पाये जाने पर अधिनियम के अनंतर्गत कार्रवाई की जायेगी।

राउत ने ली भारतीय रेडक्रास सोसायटी जांजगीर की बैठक

जांजगीर, 01 सितम्बर (देशबन्धु)। राज्य रेडक्रॉस के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सह जनरल सेक्रेटरी एमके राउत की अध्यक्षता एवं चेयरमेन अशोक कुमार अग्रवाल की उपस्थिति में भारतीय रेडक्रॉस सोसाईटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्कूल एवं कालेजो के छात्राओं को फर्स्ट एड प्रशिक्षण दिया जाना, ब्लड डोनेट हेतु जन जागरूकता, प्रत्येक गांवो में रेडक्रॉस वालंटियर नियुक्त करने, रेडक्रॉस सदस्यता अभियान चलाया जाना, वृद्धा आश्रम खोखरा को रेडक्रॉस के माध्यम से संचालित करने, धनवंतरी मेडिकल स्टोर को रेडक्रॉस के माध्यम से संचालित करने के लिए कार्यों का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही उक्त बैठक में चार संरक्षक बनाया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं जिला सचिव भारतीय रेडक्रॉस सोसाईटी ने बताया कि जिले में रेडक्रास सोसाइटी द्वारा 03 मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है तथा 14 रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 520 रक्त दाताओं द्वारा रक्तदान किया गया है। इसके साथ ही 01 हेपेटाइटिस टीकाकरण शिविर आयोजित किया गया है। जिला रेडक्रॉस सोसाइटी में 639 आजीवन सदस्य बनाया गया है। जिला भारतीय रेडक्रॉस सोसाईटी द्वारा 2 एम्बुलेंस एवं 01 शव वाहन उपलब्ध कराया गया है। इसके साथ ही जिला शाखा रेडक्रॉस की वर्तमान गतिविधियां, रेडक्रॉस दवा दुकान, एंबुलेंस का संचालन, निःक्षय मित्र अभियान पर चर्चा. सदस्यता अभियान, प्राथमिक सहायता प्रशिक्षण एवं शालाओं एवं महाविद्यालयों में रेडक्रॉस का गठन एवं गतिविधियों का संचालन के संबंध में चर्चा की गई।

बैठक में नगरपालिका जांजगीर-नैला के अध्यक्ष भगवान दास गढ़ेवाल, नगरपालिका चांपा अध्यक्ष जय थवाईत, दिनेश शर्मा, देवेश सिंह, अपर कलेक्टर एस पी वैद्य, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ ज्योति पटेल, सी.एम.एच.ओ. डॉ स्वाति वंदना सिसोदिया, उप संचालक समाज कल्याण, जिला शिक्षा अधिकारी, डीपीएम एवं रेडक्रॉस के आजीवन सदस्य उपस्थित थे।

सार-संक्षेप

डॉ महंत की पहल पर 35 करोड़ की लागत से बनेगा जिला अस्पताल

सक्ति 01 सितंबर (देशबन्धु)। सक्ती के विधायक एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत के प्रयासों से जहां शक्ति को 9 सितंबर 2022 को राजस्व जिले का दर्जा मिला, तो वहीं जिला

बनने के बाद महंत तथा शक्ति विधानसभा क्षेत्र की जनता को शासन के समस्त सरकारी कार्यालयों एवं संस्थाओं का त्वरित लाभ दिलाने की दिशा में पहल करते हुए शक्ति में दफ्तरों की स्थापना करवाई तथा अब स्वास्थ्य के क्षेत्र में जिले को एक बड़ी उपलब्धि मिल चुकी है। जिले में 35 करोड़ की लागत से नए जिला सरकारी अस्पताल की स्वीकृति दिलाई तथा उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा भी शासन द्वारा जारी कर दी गई है,उपरोक्त जानकारी देते हुए नगर पालिका शक्ति के पूर्व अध्यक्ष एवं जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष श्यामसुंदर अग्रवाल ने बताया कि नए सरकारी जिला अस्पताल के साथ ही 20 बिस्तरों का अस्पताल 12 करोड़ की लागत से बनेगा तथा ये सभी अस्पताल सर्व सुविधा युक्त होंगे। जिले के मरीजों को उच्च चिकित्सा उपचार हेतु बिलासपुर एवं रायपुर तथा अन्यत्र जाना पड़ता है,किंतु अब बड़ा सरकारी अस्पताल शक्ति में बनने से पूरे क्षेत्र वासियों को जहां बाहर जाने की समस्याओं से निजात मिलेगा तो वही शक्ति में ही सारी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध रहेगी।

कलेक्टर ने ली राजनैतिक दलों की बैठक,महत्पूर्ण बिन्दुओं पर हुई चर्चा

सक्ती 01 सितंबर (देशबन्धु)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती नूपुर राशि पन्ना की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राजनैतिक दलों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2023 अर्हता तिथि 01 अक्टूबर 2023 में दावा आपत्ति प्राप्त करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त से बढ़ाकर अब 11 सितम्बर 2023 सोमवार तक किया गया है। अब निर्वाचक नामावली का संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत नवीन मतदाताओं के नाम जोड़ने सहित मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं के नाम विलोपन और लिंग, आयु, पता इत्यादि संशोधन का कार्य उक्त नियत तिथि तक किया जाना है।

बैठक में उपस्थित विभिन्न राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए ईव्हीएम मशीन के रैंडमाइजेशन के दौरान उपस्थित रहने सहित अन्य महत्पूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा किया गया। इसके साथ ही बैठक में बताया गया कि जिले के सभी मतदान केन्द्रों में 02 सितंबर शनिवार एवं 03 सितंबर रविवार को पूर्व की भांति विशेष शिविर का आयोजन भी कराया जा रहा है। निर्धारित तिथि 11 सितम्बर 2023 तक प्राप्त दावा-आपत्तियों का निराकरण 28 सितम्बर 2023 तक किया जाकर मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन पूर्व की भांति 04 अक्टूबर 2023 को किया जावेगा। फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की संशोधित अवधि एवं मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर आयोजन सहित अन्य आवश्यक जानकारियों के संबंध में समस्त राजनैतिक दलों को अवगत कराया गया। बैठक में विभिन्न राजनैतिक दलों के पदाधिकारी तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

डिप्टी कलेक्टर ने किया सरिया और बरमकेला के 25 मतदान केन्द्रों का निरीक्षण

सारंगढ़ 1 सितंबर (देशबन्धु)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ फरिहा आलम सिद्दीकी के निर्देश पर डिप्टी कलेक्टर टी आर महेश्वरी ने जिले के बरमकेला और सरिया क्षेत्र के 25 मतदान क्रेन्द्रों में जाकर भारत निर्वाचन आयोग के गाइड लाइन के अनुसार डिप्टी कलेक्टर टी.आर. महेश्वरी, तहसीलदार शनिराम पैकरा और हल्का पटवारी की टीम ने मतदान केन्द्रों में निर्वाचन नामावलियों के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्रवाई का निरीक्षण किया। सरिया, बरपाली, सण्डा और बरमकेला सहित 25 मतदान केन्द्रों का भौतिक निरीक्षण किया। उन्होंने वहां पर उपस्थित बीएलओ, अभिहित अधिकारियों से द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य की जानकारी ली। नए मतदाता को जोड़ने के लिए प्रेरित करने कहा। निरीक्षण के दौरान निर्वाचन आयोग की दिशा निर्देश के अनुरूप मतदान केदो में शौचालय,रैम्प, बिजली, पंखा, शेड,पेयजल की व्यवस्था का निरीक्षण किया।

लोधिया में मनाया गया भोजली उत्सव

खरसिया 01 सितंबर (देशबन्धु)। नागपंचमी के दिन जवा बाटकर गाँव में सभी घर भोजली लगाया जाता है इससे गाँव में खुशहाली सुख समृद्धि एवं भाईचारे को बढ़ावा मिलता है, महिलाओं द्वारा हर घर शाम के समय घुम घुम कर हर घर भोजली गीत गाकर नौ दिन बाद रक्षाबंधन के दूसरा दिन सभी को एक घर एकत्रित कर भोजली को बाजे गाजे के साथ विर्सजन किया गया। खरसिया के ग्राम लोधिया में आदिम जनजाति सेवा सहकारी समिति तुरेकेला के प्रबंधक एवं छ ग कलार महासभा खरसिया परिक्षेत्र अध्यक्ष तिहारू जायसवाल के नेतृत्व मे विर्सजन किया गया जिसमें सरपंच रामबाई सिदार, उपसरपंच महिमा जायसवाल, राजीव युवा मितान क्लब अध्यक्ष डमरूधर जायसवाल, तुलसी बाई साहू, कुसुम जायसवाल, दिलीप बाई, फतेश्वरी बाई, मीना बाई, कृष्णा बाई, रंजीता, तानिया शामिल हुए।

कलेक्टर के निर्देश पर पटवारियों के कार्य ही हो रही समीक्षा

सारंगढ़ 01 सितंबर (देशबन्धु)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. फरिहा आलम सिद्दीकी की आदेश के पालन में समस्त तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक और पटवारी प्रत्येक गुरूवार को प्रात: 10 बजे तहसील कार्यालय में एक साथ, एक स्थान पर उपस्थित होकर राजस्व संबंधी समस्त कार्यों का निष्पादन पिछले दो सप्ताह से कर रहे हैं। इसके अंतर्गत समस्त पटवारी लंबित न्यायालयीन प्रतिवेदन, आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र संबंधी प्रतिवेदन एवं अभिलेख शुद्धता संबंधी कार्य तथा अन्य राजस्व संबंधी कार्यों को पूरा कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इस साप्ताहिक समीक्षा बैठक से राजस्व कार्यों के लंबित प्रकरणों का निराकरण शीघ्र होगा।

मित्रता का प्रतीक है भोजली पर्व-अमर सुल्तानिया

जांजगीर, 01 सितम्बर (देशबन्धु)। ग्राम खोखसा में पारम्परिक रूप से भोजली उत्सव मनाया गया जिसमें भाजपा जिला उपाध्यक्ष अमर सुल्तानिया भी शामिल हुए। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष अमर सुल्तानिया ने कहा कि भोजली पर्व मित्रता का प्रतीक है, गांवों में पारम्परिक रूप से एक दुसरे को भोजली भेंटकर मित्रता निभाने के लिए कसमें खाई जाती है, भोजली पर्व हमें भाईचारा, मित्रता के बंधन में बांध कर रखती है, भोजली पर्व सभी वर्ग के लोगो में एकता की भावना जागृत करती है लोग एक दुसरे के घर जाकर भोजली देते है एवं प्रसाद बांटते हैं। ग्राम खोखसा के भोजली उत्सव कार्यक्रम में गांव के महिलाओं द्वारा पारम्परिक वेषभूषा में छत्तीसगढ़ी पारम्परिक लोक गीत के साथ गांव के तालाब में भोजली का विसर्जन किया गया। श्री सुल्तानिया ने गांव के लोगो को भोजली पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर मुकेश भोपालपुरिया, भुपेन्द्र साहू, रामलल्ला सिंह,

एबीवीटीपीएस से सेवानिवृत्त हुए अतिरिक्त मुख्य अभियंता को दी गई विदाई

जांजगीर, 01 सितम्बर (देशबन्धु)। अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा से अगस्त माह में अतिरिक्त मुख्य अभियंता जीसी. रमानी सेवानिवृत्त हो गए। सेवानिवृत्ति हो रहे अधिकारी को पॉवर कंपनी परिवार की ओर से भावपूर्ण विदाई दी गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष कार्यपालक निदेशक एसके बंजारा ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए पॉवर कंपनी की ओर से आभार जताया।

कार्यपालक निदेशक के हाथों सेवानिवृत्ति अधिकारी को स्मृति चिह्न व सेवा प्रमाण-पत्र भेंट किया गया। समारोह में विशिष्टि अतिथि अतिरिक्त मुख्य अभियंता पीके श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ डॉ. आरके तिवारी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कांफ्रेंस हाल में आयोजित विदाई समारोह में कार्यपालक निदेशक एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा सेवानिवृत्त अधिकारी को स्वस्थ व सुखमय जीवन की शुभकामनाएं दी गईं। जीसी रमानी ने विद्युत मंडल एवं पॉवर कंपनी में 35 साल 8 दिन की सेवाएं दी हैं। श्री रमानी इलेक्ट्रिकल, टेस्टिंग एवं एमआईएस-आईटी के जानकार माने जाते रहे हैं। इस अवसर पर सेवानिवृत्ति श्री रमानी ने अपने कार्यकाल का अनुभव सुनाया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए कल्याण अधिकारी आरएस टेकाम द्वारा सेवानिवृत्ति अधिकारी का संक्षिप्त जीवन परिचय का उल्लेख किया गया। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता क्रिस्टोफर एक्का, धर्मेंद्र बंजारे, एन. लकरा, नंदकिशोर घृतलहरे, एसके तारेंद्र, जेके गायकवाड़, वीके सिंह, मुख्य रसायनज्ञ अभय मिश्रा, प्रकाशन अधिकारी बसंत शाहजीत समेत बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रामनारायण राठौर एवं विजय कुमार मिश्रा को विशेष सहयोग रहा।

अब पीडब्ल्यूडी बनाएगी 16 मीटर चौड़ी सड़क

नेताजी चौक से कचहरी चौक तक दोनों ओर बनेगी 8-8 मीटर चौड़ी सड़क

जांजगीर, 01 सितम्बर (देशबन्धु)। नेताजी चौक से कचहरी चौक तक दोनों ओर अब सड़क बनाने का काम पीडब्ल्यूडी विभाग करेगी। दोनों ओर 8-8 मीटर चौड़ी सड़क बनेगी। इसके लिए जिला प्रशासन ने डीएमएफ से पीडब्ल्यूडी विभाग को 98 लाख रुपए की स्वीकृति दे दी है। अब जल्द ही विभाग के द्वारा इसके लिए टेंडर जारी किया जाएगा। सब कुछ सही रहा तो बारिश के बाद काम भी शुरु हो जाएगा।

गौरतलब है कि नेताजी चौक से कचहरी चौक तक सड़क की हालत बदतर हो चुकी है। बड़े-बड़े गड्ढों के बीच से होकर लोगों को गुजरना पड़ रहा है। वैसे तो इस सड़क को राष्ट्रीय राजमार्ग के द्वारा बनाया जाना था परन्तु नगरपालिका के द्वारा सड़क के बीच डिवाइडर बनाने के लिए उस समय नेताजी चौक से कचहरी चौक तक सड़क का काम रोक दिया गया। अब एनएच ने सड़क बनाने से हाथ खड़े कर दिए। ऐसे में नेताजी चौक से कचहरी चौक तक सड़क निर्माण का काम ही मझधार में फंस गया। गड्ढों के बीच चलने मजबूर होना पड़ रहा है। इस पर जिला प्रशासन के द्वारा इस सड़क को बनाने के लिए संज्ञान लेते हुए पीडब्ल्यूडी विभाग से स्टीमेंट मांगा था और एक दिन पहले ही विभाग को दोनों ओर 8-8 मीटर चौड़ी सड़क बनाने 98 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दे दी है।

जिला प्रशासन से विभाग को प्रशासकीय स्वीकृति मिली है

नेताजी चौक से कचहरी चौक तक दोनों ओर 8-8 मीटर चौड़ी डामरीकरण सड़क बनाई जाएगी। इसके लिए जिला प्रशासन से विभाग को 98 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति मिल चुकी है। जल्द ही टेंडर की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी।

दलगंजन साय, एसडीओ पीडब्लयूडी जांजगीर

बैटरी चलित ट्रायसायकल पाकर मनराखन के खिले चेहरे

जांजगीर, 01 सितम्बर (देशबन्धु)। चलनशीलता दिव्यांगता से ग्रसित ग्राम कुटरा के मनराखन कश्यप, पिता रामचरण कश्यप द्वारा आज कलेक्टोरेट कार्यालय पहुंचकर बैटरी चलित ट्रायसायकल की मांग की गई। जिस पर अपर कलेक्टर एसपी वैद्य ने उनकी मांग पर संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल उपसंचालक समाज कल्याण को बैटरी चलित ट्रायसायकल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी राज्य सरकार छत्तीसगढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सह जनरल सेक्रेटरी एमके राउत, चेयरमेन अशोक अग्रवाल एवं अपर कलेक्टर एसपी वैद्य द्वारा कलेक्टोरेट परिसर में दिव्यांग मनराखन कश्यप को बैटरी चलित ट्रायसायकल प्रदान किया गया। ट्रायसायकल के मिलने से मनराखन कश्यप चेहरे खिल उठे एवं उन्होंने प्रशासन की संवेदनशीलता पर आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद स्थापित किया। इस अवसर पर दिनेश शर्मा, देवेश सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ स्वाति वंदना सिसोदिया, समाज कल्याण विभाग के उप संचालक टी पी भावे एवं डीपीएम उपस्थित थे।

दीक्षांत समारोह में खरसिया की बेटी शशि नायक को मिला स्वर्ण पदक

स्पेशल एजुकेशन इन लर्निंग डिसेबिलिटी में पूरे विश्वविद्यालय में रहीं प्रथम

खरसिया 01 सितंबर (देशबन्धु)। गुरुघासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के दसवें दीक्षांत समारोह में मदनपुर की होनहार बेटी शशि नायक ने बीएड स्पेशल एजुकेशन इन लर्निंग डिसेबिलिटी में पूरे विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर महामहिम राष्ट्रपति की उपस्थिति में आयोजित गरिमामय समारोह में विश्वविद्यालय गोल्ड मेडल अर्जित कर समूचे अंचल को गौरवान्वित किया। शुक्रवार 1 सितंबर को महामहिम राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के मुख्य आतिथ्य में एवं प्रदेश के राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश के उच्च शिक्षामंत्री उमेश पटेल, बिलासपुर लोकसभा के सांसद अरुण साव की विशेष उपस्थिति में विश्वविद्यालय के रजत जयंती सभागार में किया गया।

दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति के हाथों 28 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि और 76 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक दिया गया। समारोह में सत्र 2021-22 की विभिन्न परीक्षाओं में उत्तीर्ण 2897 छात्र-छात्राओं को उपाधि दिए जाने की घोषणा की गयी। वहीं प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले 72 विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, 10 दानदाता पदक, एक गुरु घासीदास पदक व एक कुलाधिपति पदक समेत 84 पदक प्राप्त किया। खरसिया के ग्राम मदनपुर निवासी जनपद पंचायत के सेवानिवृत्त लेखापाल हीरालाल नायक भातपुरवाले की होनहार सुपौत्री और स्व. रोहित नायक- भारती नायक की सुपुत्री शशि नायक को बीएड स्पेशल एजुकेशन इन लर्निंग डिसेबिलिटी की परीक्षा सत्र 2022 में गुरु धासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान अर्जित करने पर विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक दिया गया।

देश विदेश

उत्तर कोरियाई मानवाधिकारों के लिए अगले सप्ताह सियोल का दौरा करेंगी

सियोल, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत एलिजाबेथ सैल्मन उत्तर कोरिया के मानवाधिकारों को लेकर अगले सप्ताह दक्षिण कोरिया का दौरा करेंगी। वह इस दौरान सियोल के अधिकारियों के साथ-साथ शासन से अलग हुए लोगों से मुलाकात करेंगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार उत्तर कोरियाई दलबदलुओं के साथ-साथ विदेशी एकीकरण और न्याय अधिकारियों से मिलने के लिए सैल्मन के नौ दिवसीय प्रवास के लिए सोमवार को पहुंचने की उम्मीद है। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार वह 12 सितंबर को सियोल में एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित करने वाली हैं।

मणिपुर में हिंसा से जुड़े मामलों की तेजी से जांच के लिए बनेंगी 42 एसआईटी

इम्फाल, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। राजभवन के सूत्रों ने शुक्रवार को कहा कि मणिपुर में हिंसा से संबंधित सभी मामलों की तेजी से जांच के लिए कम से कम 42 विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किए जाएंगे। पूर्व उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डी.डी. पडसलगीकर, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट द्वारा सीबीआई और एसआईटी को सौंपे गए मामलों की निगरानी के लिए नियुक्त किया गया था, ने मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके से मुलाकात की और उन्हें राज्य में मौजूदा संकट से अवगत कराया।

राजभवन के सूत्रों ने कहा कि पडसलगीकर ने राज्यपाल को सूचित किया कि शुरुआत में 42 एसआईटी गठित की जाएंगी और मणिपुर में हिंसा से जुड़े सभी मामलों की तेजी से जांच की जाएगी। पूर्व उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार को हाल ही में मुख्य रूप से सीबीआई और एसआईटी द्वारा जांच किए गए मामलों की निगरानी के लिए मणिपुर में तैनात किया गया है। सूत्रों ने कहा, 'जहां तक पहाड़ी जिलों के मामलों का सवाल है, पडसलगीकर ने राज्यपाल को सूचित किया कि मामलों की जांच के लिए बीएसएनएल और एनआईसी के माध्यम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।' पडसलगीकर के मुताबिक, जांच की पहली स्टेटस रिपोर्ट अक्टूबर के पहले सप्ताह तक संबंधित अथॉरिटी को सौंप दी जाएगी। उन्होंने कहा कि उन्होंने कई राहत शिविरों का दौरा किया और शिविरों में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों से मुलाकात की। पडसलगीकर ने राज्यपाल से लोगों की मदद के लिए हर संभव कदम उठाने का अनुरोध किया।

■ पूर्व उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डी.डी. पडसलगीकर, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट द्वारा सीबीआई और एसआईटी को सौंपे गए मामलों की निगरानी के लिए नियुक्त किया गया था

राज्यपाल ने कहा कि केंद्र और राज्य दोनों सरकारों ने हिंसा प्रभावित लोगों को मदद पहुंचाने के लिए पहले ही आवश्यक साझा कार्यक्रम शुरू कर दिया है और संबंधित राज्य मशीनरी को उन लोगों को सहायता प्रदान करने और उन्हें फिर से यथाशीघ्र उनके स्थानों पर बसाने के लिए उपाय करने का निर्देश दिया है।

इस बीच, राज्यपाल ने मणिपुर और नागालैंड सेक्टर के नवनियुक्त सीआरपीएफ महानिरीक्षक अखिलेश प्रसाद सिंह के साथ मणिपुर की मौजूदा स्थिति के बारे में बातचीत करते हुए कहा कि सीआरपीएफ सहित केंद्रीय सुरक्षा बलों की समय पर तैनाती से स्थिति को बद से बदतर होने से रोका जा सका। इसके अलावा, राज्यपाल ने सिंह से घाटी और पहाड़ी जिलों में विभिन्न राहत शिविरों में शरण लेने वाले हिंसा प्रभावित लोगों को सहायता देने का अनुरोध किया। सीआरपीएफ आईजी ने कहा कि जातीय संघर्ष से उपजे मौजूदा संकट से वह पहले से ही भलीभांति परिचित हैं।

स्मार्ट मीटरों पर जम्मू कश्मीर उबाल पर, अब सरकार का विज्ञापन युद्ध

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। जम्मू कश्मीर में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों पर बवाल सरकार के विज्ञापन युद्ध के बाद और बढ़ गया है। पिछले कई महीनों से लखनपुर से लेकर कश्मीर के उड़ी तक इन मीटरों के विरूद्ध हो रहे हिंसक प्रदर्शनों के बावजूद प्रदेश सरकार ने अब पुन: सख्ती के साथ पेश आते हुए स्पष्ट किया है कि स्मार्ट मीटर हर हाल में लगेंगे। इन मीटरों के विरोध में प्रदेश में दो बार जम्मू बंद भी आयोजित किया जा चुका है। पर सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंगी है। अब उसने स्मार्ट मीटरों के पक्ष में विज्ञापन युद्ध छेड़ते हुए इसके फायदे गिनाने आरंभ किए हैं।

■ सरकार ने कहा पौने चार लाख लग चुके हैं और 22 लाख मीटर लगेगें

पिछले कई दिनों से स्थानीय अखबार स्मार्ट मीटरों के फायदे गिनाने वाले विज्ञापनों से तो पटे ही हैं, बिजली विभाग के आला अधिकारी भी स्थानीय स्तर पर पत्रकार वार्ताओं द्वारा इसके फायदे गिना रहे हैं। साथ ही वे चेतावनी के तौर पर स्पष्ट करने की कोशिश करते थे कि स्मार्ट मीटर की मुहिम नहीं रूकेगी। बिजली विभाग के अनुसार, प्रदेश में 22 लाख के करीब रजिस्टर्ड बिजली उपभोक्ता हैं और सभी के घरों में स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं। अभी तक पौने चार लाख मीटर ही लग पाए हैं क्योंकि मीटरों की आपूर्ति की गति कछुआ चाल से है। हालांकि सबसे अधिक बवाल प्री पेड मीटरों को लेकर है जिसकी गति को फिलहाल धीमा करने के साथ ही पुलिस प्रोटेक्शन में उन्हें लगाया जा रहा है।

इतना जरूर था कि हर बार की तरह बिजली विभाग ने एक बार फिर घोषणा की है कि जिन इलाकों में स्मार्ट मीटर लग चुके हैं वहां बिजली कटौती नहीं होगी। पर पहले की घोषणाओं को मजाक वह खुद ही कई बार उड़ा चुका है।

सुडोकू 6304

7	9			5			2	
		2	7					4
	8							
				7	8	4		9
	6						7	
1		4	3	2				
							6	
6					7	3		
	3			4			9	2

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6304

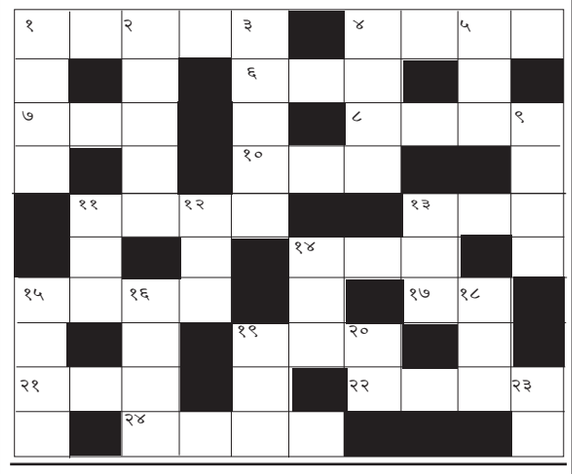

बायें से दायें:-

१. वित्त व्यवस्था
४. सभी लोगों के लिए सार्वजनिक
६. नौ प्रकार से, नौ खंडों में
७. प्रमाणित (उर्दू)
८. युद्ध नीति
१०. पैर, पद
११. पानी से भरा हुआ
१३. बड़ा भाई
१४. अनेक तरह का
१५. निर्दयी (उर्दू)
१७. सूर्य
१९. सही मार्ग से भटका हुआ, भिन्न मार्ग, गलत रास्ता
२१. प्रतिकार, प्रतिशोध०
२२. नीच मनुष्य
२४. ढूंढना, खोजना (उर्दू)

ऊपर से नीचे:-

१. मुताबिक
२. शरणागत की रक्षा करने वाला
३. पैसा जमा करना
४. मामूली, सामान्य
५. जन्म देने वाली माता
९. हिंदू धर्म का एक धार्मिक कृत्य जिसमें मृतक केनाम तिल मिश्रित जल की अंजलि देना
११. पेट, उदर
१२. धीमा, मंद
१३. होंठ
१४. चोट, आघात, नाश, हानि, अपहरण
१५. अकारण (उर्दू)
१६. विचाराधीन अभियुक्तों को रखने की जगह (उर्दू)
१८. मुखालफत
१९. मजबूर
२०. गाय-भैंस का स्तन
२३. शराब

वर्ग पहेली-6303

ब	ही	२ खा	ता	■	■	३ अ	प	४ वि	त्र
र	■	द्य	■	५ अ	ढ़	ट	■	रो	■
६ सा	कि	न	■	नु	■	७ क	ला	ध	८ र
त	■	लि	■	९ सा	य	ल	■	■	क्त
■	१० ब	का	११ सु	र	■	■	१२ रो	च	क
■	का	■	धा	■	१३ सं	बं	ध	■	म
१४ भ	या	१५ तु	र	■	ग्रा	■	१६ क	१७ पा	ल
ग	■	ला	■	१८ क	म	१९ ला	■	दु	■
२० द	रिं	दा	■	दा	■	२१ ल	ल	का	२२ र
ड़	■	२३ न	र	पि	शा	च	■	■	व

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

सुडोकू 6304 का हल

7	9	3	8	5	4	1	2	6
5	1	2	7	6	3	9	8	4
4	8	6	1	9	2	5	3	7
3	2	5	6	7	8	4	1	9
9	6	8	4	1	5	2	7	3
1	7	4	3	2	9	6	5	8
2	4	7	9	3	1	8	6	5
6	5	9	2	8	7	3	4	1
8	3	1	5	4	6	7	9	2

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : शनिवार 2 सितम्बर, 2023 भाद्र कृष्ण पक्ष 2

राशिफल

मेष - आज का दिन अत्यंत सावधानीपूर्वक व्यतीत करने की सलाह दी जाती है। सर्दी, कफ और बुखार के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। स्वजनों से वियोग हो सकता है।

वृषभ - आज आपकी आय और व्यापार में वृद्धि होने के योग हैं। व्यापार में नए लाभदायक संपर्क होंगे। परिजनों और मित्रों के साथ हंसी-खुशी के पल बिताने का अवसर मिलेगा। प्रवास - पर्यटन के योग हैं।

मिथुन - शारीरिक और मानसिक रूप से आज दिनभर प्रसन्न रहेंगे। व्यवसायिक क्षेत्र में काम की प्रशंसा होने से उत्साह भी बढ़ेगा। सहकर्मियों का भी सहयोग प्राप्त होगा। सामाजिक क्षेत्र में भी मान-सम्मान मिलेगा।

कर्क - आज का दिन आप धर्म, ध्यान तथा देवदर्शन में व्यतीत करेंगे। किसी तीर्थ स्थान पर जा सकते हैं। शारीरिक और मानसिक रूप से खुश रहेंगे। भाग्यवृद्धि के अवसर मिलेंगे। परिवार में भाई-बहनों के साथ आनंदपूर्वक समय गुजरेगा।

सिंह - आज का दिन थोड़ी सी प्रतिकूलताओं रहेगा। स्वास्थ्य के संबंध में आपको विशेष ध्यान रखना होगा। बाहर खाने- पीने से बचें। बीमारी के पीछे धन खर्च होगा। नकारात्मक विचार मन पर हावी होंगे।

कन्या - सामाजिक और सार्वजनिक क्षेत्र में लाभ मिलेगा। मित्रों से विशेष लाभ होगा। दांपत्यजीवन में परमसुख के पलों का अनुभव होगा। नए वस्त्र और आभूषणों की खरीदारी तथा पहनने का अवसर मिलेगा।

तुला - आज नौकरीपेशा लोगों के लिए अत्यंत लाभदायक दिन है। नौकरीवालों को उनके काम में यश और सफलता मिलेगी। पारिवारिक वातावरण अच्छा रहेगा। विरोधियों के समक्ष विजय मिलेगी।

वृश्चिक - साहित्यिक गतिविधियों के लिए आज का दिन शुभ फलदायक है। आप कोई कहानी-कविता लिखने के लिए योजना बना सकते हैं। आज किसी सामाजिक या राजनीतिक चर्चा में भाग ले सकते हैं।

धनु - आज आप में शारीरिक और मानसिक स्फूर्ति और ताजगी का अभाव रहेगा। परिवार में क्लेश कलह का वातावरण रहने से आपका मन उदास रहेगा। अनिद्रा सताएगी। माता के स्वास्थ्य को लेकर सावधानी बरतें।

मकर - आपका आज का पूरा दिन सुखमय गुजरेगा। अनुकूल परिस्थिति निर्मित होने पर आप सभी काम आज सरलतापूर्वक पूरा कर सकेंगे। मन में प्रसन्नता रहेगी। व्यापार- धंधे में आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। भागीदारी में लाभ होगा।

कुंभ - मन की दुविधाओं से आप में निर्णयशक्ति का अभाव होगा। परिणाम स्वरूप उलझन का अनुभव होगा। तबीयत थोड़ी नरम-गरम रहेगी। वाणी पर संयम बरतें, अन्यथा वाद-विवाद के कारण स्वजनों के साथ मनमुटाव होगा।

मीन - आज आप आनंद, उत्साह और प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। नए काम की शुरुआत लाभदायक साबित होगी। मित्रों, स्वजनों के साथ भोजन का आनंद उठाने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा के योग हैं।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

बाइडेन की जिनपिंग से मुलाकात नहीं होगी

वाशिंगटन, 1 सितम्बर (एजेंसियां) अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन की नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ आधिकारिक बैठक की योजना नहीं हैं। एनबीसी ब्रॉडकास्टर ने शुक्रवार को अमेरिकी प्रशासन के अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट दी है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक नयी दिल्ली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन में श्री जिनपिंग के आने की उम्मीद है और अगर वह सम्मेलन में शामिल होते हैं, तो भी दोनों नेताओं के बीच बातचीत औपचारिक अभिवादन और प्रसन्नता के आदान-प्रदान तक ही सीमित रहेगा। श्री बाइडेन और श्री जिनपिंग हालांकि आने वाले महीनों में सैन फ्रांसिस्को में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) सम्मेलन के मौके पर बैठक कर सकते हैं, हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। अमेरिका की वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो ने मीडिया को बताया, 'मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि अगर श्री जिनपिंग (एपेक सम्मेलन में) आएंगे तो यह उपयोगी होगा।' जी-20 शिखर सम्मेलन 9-10 सितम्बर तक भारत की राजधानी नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा जबकि एपेक इकोनॉमिक लीडर्स वीक नवंबर में अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में होगा।

वांग यी ने दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री के साथ की फोन वार्ता

बीजिंग, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री पार्क जिन के साथ 31 अगस्त को फोन पर बातचीत की। वांग यी ने कहा कि दक्षिण कोरिया के प्रति चीन की नीति निरंतरता और स्थिरता बनाए रखती है। द्विपक्षीय संबंधों के विकास में अंतर्जात प्रेरक शक्ति और अपरिहार्य तर्क हैं, और यह किसी तीसरे पक्ष द्वारा प्रभावित नहीं की जानी चाहिए। चीन और दक्षिण कोरिया को राजनयिक संबंध स्थापित करने के मूल इरादे पर कायम रहना चाहिए, मैत्रीपूर्ण सहयोग की सही दिशा पर कायम रहना चाहिए। दोनों देशों को लोगों के बीच आपसी समझ को बढ़ाना जारी रखना चाहिए और बाहरी कारकों के हस्तक्षेप को रोकना चाहिए। दोनों को संयुक्त रूप से द्विपक्षीय संबंधों की स्थिरता और दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देना चाहिए और अगले 30 वर्षों के लिए अधिक टिकाऊ, लचीला और घनिष्ठ सहयोग कायम करना चाहिए।

पार्क जिन ने चीन के कुछ क्षेत्रों में हाल ही में आई बाढ़ पर अपनी गंभीर संवेदना व्यक्त की। साथ ही उन्होंने हांगचो में आगामी 19वें एशियाई खेलों की पूर्ण सफलता और शांति और एकता के भव्य

आयोजन की कामना की। पार्क जिन ने कहा कि दक्षिण कोरिया और चीन करीबी पड़ोसी और महत्वपूर्ण साझेदार हैं। यह वर्ष दक्षिण कोरिया-चीन संबंधों के दूसरे 30 वर्षों की शुरुआत का प्रतीक है। दक्षिण कोरिया सरकार दक्षिण कोरिया और चीन के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के बाद से दोनों देशों के बीच संबंधों में हुई उपयोगी उपलब्धियों की सराहना करती है, और दक्षिण कोरिया व चीन के बीच संबंधों को महत्व देना और बढ़ावा देना जारी रखेगी।

ऑस्ट्रेलिया ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए महामारी वीज़ा किया ख़त्म

मेलबर्न, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने फरवरी 2024 से महामारी इवेंट वीजा को बंद करने की घोषणा की है। इस वीज़ा को 2020 में महामारी के चरम के दौरान श्रम की कमी को दूर करने और देश छोड़ने में असमर्थ अंतरराष्ट्रीय छात्रों की मदद के लिए पेश किया गया था। गृह मामलों के मंत्री क्लेयर ओ-नील और आव्रजन मंत्री एंड्रयू जाइल्स ने गुरुवार को संयुक्त रूप से कहा, 'फरवरी 2024 से, सभी आवेदकों के लिए वीज़ा बंद हो जाएगा। इससे हमारी वीज़ा प्रणाली को निश्चितता मिलेगी, क्योंकि वीज़ा के संचालन को रोकने वाली परिस्थितियां अब मौजूद नहीं हैं।' शनिवार से, नए आवेदनों को छह महीने का वीज़ा मिलेगा। इन नए परिवर्तनों के अनुसार, जिनके पास वैध महामारी वीज़ा है, वे तब तक वैध रहेंगे जब तक कि उनका वर्तमान वीज़ा समाप्त नहीं हो जाता। जिन लोगों के पास अन्य वीज़ा आवेदनों के लिए कोई विकल्प नहीं है, उनसे वीज़ा समाप्त होने पर ऑस्ट्रेलिया छोड़ने की उम्मीद की जाती है।

जाइल्स ने कहा, 'महामारी के दौरान महामारी इवेंट वीज़ा ऑस्ट्रेलिया की वीज़ा प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। अस्थायी वीज़ा पर कई लोगों ने इस अवधि के दौरान ऑस्ट्रेलिया की मदद की। हम उन लोगों के लिए एक अवसर प्रदान कर रहे हैं, जिनके पास महामारी इवेंट वीज़ा है, ताकि वे अन्य वीज़ा विकल्प तलाश सकें, या ऑस्ट्रेलिया छोड़ने के लिए योजना बना सकें।' यह कदम प्रधान मंत्री एंथनी अल्बनीस सरकार द्वारा हाल ही में कोविड-युग के उपायों की एक श्रृंखला को समाप्त करने के बाद आया है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए असीमित काम के घंटे और वर्किंग हॉलिडे वीजा धारकों के लिए काम की छूट शामिल है।

ट्रम्प ने 2020 जॉर्जिया चुनाव मामले में खुद को बताया निर्दोष

वाशिंगटन, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिणपूर्वी राज्य जॉर्जिया में 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में अपनी हार को पलटने के प्रयास के आरोपों में खुद को निर्दोष बताया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने फुल्टन काउंटी सुपीरियर कोर्ट में गुरुवार को दायर एक याचिका में कहा, मैं इस मामले में दोषी नहीं हूं। जॉर्जिया में 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के परिणामों को पलटने के प्रयासों को लेकर ट्रम्प और 18 अन्य को 14 अगस्त को दोषी ठहराया गया था।

फुल्टन काउंटी सुपीरियर कोर्ट के न्यायाधीश स्कॉट मैक्एफ़ी ने मामले में आरोपित ट्रम्प और अन्य के लिए दोषारोपण की सुनवाई 6 सितंबर के लिए निर्धारित की थी।

ट्रम्प के वकीलों ने न्यायाधीश से उनके मामले को उनके कुछ सह-प्रतिवादियों से अलग करने के लिए भी कहा, जिन्होंने मामले में शीघ्र सुनवाई की मांग की थी। पिछले हफ्ते, ट्रम्प ने खुद को जॉर्जिया के अटलांटा में आत्मसमर्पण कर दिया था। 2024 के रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के दावेदारों में सबसे आगे चल रहे ट्रम्प को चार आपराधिक मामलों में दोषी ठहराया गया है।

आज का इतिहास

1573- अकबर ने गुजरात को फतह किया।
1666- लंदन में भीषण आग लगने से छह लोगों की मौत हुई और दस हजार इमारतें नष्ट हो गयी।
1775- पहले अमेरिकी युद्ध पोत 'हाना' का जनरल जार्ज वाशिंगटन ने जलावतरण किया।
1989- अमेरिका में राजस्व विभाग बनाया गया।
1926- इटली और यमन के बीच हुए समझौते के तहत लाल सागर तट पर इटली का वर्चस्व कायम हुआ।
1930- 'क्रेश्चन मार्क' नामक विमान ने यूरोप से अमेरिका के लिए बिना कहीं रुके पहली बार उड़ान भरी।
1945- जापान के हार स्वीकार कर लिए जाने के बाद छह साल तक चला दूसरा विश्व युद्ध समाप्त हुआ।
1945- हो ची मिन्ही ने स्वतंत्र वियतनाम गणराज्य की स्थापना की।
1946- जवाहर लाल नेहरू के उप सभापतित्व में अंतरिम भारत सरकार का गठन।
1956- हैदराबाद से 100 किलोमीटर दूर जडचेराला और महबूब नगर के बीच पुल ढ़हने से 125 लोगों की मौत।
1962- सोवियत संघ क्यूबा को हथियार देने पर राजी हुआ।
1969- अमेरिका के न्यूयॉर्क में पैसे निकालने वाली मशीन ऑटोमेटेड टेलर मशीन (एटीएम) को पहली बार दुनिया के सामने पेश किया गया।
1970- कन्याकुमारी में विवेकानन्द स्मारक का उद्घाटन हुआ।
1990- काला सागर में सोवियत यात्री जहाज के डूबने से 79 यात्रियों की मौत।

संकट अमेरिका में गर्मियों के अंत में कोविड के मामलों में वृद्धि देखने को मिल रही

अमेरिका में फिर से पैर पसार रहा है कोविड

वाशिंगटन, 1 सितम्बर (एजेंसियां)। अमेरिका में गर्मियों के अंत में कोविड के मामलों में वृद्धि देखने को मिल रही है। एक हफ्ते में कोविड अस्पताल में भर्ती होने वालों के संख?या में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं, कोविड से मौतों के मामले में 21 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। एनपीआर की रिपोर्ट के अनुसार रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार एक सप्ताह में १`, लोगों को कोविड के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बढ़ते कोविड मामलों को देखते हुए कुछ स्कूलों, अस्पतालों और व्यवसायों के लोगों को फिर से मास्क पहनने के लिए कहा गया है। सीडीसी निदेशक मैंडी कोहेन ने आगाह किया कि जिन लोगों का टीकाकरण नहीं हुआ है उनके लिए कोविड जोखिम भरा बना हुआ है। जोखिम विशेष रूप से उन व्यक्तियों के लिए अधिक है, जिनका टीकाकरण नहीं हुआ है। वहीं, जिन्हें पहले संक्रमण नहीं हुआ है और जो अधिक उम्र के हैं या स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से पीड़ित हैं, उनके लिए भी खतरा हो सकता है। गुरुवार देर रात रिपोर्ट में बताया गया, 'अस्पताल में भर्ती होने वाले लगभग 70 प्रतिशत लोग 65 वर्ष और उससे अधिक उम्र के हैं।' स्वास्थ्य अधिकारी दो नए वेरिएंट पर नजर रख रहे हैं। ओमिक्रॉन वेरिएंट ईजी.5 (एरिस) अमेरिका में प्रमुख है और बीए.2.86 फैलना शुरू हो रहा है। सीडीसी ने पिछले हफ्ते चेतावनी दी थी कि बीए.2.86 उन लोगों में संक्रमण पैदा करने में अधिक सक्षम हो सकता है, जिन्हें पहले कोविड संक्रमण या टीके लगे हों। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश भर में कुछ संस्थानों के लोगों को अस्थायी रूप से मास?क पहनने को कहा गया है। विश्व स्तर पर मामले बढ़ने के कारण विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने ईजी.5 या एरिस को 'वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट' के रूप में नामित किया है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार ईजी-5 अनुक्रमों का सबसे बड़ा हिस्सा चीन (30.6 प्रतिशत) से है। हालांकि, उसका मानना है कि वैरिएंट कोई महत्वपूर्ण जोखिम पैदा नहीं करता है।

■ एक हफ्ते में कोविड अस्पताल में भर्ती होने वालों के संख्या में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई
■ कोविड से मौतों के मामले में 21 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई

दुनिया को जानें

हांगकांग ने शक्तिशाली तूफान साओला का आठ नंबर संकेत किया जारी किया

हांगकांग। हांगकांग वेधशाला ने शुक्रवार सुबह शक्तिशाली तूफान साओला के प्रभाव के मद्देनजर आठ नंबर का उत्तर-पश्चिम गेल या फिर तूफान का संकेत जारी किया। हांगकांग की मौसम प्रणाली के तहत नंबर 8 का संकेत तीसरी सबसे बड़ी चेतावनी है, जिसमें आमतौर पर तूफान के लिए पांच रैंकिंग हैं। मौसम विभाग ने उत्तर-पश्चिम की ओर से 63 किमी प्रति घंटे या उससे ज्यादा की गति से हवाएं चलने का अनुमान जताया है। तूफान के कारण हांगकांग में कई सार्वजनिक सेवाएं और गतिविधियां बंद कर दी गई है। इसके अलावा सभी स्कूलें बंद हैं और हांगकांग स्टॉक एक्सचेंज ने कामकाज बंद कर दिया है। तूफान के कारण हांगकांग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कई उड़ानें रद्द कर दी गई हैं और हांगकांग डिज़नीलैंड को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। शुक्रवार सुबह 10 बजे (0200 जीएमटी) तूफान साओला हांगकांग से लगभग 210 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व में केंद्रित था। इसका दक्षिण-पूर्व चीन में पर्ल रिवर एस्चुरी के आसपास के क्षेत्रों की ओर लगभग 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने का अनुमान है।

खेल जगत

7.99 मी की छलांग के साथ मुरली श्रीशंकर ज्यूरिख डायमंड लीग के फाइनल में

ज्यूरिख 1 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय लॉन्ग जंपर मुरली श्रीशंकर ने 7.99 मीटर की छलांग के साथ डायमंड लीग 2023 में पांचवा स्थान हासिल किया। उन्होंने अपने पहले प्रयास में ही 7.99 मीटर की छलांग लगाई। इसके साथ ही उन्होंने डायमंड लीग के फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। दूसरे और चौथे राउंड में श्रीशंकर ने 7.96 मीटर की छलांग लगाई जबकि उनका तीसरा प्रयास फाउल रहा। पांचवें राउंड में भारतीय एथलीट ने 7.93 मीटर की दूरी हासिल की। ज्ञातव्य है कि मुरली श्रीशंकर का लॉन्ग जंप में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड 8.41 मीटर है, जिसे उन्होंने इसी साल 18 जून को भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में हासिल किया था। ज्यूरिख डायमंड लीग 2023 में पुरुषों की लम्बी कूद में वर्ल्ड चैंपियन मिल्टियाडिस टेंटोग्लू ने अपने अंतिम प्रयास में 8.20 मीटर की छलांग के साथ पहला स्थान हासिल किया।

पाकिस्तान के खिलाफ भारत बल्लेबाजों की परीक्षा

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

- भारत के शीर्ष क्रम को अफरीदी व नसीम शाह से चौकस रहने की जरूरत
- बुमराह और श्रेयस अय्यर का फिट होना भारत के लिए अच्छी खबर

नई दिल्ली, 1 सितंबर (देशबन्धु)। अनुभवी कप्तान रोहित शर्मा और उनके सलामी जोड़ीदार शुभमन गिल के साथ सदाबहार विराट कोहली जैसे धुरंधर बल्लेबाजों की त्रिमूर्ति के साथ चोट के बाद वापसी कर रहे श्रेयस अय्यर पर चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ पालीकेल(श्रीलंका) में वनडे एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में शनिवार को ग्रुप ए अपने पहले मैच में भारत की नैया किनारे लगाने का दारोमदार रहेगा। भारत के शीर्ष क्रम में रोहित,शुभमन और विराट की त्रिमूर्ति और पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी, नसीम शाह व हैरिस रउफ जैसे रफ्तार के सौदागरों की त्रिमूर्ति के बीच रोचक संघर्ष मुमकिन है। भारत में अगले महीने आईसीसी वनडे विश्व कप होगा इसलिए इस बार एशिया कप भी वन डे फॉर्मेट के आधार पर ही खेला जाएगा। दोनों चिर प्रतिद्वंद्वी टीमों के बीच इस मैच पर हालांकि बारिश के रंग में भंग डालने की आशंका है। यदि बारिश ने रंग में भंग नहीं डाला तो भारत-पाकिस्तान के क्रिकेट प्रेमियों को बेशक रोमांचक क्रिकेट देखने को मिल सकता है। आसमान छाई बदली और नम मौसम में गेंद को मनचाहे ढंग से स्विंग कराने की कूवत के कारण पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी और नसीम शाह अफरीदी भारत के शीर्ष क्रम को बिखेर सकते हैं। भारत के शीर्ष क्रम को खासतौर पर पाकिस्तान के रफ्तार के सौदागर शाहीन शाह अफरीदी, नसीम शाह, हैरिस राउफ जैसे तेज गेंदबाजों की त्रिमूर्ति से चौकस रहना होगा। हालांकि पाकिस्तान के साथ लेग स्पिन ऑलराउंडर शादाब खान और बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज भी विकेट चटकाने में सक्षम हैं। सच तो यह कम से कम कागजों पर पाकिस्तान का गेंदबाजी आक्रमण भारत से बीस नजर आता है। फिट होने में जुटे केएल राहुल के पाकिस्तान और नेपाल के खिलाफ उपलब्ध शुरू के दो मैचों उपलब्ध न होने के कारण भारत अपने बल्लेबाजी संयोजन को लेकर असमंजस में हैं। संयोग से भारत के लिए रफ्तार के सौदागर जसप्रीत बुमराह और श्रेयस अय्यर का फिट होना अच्छी खबर है। भारत के हेड कोच राहुल द्रविड़ पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि चोट से उबरने के बाद हल्की चोट के कारण केएल राहुल एशिया कप में शुरू के दो मैचों-पाकिस्तान और नेपाल- के खिलाफ उपलब्ध नहीं होंगे। आईसीसी वन डे रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज भारत की खुशकिस्मती है कि उसके पास विकेटकीपर सलामी बल्लेबाज इशान किशन के रूप में अब केएल राहुल के बढिया विकल्प के रूप में उपलब्ध हैं। भारतीय टीम प्रबंधन को यह मुश्किल फैसला लेना होगा कि वह कप्तान रोहित व शुभमन गिल से पारी का आगाज कराए अथवा ईशान किशन को बल्लेबाजी में पांचवें नंबर पर भेजे। अब श्रेयस के फिट होने से भारत उन्हें तीसरे नंबर पर और विराट कोहली को चौथे नंबर पर उतार कर इशान को पांचवें नंबर पर भेज सकता है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के चोट के बाद वापसी कर आयरलैंड के खिलाफ उसके घर में भारत को अपनी दूसरे दर्जे की टीम के साथ उतरने के बाद अब पाकिस्तान के खिलाफ गेंद से तथा चोट से पूरी तरह उबर चुके बल्लेबाज श्रेयस अय्यर बल्ले सें दमदार प्रदर्शन कर भारत के जिताने को बेताब होंगे। बुमराह और श्रेयस यह दर्शाने को भर प्रतिबद्ध होंगे कि रोहित की अगुआई वाली भारतीय टीम अब अपने देश में अक्टूबर में होने वाले आईसीसी वन डे विश्व कप के लिए पूरी तरह तैयार हैं। भारत को दुनिया की नंबर 1 वन डे टीम पाकिस्तान के खिलाफ शनिवार को केएल राहुल के अनुभव की कमी जरूर अखरेगी। भारत ने पाकिस्तान से अपने पिछले पांच में चार मैच जीते हैं। भारत अंतिम बार जब पाकिस्तान से मैनचेस्टर में 2019 में आईसीसी वन डे विश्व कप में भिड़ा तो तब उसके अब मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा ने धमाकेदार शतक और कप्तान रहे विराट कोहली तथा केएल राहुल ने अर्द्धशतक जड़े थे। भारत ने तब पाकिस्तान से बारिश से प्रभावित विश्व कप का यह मैच डकवर्थ लुइस नियम आधार पर 89 रन से जीता था। भारत 2017 में अंतिम बार पाकिस्तान से आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल के रूप में अकेला मैच 280 रन से हारा था। कप्तान बाबर आजम (151)और इफ्तिखार अहमद (अविजित 109)के शतकों और लेग स्पिनर शादाब खान(4/27) और रफ्तार के सौदागर शाहीन शाह अफरीदी(2/27) के कहर से बेशक पाकिस्तान ने सबसे कमजोर नेपाल को अपने घर मुल्तान में 238 रन से करारी शिकस्त दे दमदार अंदाज किया हो लेकिन भारत के खिलाफ मैच का मिजाज एकदम अलग रहने की उम्मीद है। पाकिस्तान की बल्लेबाजी कप्तान बाबर आजम, फख्र जमां, विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान के साथ ऑलराउंडर इफ्तिखार अहमद पर निर्भर करेगी ही ऑलराउंडर शादाब खान और मोहम्मद नवाज में बल्ले से बाजी पलटने का दम है। भारत के लिए सबसे बढ़िया बात यह है कि अनुभवी जसप्रीत बुमराह का साथ निभाने के लिए मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज , उपकप्तान हार्दिक पांडया के रूप चार तेज गेंदबाज के साथ बाएं हाथ के लेफ्ट आर्म स्पिनर कुलदीप यादव और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के रूप में किसी भी वक्त विकेट चटकाने का रखने वाले स्पिनर के रूप में संतुलित स्पिन आक्रमण है। खासतौर पर बुमराह,मोहम्मद शमी मैच में शुरू और आखिर के ओवर में रनों पर लगाम लगाने के साथ विकेट चटकाना खूब जानते हैं। भारत के लिए बड़ा सवाल यह होगा कि वह दो लेफ्ट आर्म स्पिन ऑलराउंडरों-रवींद्र जडेजा व अक्षर पटेल के साथ उतरे या फिर बाएं हाथ के लेग स्पिनर कुलदीप यादव को उतारे। बुमराह, शमी और सिराज पर खासतौर पर पाकिस्तान की बल्लेबाज की रीढ़ माने जाने वाले बाबर आजम, विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान और निचले क्रम में इफ्तिकार अहमद को सस्ते में आउट पैवेलियन लौटा शनिवार को भारत को शुरूआती कामयाबी दिलाने की जिम्मेदारी रहेगी। पाकिस्तान के पास हालांकि फख्र जमा और इमाम उल हक के रूप में मजबूत सलामी जोड़ी है।

हम किसी भी प्रतिद्वंद्वी को हल्के में नहीं ले रहे, अब लक्ष्य खिताब जीतना : मनदीप मोर

नई दिल्ली, 1 सितंबर (देशबन्धु)। स्ट्राइकर मनिंदर सिंह के दस, उपकप्तान आक्रामक मिडफील्डर मोहम्मद रहील के सात, पवन राजभर और गुरजोत के पांच-पांच , सुखविंदर के चार, कप्तान मनदीप मोर के तीन तथा जुगराज सिंह के एक गोल की बदौलत भारत ने गोल की बारिश कर जापान को सलाला(ओमान) में पुरुष एशियन हाकी 5 विश्व क्वॉलिफायर मे इलीट पूल मैच में बृहस्पतिवार 35-1 से तथा इससे पहले मलयेशिया को 7-5 से करारी शिकस्त दी। जापान के लिए अकेला गोल मासाताका कोबोरी ने खेल खत्म होने से एक मिनट पहले दागा।

भारत के लिए बुधवार रात पाकिस्तान के हाथों 4-5 से हार मानों नींद जगाने वाली साबित हुई। भारत ने अपने इलीट पूल मैचों की समाप्ति पर पांच मैचों में चार जीत और मात्र एक हार के साथ कुल 12 अंकों के साथ दूसरे इलीट सेमीफाइनल में स्थान बना लिया। पाकिस्तान की टीम मलयेशिया के साथ एक ड्रा और चार जीत के साथ कुल 13 अंकों के साथ पहले सेमीफाइनल में पहुंच गई। भारत के लिए मलयेशिया के खिलाफ गुरजोत ने पांच व मनिंदर व रहील ने एक- एक गोल किया। मलयेशिया के लिए कमरूल जमां ने दो तथा अरिफ इशाक, कप्तान अबू इस्माइल, दीन मोहम्मद ने एक-एक गोल किया।

भारत दूसरे सेमीफाइनल में मलयेशिया, जापान अथवा ईरान से शनिवार दोपहर डेढ़ बजे भिड़ेगा। मलयेशिया इलीट पूल चरण में ओमान पर 10-4 की जीत के साथ तीसरे स्थान पर रहा। पाकिस्तान ने जापान को 26-1से हराया और पूल चरण में अंतिम स्थान पर रहा। भारत के कप्तान मनदीप मोर ने कहा, %हम किसी भी प्रतिद्वंद्वी टीम को हल्के में नहीं ले रहे। हम मलयेशिया और जापान के खिलाफ खेल कर, इन दोनों टीमों को की ताकत को जान चुके हैं और हमें मालूम है कि हमें इनके खिलाफ क्या करना है।

हम उम्मीदकरते हैं कि यदि हम सेमीफाइनल में इन दोनों के खिलाफ भिड़े तो हमें क्या करना है। ईरान की टीम भी मौजूदा टूर्नामेंट में बढिया फॉर्म में है और हमने उसके मैचों का अध्ययन किया है और हम उसी के मुताबिक रणनीति बनाएंगे। हमारी टीम का लक्ष्य खिताब जीतना है। हमारी टीम पूरे टूर्नामेंट में अच्छे रंग में है और हमने बतौर टीम एक इकाई के रूप में अपनी लय पा ली है। मेरा मानना है कि हमारी टीम में खिताब जीतने का मौका है। इससे पहले खिताब का दावा पेश करने के लिए हमें फाइनल में स्थान बनाना होगा। भारत की टीम सेमीफाइनल जीतती है तो उसके फाइनल में जीत खिताब जीतने का मौका होगा। यदि भारतीय टीम सेमीफाइनल हारी तो फिर वह तीसरे -चौथे स्थान के लिए भिड़ेगी।

पीकेएल सीजन 1 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी स्थगित

मुंबई, 1 सितंबर (एजेंसियां)। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आयोजकों ने आगामी सीजन 10 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी को स्थगित कर दिया है। ताकि, राष्ट्रीय टीमों को चीन के हांगझाऊ में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारी के लिए समय मिल सके। यह निर्णय भारत में इस खेल के लिए आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त संस्था, अमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एकेएफआई) के प्रशासक के अनुरोध पर लिया गया है। खिलाड़ियों की नीलामी पहले 8-9 सितंबर को होने वाली थी।

मशाल स्पोर्ट्स के एक प्रवक्ता ने कहा, एशियाई खेलों में कबड्डी प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय पुरुष और महिला टीमों की चल रही तैयारियों को देखते हुए हमें एकेएफआई प्रशासक से पीकेएल सीज़न 10 खिलाड़ी नीलामी को स्थगित करने का औपचारिक अनुरोध प्राप्त हुआ है। मशाल और एकेएफआई का मानना है कि यह भारतीय कबड्डी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण आयोजन है। पीकेएल सीजन-10 खिलाड़ी नीलामी के स्थगित होने पर परामर्श के हिस्से के रूप में, मशाल ने एकेएफआई प्रशासक को उस योजना और तैयारियों के बारे में जानकारी दी जो पीकेएल टीमों, पीकेएल प्रसारण भागीदार और मशाल स्पोर्ट्स ने 8-9 सितंबर की पूर्व निर्धारित तारीखों के लिए की है।

मशाल स्पोर्ट्स के प्रवक्ता ने कहा, प्रशासक ने हमारी 12 टीमों और ब्रॉडकास्टर सहित सभी पीकेएल हितधारकों ने इस बदलाव को स्वीकार किया है और उसकी सराहना की है। मशाल स्पोर्ट्स अब पीकेएल टीमों और पीकेएल के प्रसारण भागीदार स्टार स्पोर्ट्स के परामर्श से पीकेएल सीजन-10, खिलाड़ियों की नीलामी की अगली तारीखों की घोषणा करेगी।

रोहन बोपन्ना-अल्डिला सुत्जियादी की जोड़ी यूएस ओपन के दूसरे दौर

न्यूयार्क 1 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और इंडोनेशियाई की अल्डिला सुत्जियादी की मिश्रित जोड़ी ने शुक्रवार को यूएस ओपन 2023 में अपने शुरुआती राउंड में जीत दर्ज करते हुए अगले राउंड में प्रवेश किया। रोहन बोपन्ना और अल्डिला सुत्जियादी की गैरवरीयता प्राप्त जोड़ी ने न्यूयॉर्क के यूएसटीए बिली जीन किंग नेशनल टेनिस सेंटर में जर्मनी के एंड्रियास मिज़ और रूसी खिलाड़ी वेरा ज्वोनारेवा पर 7-5, 6-2 से जीत दर्ज कर दूसरे राउंड में प्रवेश किए। हले सेट में करीबी मुक़ाबला खेलने के बाद बोपन्ना और अल्डिला की जोड़ी ने निर्णायक ब्रेक प्वाइंट जीत कर पहले सेट को अपने नाम कर लिया। दूससे सेट में भारतीय-इंडोनेशियाई जोड़ी ने 3-0 की बढ़त के साथ दूसरे सेट की शुरुआत की। इस सेट में भी बोपन्ना और अल्डिला की जोड़ी ने लगातार विरोधी टीम पर दबाव बनाए रखा और 67 मिनट तक चले मैच को सीधे सेटों से जीत कर प्रतियोगिता के दूसरे राउंड में पहुंच गए। रोहन बोपन्ना ने 2018 के एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता अल्डिला सुत्जियादी के साथ पहली बार जोड़ी बनाई है। 28 वर्षीय अल्दिला ने फ्रेंच ओपन और विंबलडन के मिश्रित युगल सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। 43 वर्षीय रोहन बोपन्ना और उनके पुरुष युगल ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी मैथ्यू ऐबडेन ने भी गुरुवार को पुरुष युगल के दूसरे राउंड में जगह बना ली है। विंबलडन 2023 के सेमीफाइनल में पहुंची इंडो-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी का शुक्रवार को दूसरे दौर में रोमन सफीउलिन और एंड्री गोलुबेव की रूसी-कजाख जोड़ी से मुक़ाबला होगा। यूएस ओपन पुरुष युगल ड्रॉ में, भारत के युकी भांबरी और उनके ब्राजीलियाई साथी मार्सेलो डेमोलिनर को पहले राउंड में नौवीं वरीयता प्राप्त पोलिश जोड़ी जान ज़िलेंस्की और ह्यूगो निस से 3-6, 5-7 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले भारत के साकेत माइनेनी और उनके रूसी साथी असलान करातसेव को भी पुरुष युगल के पहले राउंड में हार का सामना करना पड़ा था और यूएस ओपन 2023 से बाहर हो गए थे।

सार संक्षेप

तुर्की का भारोत्तोलक प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन का दोषी

जिनेवा। अर्मेनिया में इस साल की यूरोपीय भारोत्तोलन चैंपियनशिप में 81 किग्रा में रजत पदक हासिल करने वाले तुर्की के बटुहान युकसेल को प्रतिबंधित एनाबॉलिक स्टेरॉयड ऑक्सीमिथोलोन के सेवन का दोषी माना गया है। अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (आईटीए) ने गुरुवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। यह निष्कर्ष तुर्की की भारोत्तोलक टीम की पेरिस 224 की ओलंपिक यात्रा को खतरे में डाल सकता है। यह तीन महीने में तीसरी घटना है जब एक तुर्की भारोत्तोलक को डोपिंग उल्लंघन का सामना करना पड़ा है। तुर्की के अलावा कजाकिस्तान, यूक्रेन और तुर्कमेनिस्तान अन्य देश हैं जिनके भारोत्तोलक पिछले एक साल में डोपिंग टेस्ट में पाजिटिव पाये गये हैं। युकसेल (23) का 28 जुलाई को आईटीए द्वारा एक गैर-प्रतिस्पर्धा परीक्षण किया गया था। अप्रैल में, आईटीए ने खुलासा किया कि दो तुर्की एथलीट, हकन कुर्नाज़ और पेलिनसु बायव ने स्टेरॉयड मेथैस्टरोन के लिए सकारात्मक परीक्षण किया था।

अवनि, युवराज विश्व एमेच्योर गोल्फ चैंपियनशिप में नेतृत्व करेंगे

नई दिल्ली। एशियाई खेलों में भाग लेने वाली गोल्फर अवनि प्रशांत, जिनका सीज़न सनसनीखेज रहा है, अक्टूबर में विश्व एमेच्योर टीम चैंपियनशिप (डब्ल्यूएटीसी) में महिलाओं के लिए एस्पिरिटो सेंटो ट्रॉफी प्रतियोगिता के लिए भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगी। भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) ने 25 से 28 अक्टूबर तक अबु धाबी में होने वाले प्रतिष्ठित शौकिया गोल्फ कार्यक्रम के लिए अन्य दो खिलाड़ियों के रूप में निश्ना पटेल और मन्नत बरार को भी चुना है। वर्ष की शुरुआत में क्वीन सिरिकिट कप व्यक्तिगत खिताब की विजेता अवनी शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने लेडीज यूरोपियन टूर के एक्सेस टूर पर एक प्रो इवेंट में खिताब जीता है। वह एलईटी एक्सेस टूर पर खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। निश्ना मनीला में एपीजीसी जूनियर्स में उपविजेता रही, जहां अवनि ने पहले क्वीन सिरिकिट में सफलता हासिल की थी। मन्नत भी अच्छी फॉर्म में है और उसने हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर के प्रो इवेंट में भी भाग लिया है। आईजीयू अध्यक्ष ब्रिजिंदर सिंह ने कहा, अवनि, निश्ना और मन्नत ने इस सीज़न में शानदार प्रदर्शन किया है और हमें उनसे बहुत उम्मीदें हैं। हमारे सभी खिलाड़ियों के पास अच्छा अनुभव है क्योंकि आईजीयू ने उन्हें कई आयोजनों के लिए भारत से बाहर भेजा है। अवनि भी एशियाई खेलों के लिए जा रही है, इसलिए हम काफी उत्साहित हैं। महिलाओं के आयोजन से एक सप्ताह पहले आइजनहावर ट्रॉफी के लिए पुरुषों की प्रतियोगिता होगी और आईजीयू ने तीन सदस्यीय टीम की घोषणा की है जिसमें युवराज सिंह, शौर्य भट्टाचार्य और रोहित शामिल हैं।

हर पाकिस्तानी गेंदबाज के खिलाफ भारत को बनानी होगी विशेष योजना : हेडन

मुबंई 1 सितंबर (एजेंसियां)। आस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेट दिग्गज मैथ्यू हेडन का मानना है कि पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप 2023 मुकाबले में भारतीय बल्लेबाजों को पड़ोसी मुल्क के हर गेंदबाज के साथ विशेष योजना के साथ मैदान पर उतरना होगा।

स्टार स्पोर्टस के गेम प्लान कार्यक्रम में हेडन ने कहा भारत पाकिस्तान की खतरनाक तिकड़ी शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ और नसीम शाह के खिलाफ खेलने उतरेगा। मैं आपको बता सकता हूं कि यह सबसे मसालेदार मुकाबलों में से एक होने वाला है। तीन अलग-अलग तरह के और अनोखे गेंदबाजों के लिए टीम इंडिया को अनोखी योजना की जरूरत है। यहां कैंडी की परिस्थितियों में काफी उछाल है, इसलिए आपको विशेष रूप से हारिस रऊफ से बेहद सतर्क रहना होगा। शाहीन की उस गेंद को हम कभी नहीं भूलेंगे जो उन्होंने कप्तान रोहित शर्मा को फेंकी थी, इसलिए शाहीन अफरीदी के खिलाफ थोड़ी सावधानी बरतनी होगी। विशेषकर पहले तीन ओवर भारतीय बल्लेबाजी की दिशा तय करेंगे। उन्होने कहा मुझे लगता है कि भारतीय बल्लेबाज नसीम जैसे खिलाड़ी के खिलाफ आक्रामक खेल में सफल हो सकते हैं। उसे दबाव में रखें, ऐसा महसूस करें कि आप खेल में सबसे आगे हैं। हालाँकि, कुल मिलाकर, मुझे लगता है कि टीम इंडिया ही जीतेगी। मुझे लगता है कि भारतीय बल्लेबाजी में गहरायी और उत्तम दर्जे की बल्लेबाजी लाइनअप है। इस बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच संजय बांगड़ ने कहा विराट कोहली पाकिस्तान के प्रत्येक गेंदबाज के खिलाफ विशेष रणनीति अपनाएंगे। पिछली बार जब ये दोनों देश खेले थे, तो विराट एक विशेष पारी लेकर आए थे और हारिस रऊफ के खिलाफ खेला गया वह शॉट लंबे समय तक क्रिकेट प्रेमियों की यादों में रहेगा। कुल मिलाकर विराट की भूमिका इस बार भी भारत के लिहाज से काफी अहम होने वाली है।

मुझे पसंद है कि पाकिस्तान को कम आंका जाए : वसीम अकरम

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। दिग्गज गेंदबाज और पूर्व कप्तान वसीम अकरम पाकिस्तान टीम के हालिया प्रदर्शन से काफी खुश नजर आ रहे हैं और उन्होंने इस सफलता का श्रेय टीम की कड़ी मेहनत को दिया। इन दिनों बाबर आजम की टीम वनडे और टी20 दोनों में दमदार खेल रही है। अकरम ने कहा कि वो नहीं चाहते कि एशिया कप में प्रबल दावेदार होने का बोझ टीम के प्रदर्शन पर पड़े। इसलिए, उनका मानना है कि टीम को हार-जीत पर नहीं केवल अपने प्रदर्शन पर ध्यान देना चाहिए। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के खिलाफ क्लीन स्वीप के बाद एशिया कप में प्रवेश किया और नेपाल के खिलाफ अपना पहला मैच जीता। फॉक्स स्पोर्ट्स से

बात करते हुए अकरम ने टीम पर अपने विचार व्यक्त किए और टीम के प्रदर्शन से खुश दिखे। अकरम ने बताया, मुझे पसंद है कि पाकिस्तान को कम आंका जाए, या अंडरडॉग्स कहा जाए। मैं नहीं चाहता कि वे प्रबल दावेदार के रूप में जाएं। अगर आप कम महत्वपूर्ण टीम हैं, तो आपके पास मौका है और पाकिस्तान टीम की सही तैयारी चल रही है। उन्होंने आगे कहा, जहां तक तैयारी की बात है, शारीरिक तैयारी, मानसिक तैयारी, परिस्थितियों, पिचों, मौसम से अभ्यस्त होना और सभी तैयारी सही रास्ते पर है। एक टीम के रूप में वो खुश दिखते हैं, सुलझे हुए नजर आते हैं और उन्हें जीत भी मिल रही है। इसलिए, सब कुछ ठीक चल रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं कि वे प्रबल दावेदार हैं। नेपाल पर 238 रनों की शानदार जीत के साथ पाकिस्तान ने अपने एशिया कप अभियान की विजयी शुरुआत की। पाकिस्तान के मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया यह मैच एकतरफा रहा। अब बाबर की टीम की टक्कर भारत से है। इस बहुप्रतीक्षित मुकाबले में पाकिस्तान 2 सितंबर को चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से भिड़ेगा, जिसकी नजर टूर्नामेंट में जीत के साथ शुरुआत करने पर होगी।

पेरिस ओलंपिक में खिताब बचाने की होगी चुनौती : नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा ने शुक्रवार को स्वीकार किया कि अगले साल पेरिस में होने वाले ओलंपिक खेलों में उन्हे अपने पिछले प्रदर्शन में सुधार कर खिताब बचाने की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। नीरज ने कहा, अगले साल पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक का बचाव करना बड़ी चुनौती होगी। टोक्यो ओलंपिक में पहला खिताब जीतना चुनौती थी और अब इसका बचाव करना इससे भी बड़ी चुनौती होगी। मुझे पता है कि हर देश का एथलीट पूरी तैयारी के साथ आयेगा। इसलिए दवाब बनना तो तय है क्योंकि मुझसे करोड़ो भारतीयों की उम्मीदें बंधी होंगी । उन्होने कहा कि इसके लिये जरूरी है कि मैं खुद को फिट बनाये रखूं और चोटों से बचा रहूं। मेरी कोशिश रहेगी कि मै अपना खिताब बचाने में सफल रहूं और इसके लिए जितनी भी मेहनत करने की जरुरत होगी, मैं करुंगा। '' गौरतलब है कि बुडापेस्ट में विश्व खिताब जीतने के बाद नीरज ओलंपिक और विश्व चैम्पियनशिप खिताब दोनों जीतने वाले इतिहास के तीसरे भाला फेंक एथलीट बन गये हैं। उनसे पहले जेलेज्नी और नार्वे के आंद्रियास थोरकिल्डसन ने लगातार ओलंपिक और विश्व चैम्पियनशिप खिताब जीते थे। जेलेज्नी ने 1992, 1996 और 2 में ओलंपिक स्वर्ण जबकि 1993, 1995 और 21 में विश्व चैम्पियनशिप खिताब जीते थे जबकि थोरकिल्डसन ने 28 ओलंपिक और 29 विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीते थे। नीरज गुरुवार को ज्यूरिख डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे थे।

डायमंड लीग में नीरज को दूसरा स्थान

ज्यूरिख। ओलंपिक चैंपियन और मौजूदा विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा ने शुक्रवार को जैवलिन थ्रो में 85.71 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ ज्यूरिख डायमंड लीग चैंपियनशिप 2023 में दूसरा स्थान हासिल किया। चेक गणराज्य के जैकब वाडलेच ने 85.86 मीटर के साथ पहला स्थान हासिल किया जबकि जर्मनी के जूलियन वेबर 85.04 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे। नीरज चोपड़ा का सर्वश्रेष्ठ थ्रो 89.94 मीटर है, जो एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। इस परिणाम के साथ ही 2023 सीज़न में नीरज चोपड़ा का लगातार जीत हासिल करने का सिलसिला भी समाप्त हो गया। ज्यूरिख प्रतियोगिता में हिस्सा लेने से पहले, भारतीय भाला फेंक एथलीट ने दोहा और लुसाने में डायमंड लीग चरण में जीत हासिल की थी। इसके अलावा उन्होंने बुडापेस्ट में हुए विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी ऐतिहासिक स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। नीरज चोपड़ा ने ज्यूरिख में 80.79 मीटर के थ्रो के साथ प्रतियोगिता की शुरुआत की, लेकिन उनका दूसरा और तीसरा प्रयास फाउल हो गया। पहले राउंड में एडिस मातुसेविसियस के अलावा कोई अन्य भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा से अधिक दूरी तय नहीं कर सका, जिन्होंने 81.62 मीटर का थ्रो करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता जैकब वाडलेच के अलावा वेबर जूलियन का भी पहला थ्रो फाउल रहा। हालांकि, दूसरे प्रयास में वेबर जूलियन (84.75 मीटर) ने शानदार वापसी की और पहला स्थान हासिल किया। उनके अलावा जैकब वाडलेच (83.46 मीटर) और ओलिवर हेलांडर (81.63 मीटर) ने भी बेहतरीन वापसी की।

अर्थ जगत

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

पावरग्रिड	2.50 प्रतिशत
एलटी	2.09 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	1.95 प्रतिशत
एचडीएफसी	1.01 प्रतिशत
सन फार्मा	0.89 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

रिलायंस	1.11 प्रतिशत
नेस्ले इंडिया	0.97 प्रतिशत
एचसीएल टेक	0.67 प्रतिशत
टाइटन	0.59 प्रतिशत
आईटीसी	0.56 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2500-3000
गेहूं दड़ा	2150-2160
आटा	2800-2290
मैदा	945-950
चोकर	620-630

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

बासमती औसत किस्म	4500-4600
परमल	1750-1775
चावल सेला	2250-2350
आरआर (आठ)	1650-1670

दाल-दलहन

चना	4,850-4,950
दाल चना	4,850-4,950
मसूर काली	7,800-7,900
उड़द दाल	10300-10400
मूंग दाल	7,900-8,000
अरहर दाल	9700-9800

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार जारी तेजी के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज भी अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

अगस्त में 1.59 लाख करोड़ का जीएसटी संग्रह

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व संग्रह इस वर्ष अगस्त में 1.59 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है जो पिछले वर्ष अगस्त में संग्रहित जीएसटी 143612 करोड़ रुपये की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक है। इस वर्ष जुलाई में जीएसटी राजस्व संग्रह 1.65 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा था। इस वर्ष अप्रैल में रिकार्ड 1.87 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी राजस्व संग्रहित हुआ था जो अब तक का सर्वाधिक राजस्व था। इससे पहले पिछले वर्ष अप्रैल में यह राशि 167540 करोड़ रुपये रहा था। पिछले 17 महीने से जीएसटी राजस्व संग्रह 1.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक बना हुआ है। मार्च 2023 में यह 160122 करोड़ रुपये रहा था। वित्त मंत्रालय ने आज यहां जीएसटी राजस्व संग्रह का आंकड़ा जारी किया जिसमें अगस्त 2023 में संग्रहित राजस्व 159069 करोड़ रुपये रहा है। इस वर्ष जुलाई में संग्रहित राजस्व में सीजीएसटी 28328 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 35794 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 83251 करोड़ रुपये रहा जिसमें आयात पर संग्रहित कर 43350 करोड़ रुपये शामिल है। उपकर संग्रह 11695 करोड़ रुपये रहा जिसमें आयात पर संग्रहित कर 1016 करोड़ रुपये शामिल है। सरकार ने नियमित निपटान के तहत आईजीएसटी में से सीजीएसटी में 37581 करोड़ रुपये और एसजीएसटी में 31408 करोड़ रुपये दिये है। इस तरह से अगस्त में सीजीएसटी 65909 करोड़ रुपये और एसजीएसटी 67202 करोड़ रुपये रहा है।

दो हजार के 93 प्रतिशत नोट वापस आए

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दो हजार रुपये के नोट के चलन से वापस लिये लाने के बाद अब तक 93 प्रतिशत नोट लोगों ने जमा करा दिये हैं जबकि सात प्रतिशत नोट अभी भी जाम कराये जाने हैं। केन्द्रीय बैंक ने आज यहां जारी बयान में कहा गया है कि 31 अगस्त, 2023 तक प्रचलन से 2000 रुपये के 93 प्रतिशत बैंक नोट अर्थात 3.32 लाख करोड़ रुपये वापस आये जबकि 0.24 लाख करोड़ रुपये के बैंक नोट प्रचलन में अभी भी है। 19 मई 2023 तक 3.56 लाख करोड़ रुपये के नोट प्रचलन में थे। रिज़र्व बैंक ने 19 मई, 2023 को 2000 के बैंक नोटों को वापस लेने की घोषणा की थी। प्रचलन में 2000 के बैंक नोटों का कुल मूल्य, जो 31 मार्च को 3.62 लाख करोड़ था। 19 मई, 2023 को कारोबार की समाप्ति पर 2023 घटकर 3.56 लाख करोड़ रह गया था। प्रमुख बैंकों से एकत्र किए गए आंकड़ों से पता चलता है कि प्रचलन से वापस प्राप्त 2000 रुपये मूल्यवर्ग के कुल बैंकनोटों में से लगभग 87 प्रतिशत जमा के रूप में हैं और शेष लगभग 13 प्रतिशत को अन्य मूल्यवर्ग के बैंकनोटों में बदल दिया गया है। केन्द्रीय बैंक ने लोगों ने मौजूद 2000 रुपये के बैंक नोटों को जमा करने या बदलने के लिए 30 सितंबर, 2023 तक की शेष अवधि का उपयोग करने की अपील की है।

भारत, थाईलैंड में शुष्क मौसम ने बढ़ाई चीनी की कीमत

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। भारत तथा दूसरे चीन उत्पादक देशों में अल नीनो प्रभाव के कारण मौसम शुष्क रहने से वैश्विक स्तर पर चीनी के दाम इस साल 40 प्रतिशत बढ़ गये हैं। एसएंडपी जीएससीआई कृषि सूचकांक का हवाला देते हुये राबो बैंक की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गेहूं और मक्का दोनों के वायदा भाव में उल्लेखनीय गिरावट आई है।

अमेरिकी अनाज के रकबे में सात साल में सबसे बड़ी वार्षिक वृद्धि के साथ बड़े पैमाने पर ब्राजीलियाई मकई की रिकॉर्ड फसल, और काले सागर से महत्वपूर्ण गेहूं निर्यात प्रवाह की निरंतरता से कीमतों में कमी आई है और एसएंडपी जीएससीआई कृषि सूचकांक में माह दर माह आधार पर दो प्रतिशत की नरमी दर्ज की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गेहूं और मक्के के विपरीत चीनी, कोको, रोबस्टा कॉफ़ी और ऑस्ट्रेलियाई गेहूं के लिए मौसम का जोखिम अधिक बना हुआ है, क्योंकि अल नीनो का प्रभाव अधिक स्पष्ट हो गया है। भारत विशेष रूप से काफी शुष्क हो रहा है, जिससे चीनी की कीमत बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, चीनी के मामले में प्रभाव अधिक तत्काल हो सकता है। अल नीनो थाईलैंड, भारत और ऑस्ट्रेलिया को सामान्य से अधिक शुष्क बना सकता है। ब्राजील के बाद ये तीन सबसे बड़े निर्यातक हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अल नीनो के प्रभाव की आशंका से इस साल अब तक दाम 40 प्रतिशत बढ़ चुके हैं।

भारत और थाईलैंड पहले से ही शुष्क हैं, और उत्पादन अनुमान को संशोधित कर घटाया गया है। भारत के प्रमुख चीनी उत्पादक क्षेत्र महाराष्ट्र में जलाशयों में पानी की कमी के कारण 2024-25 सीज़न में फसल प्रभावित होने की आशंका है। चीनी की तरह, कॉफी बाजार पर भी गहरा असर पड़ सकता है, क्योंकि वियतनाम दुनिया में सबसे बड़ा रोबस्टा उत्पादक है और इंडोनेशिया तीसरे नंबर पर है। वियतनाम में अधिकांश कॉफी फार्म सिंचित हैं, लेकिन इंडोनेशियाई फार्म सिंचित नहीं हैं। स्पष्ट रूप से, वर्ष की शुरुआत में रोबस्टा के दाम में देखी गई तेजी में अल नीनो प्रभाव का भी असर था। कोको के मामले में पश्चिम अफ्रीका में सूखापन (वैश्विक कोको निर्यात के 70 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार क्षेत्र) और अल नीनो के बीच थोड़ा सा संबंध है।

एनपीएस और एपीवाई के सदस्यों की संख्या 6.62 करोड़ के पार

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) की प्रबंधन के तहत संपत्ति (एयूएम) लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचने के साथ ही इसके सदस्यों की संख्या भी 6.62 करोड़ के पार हो गयी है। पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट आर्थिरिटी (पीएफआरडीए) की ओर से आज जारी आंकड़ों के अनुसार केंद्र सरकार में 1 जनवरी 24 को या उसके बाद शामिल होने वाले सभी सरकारी कर्मचारियों (सशस्त्र बलों को छोड़कर) के लिए एनपीएस लागू किया गया है। अधिकांश राज्य/केंद्रशासित प्रदेश सरकारों ने अपने नए कर्मचारियों के लिए एनपीएस को भी अधिसूचित किया है। एनपीएस` 1 मई 29 से प्रत्येक भारतीय नागरिक को स्वैच्छिक आधार पर उपलब्ध कराया गया है।

इसके अलावा, 1 जून 215 से, अटल पेंशन योजना शुरू की गई है, जिसने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को बहुत आवश्यक प्रोत्साहन दिया है। वर्तमान में, एनपीएस और एपीवाई के कुल मिलाकर 6.62 करोड़ से अधिक ग्राहक हैं और कुल संपदा प्रबंधन 1 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।

देश में हवाई यात्रियों की संख्या 235 तक बढ़कर 42.5 करोड़ होने का अनुमान : सिंधिया

ग्वालियर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि देश का विमानन क्षेत्र तेजी से विकास के लिए तैयार है और हवाई यात्रियों की संख्या मौजूदा 14.5 करोड़ से बढ़कर 2035 तक 42.5 करोड़ होने का अनुमान है।

उन्होंने यहां सीआईआई द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय एयरोस्पेस सम्मेलन में कहा, यह विकास क्षमता अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों के लिए भारत के विमानन बाजार में शामिल होने का अवसर प्रस्तुत करती है। सिंधिया ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि कैसे क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना (आरसीएस) ने नागरिक उड्डयन को अधिक सुलभ बना दिया है, जिससे चार क्षेत्रीय एयरलाइन उभरे हैं।

उन्होंने सेवा और उत्पाद दोनों के रूप में बढ़ते नागरिक उड्डयन के महत्व पर जोर दिया और एयरोस्पेस कंपनियों से भारत में एक मजबूत उपस्थिति स्थापित करने का आग्रह किया।

उन्होंने यह भी कहा कि ग्वालियर हवाई अड्डे के नये टर्मिनल भवन की आधारशिला 16 अक्टूबर 2022 में रखी गई थी, और आश्वासन दिया कि यह 2023 के अंत तक 15 महीने की अवधि में पूरा हो जाएगा। यह देश के इतिहास में सबसे तेजी से बनने वाला टर्मिनल भवन बन जाएगा। सम्मेलन का व्यापक विषय समावेशी वैश्विक वैल्यू चेन की ओर बढ़ना है।

मजबूत जीडीपी आंकड़ों से शेयर बाजार ने लगाई छलांग

मुंबई 1 सितंबर (एजेंसियां)। विश्व बाजार के मजबूत रुझान के बीच चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर, अनुमान से अधिक मजबूत रहने की बदौलत हुई चौतरफा लिवाली से आज शेयर बाजार में करीब एक प्रतिशत की तेजी रही। बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 555.75 अंक अर्थात 0.86 प्रतिशत की छलांग लगाकर 65,387.16 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 181.50 अंक यानी 0.94 प्रतिशत उछलकर 19,435.30 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.75 प्रतिशत की तेजी लेकर 31,435.62 अंक और स्मॉलकैप 0.75 प्रतिशत मजबूत होकर 37,420.53 अंक पर रहा।

इस दौरान बीएसई में कुल 3786 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2184 में लिवाली जबकि 1479 में बिकवाली हुई वहीं 123 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 44 कंपनियों में तेजी जबकि शेष सात में गिरावट रही। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में देश का जीडीपी आंकड़ा 7.8 प्रतिशत रहा, जो पिछली चार तिमाहियों में उच्चतम है और रिजर्व बैंक के अनुमान से अधिक है। इससे उत्साहित निवेशकों को लिवाली की बदौलत बीएसई में केवल हेल्थकेयर की 0.60 प्रतिशत की गिरावट को छोड़कर शेष 20 समूहों में तेजी रही। इस दौरान धातु 3.32, यूटिलिटीज 3.09, दूरसंचार 2.73, पावर 2.73, कमोडिटीज 1.57, सीडी 0.95, ऊर्जा 1.48, एफएमसीजी 0.27, वित्तीय सेवाएं 0.84, इंडस्ट्रियल्स 0.57, आईटी 1.02, ऑटो 1.58, बैंकिंग 1.09, कैपिटल गुड्स 0.42, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.25, तेल एवं गैस 1.85, रियल्टी 0.96, टेक 0.99 और सर्विसेज समूह के शेयर 0.84 प्रतिशत चढ़ गए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी का रुख रहा। इस ब्रिटेन का एफटीएसई 0.53, जर्मनी का डैक्स 0.06, जापान का निक्केई 0.28 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.43 प्रतिशत मजबूत रहा।

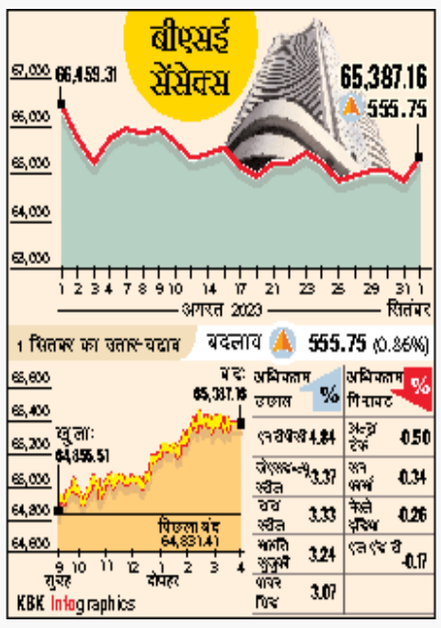

शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 24 अंक की बढ़त लेकर 64,855.51 अंक पर खुला लेकिन बिकवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 64,818.37 अंक के निचले स्तर तक आ गया। वहीं इस दौरान हुई लिवाली की बदौलत कारोबार के अंतिम चरण में यह 65,473.27 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 64,831.41 अंक के मुकाबले 0.86 प्रतिशत चढ़कर 65,387.16 अंक पर रहा। वहीं, निफ्टी चार अंक बढ़कर 19,258.15 अंक पर सपाट खुला और सत्र के दौरान 19,255.70 अंक के निचले जबकि 19,458.55 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 19,253.80 अंक की तुलना में 0.94 प्रतिशत मजबूत होकर 19,435.30 अंक पर पहुंच गया। इस दौरान सेंसेक्स की तेजी पर रही 26 दिग्गज कंपनियों में एनटीपीसी ने सबसे अधिक 4.84 प्रतिशत का मुनाफा कमाया। साथ ही जेएसडब्ल्यूएस स्टील 3.37, टाटा स्टील 3.33, मारुति 3.24, पावर ग्रिड 3.07, इंडसइंड बैंक 2.95, बजाज फाइनेंस 2.12, टेक महिंद्रा 2.11, विप्रो 1.85, टाटा मोटर्स 1.68, एसबीआई 1.50, आईसीआईसीआईआई बैंक 1.13, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.98, टीसीएस 0.66, रिलायंस 0.26, एचडीएफसी बैंक 0.18 और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर 0.03 प्रतिशत मजबूत रहे। वहीं, अल्ट्रा सिमको 0.50, सन फार्मा 0.34, नेस्ले इंडिया 0.26 और एलटी के शेयर 0.17 प्रतिशत के नुकसान में रहे।

अगस्त में यूपीआई से 10.58 अरब रुपये का लेन-देन

मुंबई, 1 सितंबर (एजेंसियां)। इस बार अगस्त माह में मोबाइल ऐप यूपीआई (यूनीफाइड पेमेंट इंटरफेस) के माध्यम से साढ़े 1 अरब रुपये से भी अधिक लेन-देन किए गये जो एक साल पहले इसी माह की तुलना में 61 प्रतिशत अधिक है। यह देश में डिजिटल भुगतान की बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाता है। नेशनल पेमेंट कार्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने शुक्रवार को सोशल मीडिया नेटवर्क 'एक्स' पर लिखा, अगस्त 23 में 1 अरब से अधिक लेनदेन! आप अपने मोबाइल से यूपीआई के साथ तत्काल निर्बाध भुगतान करें। एनपीसीआई ने बताया कि अगस्त 223 में यूपीआई से 1.58 अरब की संख्या में भुगतान किए गए जिनका मूल्य 15.76 लाख करोड़ रुपये रहा। भुगतान राशि के हिसाब से यूपीआई भुगतान में एक साल पहले की तुलना में 47 प्रतिशत वृद्धि हुई है। यूपीआई ऐप से जुलाई, 23 में कुल 15.34 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 9.96 अरब भुगतान किए गए थे। जून में सौदों का आंकड़ा 9.34 अरब और भुगतान राशि 14.75 लाख करोड़ रुपये थी। वर्ल्डलाइन इंडिया के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, हेड-स्ट्रेटेजी, इनोवेशन एंड एनालिटिक्स सुनील रोंगला ने कहा, यूपीआई डेटा डेटा से पता चलता है कि यूपीआई पर पी2एम लेनदेन साल-दर-साल आधार पर 1 प्रतिशत से अधिक की गति से बढ़ रहा है और पी2पी लेनदेन की तुलना में इसकी हिस्सेदारी अधिक है। समय के साथ, पी2एम लेनदेन से यूपीआई लेनदेन में वृद्धि होगी और यह कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी , अगर 18-24 महीनों में यूपीआई लेनदेन प्रति माह 2 अरब तक पहुंच जाए।

सार संक्षेप

विदेशी मुद्रा भंडार तीन करोड़ डॉलर घटकर 594.9 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि कमी होने से 25 अगस्त को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार तीन करोड़ डॉलर कम होकर 594.9 अरब डॉलर रह गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह 7.3 अरब डॉलर घटकर 594.9 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 25 अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 53.8 करोड़ डॉलर की गिरावट लेकर 527.3 अरब डॉलर पर आ गयी। वहीं, इस अवधि में स्वर्ण भंडार 53 करोड़ डॉलर बढ़कर 44.4 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार में 1.1 करोड़ डॉलर की गिरावट आई और यह घटकर 18.2 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 1.2 करोड़ डॉलर की गिरावट लेकर 5.1 अरब डॉलर रह गई।

वुमलुनमंग वुअलनाम नागरिक उड्डयन मंत्रालय के नये सचिव

नई दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी वुमलुनमंग वुअलनाम ने शुक्रवार को यहां केंद्र में नागरिक उड्डयन मंत्रालय (एमओसीए) के सचिव का पदभार ग्रहण किया। नागरिक उड्डयन मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार श्री वुअलनाम ने श्री राजीव बंसल का स्थान लिया है जो 31 अगस्त, 223 को सेवानिवृत्त हुए। श्री वुलनाम मणिपुर कैडर से 1992 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी हैं। उन्होंने केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय में अपर सचिव, गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव और वित्त एवं कंपनी कार्य मंत्रालय के उप-सचिव सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं प्रदान की हैं। वह मणिपुर सरकार में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में आयुक्त और परिवहन निदेशक सहित कई प्रमुख पदों पर भी कार्य कर चुके हैं और कुछ समय तक विश्वबैंक में कार्यकारी निदेशक के सलाहकार का पदभार भी संभाला है।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार वार्ता का 13वां दौर इसी माह

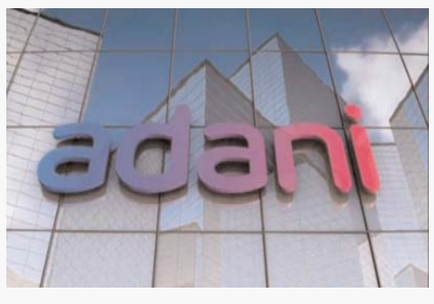

नई दिल्ली। भारत मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए 13वें दौर की वार्ता इस माह होगी। यह जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति में दी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि बारहवें दौर की बातचीत 8-31 अगस्त, 223 तक मिले जुले तरीके से हुई जिसमें प्रतिनिधिमंडलों के बीच वीडियो कांफ्रेंसिंग और साक्षात बैठकों का आयोजन किया गया। ब्रिटेन के कुछ अधिकारी बातचीत के लिए नयी दिल्ली आए और बाकी ने वहां से वीडियो कांफ्रेस के माध्यम से चर्चा में भाग लिया। भारत ने गत 24-25 अगस्त जयपुर में जी 2 व्यापार और निवेश मंत्रिस्तरीय बैठक की मेजबानी की। उस बैठक के लिए ब्रिटेन की व्यापार राज्य मंत्री केमी बडेनोच भारत आयी थीं। उन्होंने वाणिज्य और उद्योग मंत्री, पीयूष गोयल से मुलाकात की थी तथा एफटीए वार्ता की प्रगति की समीक्षा की थी।

जिंसों में टिकाव

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में तेजी जारी रहने के बावजूद आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत अन्य जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में सितंबर का पाम ऑयल वायदा 35 रिंगिट उबलकर 3895 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह सितंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.64 सेंट की तेजी लेकर 63.12 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पुराने स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में टिकाव रहा। चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के दाम टिके रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव पुराने स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहन : चना 6000-6100, दाल चना 7000-7100, मसूर काली 8000-8100, मूंग दाल 9100-9200, उड़द दाल 11300-11400, अरहर दाल 10500-10600 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2500-2600 रुपये और **चावल** : 3000-3100 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

अडाणी समूह का मार्केट कैप 12,675 करोड़ रुपए बढ़ा

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। अदाणी समूह के शेयरों में शुक्रवार को तेजी रही, जिससे उसके बाजार पूंजीकरण में 12,675 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। अडाणी समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 10.62 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। गुरुवार को कारोबार की समाप्ति पर उसका मार्केट कैप 10.49 लाख करोड़ रुपये था।

एक विश्लेषक ने कहा, अडाणी समूह का हालिया उछाल, विशेष रूप से इसके पावर पोर्टफोलियो में, निवेशक समुदाय के नए आत्मविश्वास और इसकी क्षमता पर ध्यान केंद्रित करने का उदाहरण है। यह रुचि केवल वर्तमान प्रदर्शन पर आधारित नहीं है, बल्कि समूह की मजबूत वित्तीय और रणनीतिक निर्णय लेने की क्षमता के कारण भी है। हालिया मीडिया रिपोर्टों की छाया के बावजूद, बाजार काफी हद तक नकारात्मकताओं को दरकिनार कर समूह की भविष्य की विकास क्षमता की ओर ध्यान दे रहा है। इस चुनौतीपूर्ण समय में समूह की लचीलापन और अनुकूलन क्षमता ने उसे दूसरों से अलग किया है। अडाणी समूह के पावर पोर्टफोलियो ने घरेलू निवेशकों की नई रुचि के कारण मजबूत लाभ दर्ज किया।

अडाणी पावर के शेयर 2.79 फीसदी बढ़कर 330.25 रुपये पर पहुंच गए, जिससे इसका मार्केट कैप 1.27 लाख करोड़ रुपये हो गया। अडाणी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में 1.94 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और इसका मार्केट कैप 1.49 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयरों में 1.59 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और मार्केट कैप 92,017 करोड़ रुपये हो गया।

समूह की प्रमुख कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर की कीमत 1.27 प्रतिशत बढ़कर 2,450.05 रुपये हो गई और इसका बाजार पूंजीकरण बढ़कर 2.79 लाख करोड़ रुपये हो गया। अडाणी पोर्ट्स के शेयर भी 0.92 फीसदी चढ़े। अदाणी समूह के शेयरों को बढ़ावा तब मिला जब बाजार ने समूह की बुनियादी ताकत को पहचाना और हिंडनबर्ग रिपोर्ट और हालिया ओसीसीआरपी जैसी रिपोर्टों को खारिज कर दिया। अडाणी ग्रुप ने इन रिपोर्ट्स के दावों को खारिज कर दिया है।

रिपोर्टों के अनुसार, नियामक पहले ही अडाणी जांच में ओसीसीआरपी द्वारा नामित फंड की जांच कर चुका है। इन बाहरी चुनौतियों के बावजूद समूह के वित्तीय आंकड़े मजबूत हैं, जो परिचालन ताकत और लचीलेपन को दर्शाता है। मौजूदा वित?त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी की सूचीबद्ध कंपनियों का कर पूर्व लाभ 42 प्रतिशत बढ़कर 23,532 करोड़ रुपये हो गया। इसमें कोर इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र की समूह की कंपनियों का कर पूर्व लाभ 34 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 20,233 करोड़ रुपये रहा।

एईएल इंफ्रास्ट्रक्चर बिजनेस ने सालाना आधार पर 96 प्रतिशत की वृद्धि के साथ कर पूर्व लाभ में 1,718 करोड़ की वृद्धि दर्ज की। सीमेंट व्यवसाय ने लागत अनुकूलन और परिचालन तालमेल के साथ तिमाही-दर-तिमाही आधार पर मजबूत सुधार दर्ज किया, जिससे मार्जिन में सुधार हुआ।

छत्तीसगढ़ शासन

राजीव युवा मितान क्लब
छत्तीसगढ़

राजीव युवा मितान सम्मेलन

2 सितंबर 2023
मेला स्थल, नवा रायपुर, छत्तीसगढ़

मुख्य अतिथि
श्री राहुल गांधी
माननीय सांसद

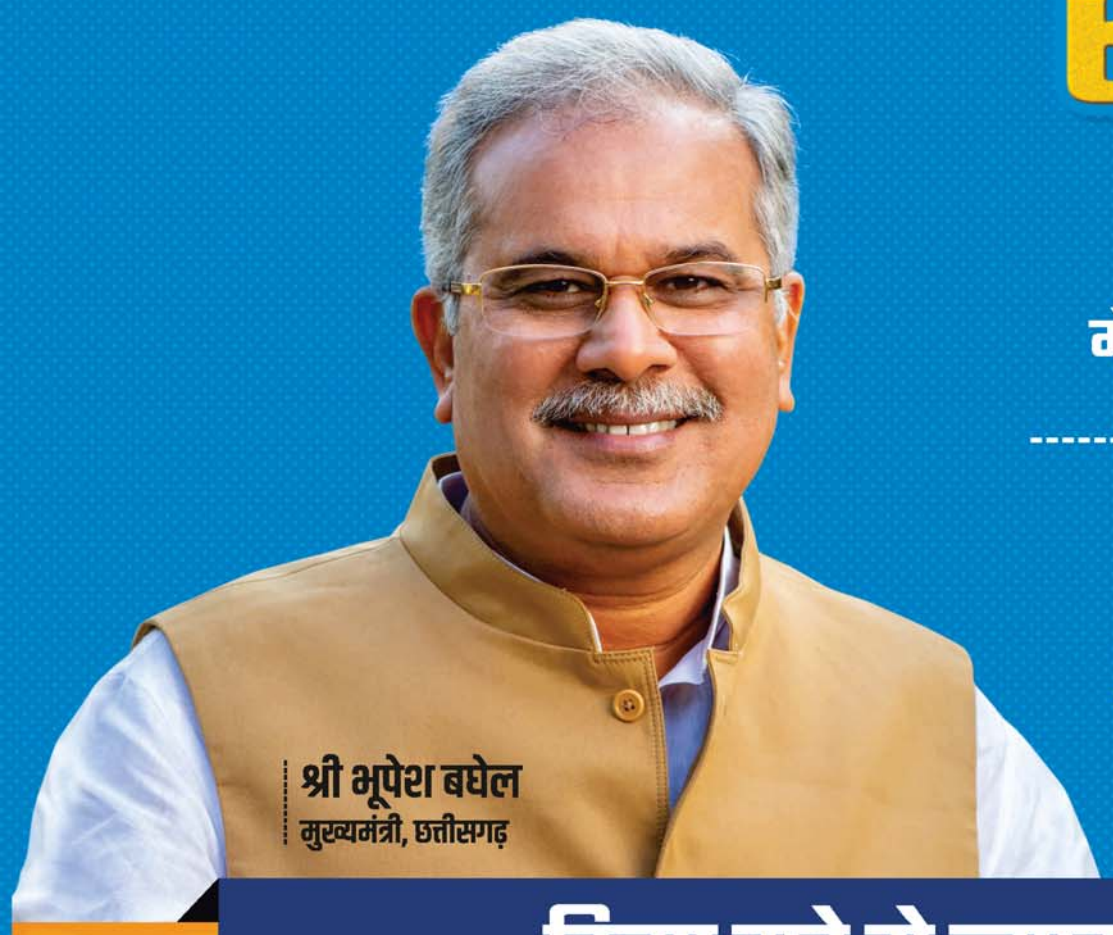
श्री भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

किया वादे से ज्यादा, भरोसा बरकरार
युवाओं के साथ छत्तीसगढ़ सरकार

सरकारी नौकरी के सपने हो रहे पूरे
42,000 विभिन्न शासकीय पदों पर भर्ती जारी

आकांक्षाओं पर निवेश
शिक्षित बेरोजगार युवाओं को प्रतिमाह 2,500 रु भत्ता

मजबूत भविष्य को आकार
कौशल विकास प्रशिक्षण से
4.68 लाख युवाओं का भविष्य मजबूत

युवाओं को आर्थिक राहत
सीजीव्यापम और सीजीपीएससी
की परीक्षाओं की फीस माफ

रोजगार मेला - सफलता की राह
18,666 युवाओं के हाथों में रोजगार-स्वरोजगार

उज्ज्वल भविष्य का निर्माण
10 नए स्वामी आत्मानंद महाविद्यालय

स्कूली शिक्षा के साथ तकनीकी शिक्षा
हायर-सेकेंडरी में भी आईटीआई शिक्षा और प्रमाण पत्र

तकनीकी प्रशिक्षण से रोजगार की राह आसान
194 आईटीआई संचालित, 36 शासकीय आईटीआई
का टाटा टेक्नोलॉजीस के साथ एमओयू

मजबूत युवा हाथों में निर्माण की जिम्मेदारी
ब्लॉक स्तर पर पंजीकृत युवा इंजीनियरों को दिए जा रहे
20 लाख रु तक के निर्माण कार्य

निखर रहीं खेल प्रतिभाएं
4 आवासीय, 3 गैर आवासीय खेल अकादमियां,
24 खेलो इंडिया सेंटर स्थापित
8 नई खेल अकादमियां प्रस्तावित

जमीनी स्तर की युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा
13,242 राजीव युवा मितान क्लबों के माध्यम से
3.33 लाख युवाओं का सशक्तीकरण

मजबूत नींव
33 जिलों में अजा. अजजा. वर्ग के युवाओं
के लिए नि:शुल्क कोचिंग

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in
छत्तीसगढ़ जनसम्पर्क

प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन, प्रा.लि. के लिए पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. प्रेस में मुद्रित एवं गर्ल्स कॉलेज के पास, जरहाभाटा, बिलासपुर से प्रकाशित। प्रेस पंजीयन- 52158/91 डाक पंजीयन 112-002/2002 सी जी फोन- 07752 422771, 428159 फैक्स नं. 415188